हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...
सोन वर्षा वाणी
रांची, औरंगाबाद एवं आरा से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
www.sonvarshavani.com
● रांची ● वर्ष -04 ● अंक - 225 ● शुक्रवार 27 सितम्बर 2024 ● रजि नं. - JHAHIN/2022/82776 ● पृष्ठ -12 ● मूल्य : 2 रुपये

दुकान पर पहचान, हिमाचल में कांग्रेस हलाकान

विक्रमादित्य के फरमान पर कांग्रेस में ही घमासान,बीजेपी का मिला साथ

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की तरह उनकी सरकार ने भी दुकानों पर पहचान सार्वजनिक करने का फैसला किया है। विक्रमादित्य के इस फरमान के बाद कांग्रेस पार्टी में ही घमासान मच लगया है। कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने इस पर आपत्ति जाहिर की है। हालांकि, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। विक्रमादित्य सिंह ने गुरुवार को लगातार दूसरे दिन अपने रुख को दोहराया और कहा कि यह आंतरिक सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। उधर, भाजपा ने विक्रमादित्य के फैसले को सही करार दिया है। अपने फैसले पर विवाद के बीच विक्रमादित्य सिंह ने अपनी बात को दोहराया और इसके पीछे वजह भी बताने की कोशिश की। हालांकि, एक दिन पहले अपने बयान में यूपी के फैसले का जिक्र करने वाले विक्रमादित्य सिंह ने अब कहा है कि इसका यूपी या योगी से कोई लेना देना नहीं है। एजेंसी से बातचीत में उन्होंने कहा, 'बाहर के राज्य के लोगों का हिमाचल में स्वागत है। हिमाचल देश का हिस्सा है। कोई भी काम के लिए आ सकता है। लेकिन प्रदेश की आतंरिक सुरक्षा बनाए रखा, क्योंकि इससे प्रदेश में ड्रग्स का विस्तार हो रहा है, उसे ठीक रखना है, कानून व्यवस्था को ठीक रखना है। हाईजीन को ध्यान में रखना है। हाई कोर्ट ने भी चिंता जाहिर की है। इसलिए हमने बैठक में फैसला लिया है कि सबको पहचान बतानी होगी, भले ही कोई हिमाचल का हो या बाहर का। यह हिमाचल की सुरक्षा और लोगों की चिंता से जुड़ा है।' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और हिमाचल के प्रभारी राजीव शुक्ला ने यह कहकर विवाद को ठंडा करने की कोशिश की कि विक्रमादित्य ने यूपी की तर्ज पर कोई फैसला नहीं लिया है। इसे गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।

बंगाल में फिजिकल टेस्ट के दौरान बिहार के छात्रों से जमकर मारपीट

गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर साधा निशाना

कहा-बंगाल में रोहिंग्या-बांग्लादेशियों को मिलती है रेड कार्पेट सुविधा

बेगूसराय (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सरकारी नौकरी के लिए फिजिकल टेस्ट देने गए बिहार के छात्रों के साथ मारपीट का वीडियो वायरल होने पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कड़े शब्दों में नाराजगी जाहिर की है। गिरिराज सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार है। जहां रोहिंग्या और बांग्लादेशी, घुसपैठिए और मुसलमानों के लिए रेड कार्पेट बिछाया जाता है। उसी पश्चिम बंगाल में जब अपने ही देश के बच्चे, बिहार के अभ्यर्थी एग्जाम देने जा रहे हैं तो उनके साथ गुंडई की जा रही है। उन्हें मार रहे हैं, पीट रहे हैं, भगा रहे हैं। यह तस्वीर बिहार के तेजस्वी यादव भी देखें, राहुल गांधी भी देखें। ये लोग बताएं कि पश्चिम बंगाल अलग राष्ट्र है या भारत का एक अंग है। इससे पहले बिहार बीजेपी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि बिहार से पश्चिम बंगाल में एग्जाम देने गए छात्रों के साथ मारपीट की गई।

रूस में रहना है तो अब बच्चे पैदा करना होगा जरूरी

● जनसंख्या बढ़ाने के लिए पुतिन सरकार लाने जा रही नया बिल

मास्को (एजेंसी)। दुनियाभर के कई देशों की तरह रूस भी बढ़ती उम्रदराज जनसंख्या से जूझ रहा है। बुजुर्गों की बढ़ती जनसंख्या और घटती जन्म दर के बीच रूसी सांसदों ने इससे निपटने के लिए नि:संतानता पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है। मॉस्को की जनसंख्या में गिरावट यूक्रेन पर उसके सैन्य हमले के कारण बढ़ी है, जिससे आर्थिक खतरा भी बढ़ गया है। संसद अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोडिन

ने सोशल मीडिया पर लिखा, हमने जानबूझकर बच्चे पैदा करने से इनकार करने के प्रचार पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक पर विचार करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि ये कदम संतानहीनता की विचारधारा और बच्चा मुक्त लाइफस्टाइल पर प्रतिबंध के समान होंगे। प्रस्तावित कानून ऑनलाइन, मीडिया, विज्ञापन और फिल्मों के कंटेंट पर लागू होगा। वोलोडिन ने कहा कि इस बिल के उल्लंघन पर व्यक्तियों पर 400,000 रूबल से लेकर बिजनेस और संस्थाओं पर 5 मिलियन रूबल तक का जुर्माना लगाया जाएगा। उन्होंने कहा, एक बड़ा और मैत्रीपूर्ण परिवार एक मजबूत राज्य का आधार है। रूस में इस विधेयक को समर्थन मिलता दिख रहा है। जन्म दर बढ़ाने के लिए जो कुछ भी करने की जरूरत है वह किया जाना चाहिए।

घाटी में अब्दुल्ला और नेहरू 40 हजार हत्याओं के जिम्मेदार

जब कश्मीर में आतंकवाद हावी था,फारुक लंदन में महंगी मोटरसाइकिल चला रहे थे

श्रीनगर (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में चुनावी रैली कर रहे थे। उन्होंने चेनानी और उधमपुर में लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह अब्दुल्ला और नेहरू ही हैं जो जम्मू और कश्मीर में 40,000 लोगों की हत्या के जिम्मेदार हैं। उस समय फारुक अब्दुल्ला कहां थे। वह गर्मियों में लंदन में छुट्टियां मना रहे थे और महंगी मोटरसाइकिल चला रहे थे। कोई पार्टी नहीं, सिर्फ भाजपा ने जम्मू और कश्मीर से आतंकवाद को खत्म किया है। शाह ने कहा कि हमारी देश की संसद पर जिस अफजल गुरु ने हमला करवाया उसकी फांसी की सजा का ये लोग विरोध कर रहे हैं। उमर अब्दुल्ला कहते हैं कि अफजल गुरु को फांसी नहीं देनी चाहिए। उमर अब्दुल्ला साहब, आप आतंकवादियों को बिरयानी खिलाते रहिए, लेकिन जो आतंक फैलाएगा, उसका जवाब फांसी के तख्ते पर ही दिया जाएगा। आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर में एक ऐसा चुनाव होने जा रहा है, जब यहां न धारा-370 है और न ही अलग झंडा है। जम्मू-कश्मीर 40 साल तक आतंकवाद की दहशत में रहा, 40,000 लोग मारे गए, 3,000 दिन कर्फ्यू रहा। हर दिन पाक प्रेरित आतंकवादी बम और गोलियां चलाते थे। हमारी सरकार ने धारा-370 को खत्म कर दिया। अब न पत्थरबाजी होती है, न ही गोलियां चलती हैं। कांग्रेस, एनसी जम्मू-कश्मीर में फिर आतंकवाद लाना चाहते हैं। आतंकवाद को हम पाताल तक दफन करके ही हम दम लेंगे। उमर अब्दुल्ला और राहुल कह रहे थे कि हम जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र लाएंगे। किस मुंह से कह रहे हैं आप। अब्दुल्ला परिवार, मुफ्ती परिवार और नेहरू-गांधी परिवार ने 70 साल तक जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को बांध कर रखा। अभी-अभी राहुल गांधी यहां आए थे। उन्होंने कहा कि बाहर के लोग यहां शासन करते हैं, उनका मतलब उप-राज्यपाल जी से था।

हरियाणा की जनता की जेब में हम डायरेक्ट पैसे डालेंगे

● राहुल बोले-मोदी सरकार ने अग्निवीर बना पेंशन-शहीद का दर्जा छीना

कहा-सेक्शुअल हैरेसमेंट करने वालों को केन्द्र की सरकार ने ही बचाया

हिसार/करनाल (एजेंसी)। हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव को लेकर राहुल गांधी ने गुरुवार को असंध और बरवाला में रैली की। असंध में राहुल गांधी ने कहा भाजपा ने एथलीट्स खत्म कर दिए। महिला पहलवानों से सेक्शुअल हैरेसमेंट करने वालों को बचाया। बरवाला में कांग्रेस नेता ने कहा- अग्निवीर स्कीम लाकर जवानों से पेंशन और शहीद का दर्जा छीन लिया गया। राम मंदिर बनाया लेकिन आदिवासियों को नहीं घुसने देते। राहुल ने कहा- मोदी जी का चेहरा देखा है। पहले 56 इंच की छाती हुआ करती थी। अब कहते हैं नॉन बायोलॉजिकल हूं, मेरा भगवान से सीधा रिश्ता है। घबरा गए हैं, तभी उल्टी सीधी बात बोल रहे हैं। राहुल ने हरियाणा में क्लीन स्वीप का दावा करते हुए कहा कि वे हरियाणा की जनता की जेब में डायरेक्ट पैसा डालेंगे। करनाल रैली में राहुल गांधी भूपेंद्र हुड्डा और कुमारी सैलजा को एक साथ मंच पर लेकर आए। टिकट बंटवारे में अनदेखी और हुड्डा समर्थकों के कथित जातिसूचक शब्द कहे जाने से सैलजा नाराज चल रहीं थीं। राहुल गांधी बोले- अग्निवीर क्या है मैं आपको बताता हूं। पहले आपको याद है वन रैंक वन पेंशन हुआ। अफसरों की जेब में पैसा गया।

नॉर्थ ईस्ट में खतरा,फिर बढ़ा 'अफ्सपा' का दायरा

हिंसा की खबरों के बीच मोदी सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने हिंसा की बढ़ती घटनाओं पर संज्ञान लेते हुए आर्म्ड फोर्सेस (स्पेशल पॉवर) एक्ट (अफ्सपा) का दायरा बढ़ा दिया है। इस कानून के तहत सुरक्षा बलों को किसी क्षेत्र को अशांत घोषित करने की छूट होती है। केंद्र ने पूर्वोत्तर के दो राज्यों नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद अफ्सपा का दायरा बढ़ाया है। अफ्सपा के तहत सशस्त्र बलों के ऑपरेशन में मदद करने के लिए किसी क्षेत्र या जिले को डिस्टर्ब एरिया या अशांत क्षेत्र के रूप में अधिसूचित किया जाता है। इन क्षेत्रों में तैनात सैनिकों को तलाशी लेने, गिरफ्तार करने और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी समझे जाने पर गोली चलाने के भी अधिकार मिल जाते हैं। बुधवार शाम को जारी अधिसूचना में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि आर्म्ड फोर्सेज (स्पेशल पॉवर) एक्ट, 1958 की धारा 3 में दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल, 2024 से छह महीने की अवधि के लिए नागालैंड के आठ जिलों और पांच अन्य जिलों के स्टेशनों को अशांत क्षेत्र घोषित किया है।गया है उनमें दीमापुर, निउलैंड, चुमौकेदिमा, मोन, किफिर, नोकलाक, फेक और पेरेन शामिल हैं।

असंध में राहुल के अगल-बगल नजर आए सैलजा और हुड्डा

घंटे भर साथ रहे मगर नहीं हुई बातचीत,सिर्फ अभिवादन से चलाया काम

असंध (एजेंसी)। हरियाणा में मतदान से 9 दिन पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार का आगाज किया। उन्होंने असंध विधानसभा क्षेत्र में अपनी पहली रैली की, जहां कांग्रेस नेता कुमारी सैलजा के समर्थक शमशेर सिंह गोगी चुनाव मैदान में हैं। टिकट बंटवारे के बाद पार्टी में बढ़ी नाराजगी के बीच यह पहला मौका था, जब कुमारी सैलजा और भूपेंद्र सिंह हुड्डा एक मंच पर नजर आए। दोनों नेताओं के बीच में प्रदेश अध्यक्ष उदयभान और राहुल गांधी बैठे रहे। करीब एक घंटे तक चले कार्यक्रम में सैलजा और हुड्डा मंच पर मौजूद नेताओं से अलग-अलग बात करते दिखे। उम्मीदवारों के साथ फोटो सेशन में दोनों राहुल गांधी के अगल-बगल नजर आए। अपने भाषण में दोनों नेताओं ने एक-दूसरे का नाम लिया, मगर मंच पर उन्होंने बातचीत नहीं की।

राहुल गांधी ने सुनाई अमेरिका गए युवाओं की कहानी

अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा, मुझे पता चला कि हरियाणा से 15-20 हजार लोग अमेरिका गए हैं। मेरे दिमाग में सवाल उठा कि हरियाणा से इतने लोग अमेरिका क्यों जा रहे हैं। मैं उनसे अमेरिका में मिला तो उन्होंने बताया कि वह कई देशों से गुजरकर वहां पहुंचे हैं। जब मैंने अमेरिका में युवाओं से पूछा कि क्या आप अपने परिवार से मिलते हैं। उन्होंने कहा- राहुल जी, हम 10 साल के लिए अपने माता-पिता, बच्चों और परिवार से नहीं मिल पाएंगे। मुझे कहा गया कि जब मैं हिंदुस्तान लौटूं तो 5 मिनट के लिए उनके परिवारों से मिलकर ये बताऊं कि वे ठीक हैं, क्योंकि फोन पर परिवार के लोग उनके सही-सलामत होने की बात पर यकीन नहीं करते।

बारिश से थमी मुंबई की रफ्तार, सड़कों पर सैलाब

● फ्लाइट्स पर पड़ा असर,देरी से चल रहीं लोकल ट्रेनें

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में हो रही लगातार भारी बारिश ने पूरे शहर की गतिविधियों को बुरी तरह प्रभावित किया है। हवाई सेवाओं से लेकर सड़क यातायात तक, हर जगह लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि 11 फ्लाइट्स को रद्द करना पड़ा और 14 फ्लाइट्स का रास्ता बदल दिया गया। भारी बारिश के चलते सुबह 8.32 बजे से 8.43 बजे तक और फिर 10.36 बजे से 10.55 बजे तक हवाई अड्डे के रनवे पर संचालन बंद रहा। इस दौरान दृश्यता महज 300 मीटर रह गई, जिससे उड़ान भरने और लैंडिंग में काफी मुश्किलें आईं। सड़क यातायात की बात करें तो मुंबई की सड़कों पर जलजमाव से हालत और खराब हो गई। बीएमसी (बृहन्मुंबई नगर निगम) के कर्मी लगातार पानी निकासी में लगे हुए हैं।

बेंगलुरु महालक्ष्मी मर्डर केस,मुख्य आरोपी ने किया सुसाइड

ओडिशा के गांव में पेड़ पर लटकता मिला शव; डायरी में हत्या की बात कबूली

भद्रक/बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के महालक्ष्मी मर्डर केस के मुख्य आरोपी ने ओडिशा के भद्रक जिले के गांव में बुधवार दोपहर फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। उसका शव एक पेड़ पर लटकता मिला। उसकी बाइक भी वहीं खड़ी मिली। पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम मुक्तिरंजन रॉय है। उसके पास से एक डायरी बरामद हुई है, जिसमें उसने महालक्ष्मी के मर्डर की बात कबूली है। महालक्ष्मी और रंजन साल 2023 एक-दूसरे जानते थे और रिलेशनशिप में थे। दोनों एक ही मॉल में काम करते थे। 20

सितंबर को बेंगलुरु के व्यालिकावल इलाके में बसप्पा गार्डन के पास बने तीन मंजिला मकान में 29 साल की महालक्ष्मी की लाश मिली थी। उसके शव के 59 टुकड़े कर फ्रिज में रखे गए थे। महालक्ष्मी मल्लेश्वरम में एक कॉस्ट्यूम आउटलेट में टीम लीडर थी। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने भी कहा था कि संदिग्ध के ओडिशा में होने की जानकारी मिली है। आरोपी को पकड़ने के लिए टीमों का गठन किया गया है। उन्हें ओडिशा भेजा गया है। बेंगलुरु पुलिस भी आरोपी की तलाश कर रही थी। महालक्ष्मी 4 साल से पति को छोड़कर अकेले रहती थी महालक्ष्मी के भाई उक्कम सिंह ने बताया था कि उनका परिवार नेपाल के कठंद राज्य के टीकापुर गांव का रहने वाला है। 30 साल पहले मम्मी-पापा काम के लिए बेंगलुरु आए और यहीं बस गए। महालक्ष्मी की शादी नेलमंगला में रहने वाले हेमंत दास से हुई थी। हेमंत मोबाइल एसेसरीज की शॉप में काम करता है।

700 मौतें, 2000 अटैक और अब जमीनी हमले का इरादा

लेबनान से हिजबुल्लाह को खत्म किए बिना नहीं रुकेगा इजराइल

तेलअवीव (एजेंसी)। लेबनान में उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह पर इजरायल की ओर से हमले जारी हैं। इजरायल ने बीते एक सप्ताह के अंदर 2000 से ज्यादा एयर स्ट्राइक की हैं और अब तक इनमें करीब 700 लोग मारे जा चुके हैं। यही नहीं इजरायली सेना ने अब अपने जवानों को सीमा पर डटने का आदेश दिया है। इजरायली सूत्रों का कहना है कि हमास की तरह ही जमीनी हमला करके हिजबुल्लाह को निपटाने की तैयारी है। यदि ऐसा हुआ तो यह भीषण जंग होगी क्योंकि हिजबुल्लाह भी दुनिया का सबसे बड़ा उग्रवादी संगठन है। उसके पास तमाम देशों से बड़ी सेना है और एक लाख उग्रवादी मुकाबले को तैयार हैं। इस बीच हालात ऐसे हो गए हैं कि भारत ने भी अपने नागरिकों को तुरंत लेबनान छोड़ने को कहा है। इसके अलावा उन लोगों से यात्रा प्लान टालने को कहा है, जो हाल के दिनों में लेबनान जाना चाहते थे। हालात ऐसे हो गए हैं कि इजरायल और लेबनान की इस जंग में अमेरिका, यूरोप से लेकर एशिया तक में हलचल मच सकती है।

राजस्थान में शिव मंदिर के ऊपर बनी है अजमेर की दरगाह

● हिंदू सेना का कोर्ट में दावा-कहा-इसके तहखाने में महादेव की छवि

जयपुर (एजेंसी)। अजमेर जिला अदालत में अजमेर शरीफ दरगाह को लेकर एक याचिका दाखिल की हई है। इसमें कहा गया है कि यह दरगाह एक शिव मंदिर के ऊपर बनाई गई है। याचिका में मांग की गई है कि इस दरगाह को श्री संकटमोचन महादेव विराजमान मंदिर घोषित किया जाना चाहिए। याचिका में दरगाह के आसपास से अवैध कब्जा हटाने की भी मांग की गई है।

अदालत में यह याचिका हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से दाखिल की गई है। इस याचिका को हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने दायर की थी। उन्होंने दावा किया है कि दरगाह को मंदिर के खंडहर पर बनाया गया है।

बंगाल सरकार के खिलाफ फिर भड़के जूनियर डॉक्टर

● कहा-बैठक की नहीं मिल रही इजाजत,अब तक नहीं मिला न्याय

कोलकाता (एजेंसी)। 'पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट' ने बुधवार को आरोप लगाया है कि राज्य सरकार उन्हें 27 सितंबर को कार्यक्रम आयोजित करने की इजाजत नहीं दे रही है। डॉक्टर्स ने आरोप लगाया है कि सरकार ने पहले इजाजत दे दी थी लेकिन अब इससे इनकार किया जा रहा है। इस बैठक में डॉक्टर्स आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए अपने आंदोलन के भविष्य की रूपरेखा पर चर्चा करना चाहते थे। इससे पहले आंदोलनकारी डॉक्टर्स ने पिछले सप्ताह अपना धरना वापस ले लिया था और राज्य सरकार के साथ बातचीत के बाद वे आंशिक रूप से राज्य संचालित अस्पतालों में आपातकालीन और जरूरी सेवाएं देने के लिए तैयार हो गए थे। हालांकि चिकित्सकों ने आरोप लगाया कि उनके आंदोलन को समर्थन देने वाले लोगों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की 1.76 लाख किसानों को बड़ी सौगात, 400.66 करोड़ का कृषि लोन किया माफ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि गांव-देहात से होकर विकास का दरवाजा खुलता है। ऐसे में किसानों की खुशहाली से ही राज्य मजबूत बनेगा। हमारी सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार ठोस निर्णय ले रही है। सोरेन राजधानी रांची के धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान में गुरुवार को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की ओर से आयोजित झारखंड कृषि ऋण माफी योजना कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऋण माफी योजना कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह किसानों के सम्मान में महाजुटान कार्यक्रम है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य के 1,76,977 लाख किसानों के दो लाख रुपए तक का कर्ज माफ कर उन्हें बड़ी सौगात दी। इन सभी किसानों के लगभग 400.66 करोड़ रुपये के कर्ज की अदायगी राज्य सरकार जरिये की गई। मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम में कृषि विभाग के बिरसा किसान इंटीग्रेटेड पोर्टल का भी अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज किसानों के समक्ष तरह-तरह की चुनौतियां आ रही है। किसानों की गरीबी और पूंजी के अभाव में कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है। ऐसे में किसानों को राहत देने के मकसद से उनके दो लाख रुपए तक के कृषि ऋण माफ करने का निर्णय हमारी सरकार ने लिया है ताकि उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर उन्हें उन्हें कृषि के क्षेत्र में नई शुरुआत करने का मौका मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की 80 प्रतिशत आबादी ग्रामीण परिवेश में रहती है। यहां के किसान-मजदूर जीविकोपार्जन के लिए खेती-बाड़ी पर निर्भर हैं। ऐसे में उनका खेत उनका बैंक है तो खलिहान एटीएम। लेकिन, आज किसानों की स्थिति से छिपी नहीं है। वे विपरीत परिस्थितियों के बीच कृषि कार्य कर रहे हैं। कई बार मौसम की मार की वजह से फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है, जिसका खामियाजा उन्हें लंबे समय तक भुगतना पड़ता है। हमारी सरकार किसानों को इन विपरीत परिस्थितियों से निकलने के लिए लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में कृषि कार्य के लिए जिन किसानों ने दो लाख रुपये तक का लोन लिया है उसे माफ करने का हमारी सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लिया, ताकि किसानों को आर्थिक सुरक्षा कवच प्रदान कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि तमाम खनिज और वन संसाधनों से धनी होने के बाद भी झारखंड एक

पिछड़ा राज्य है। यहां के लोग आज भी गरीबों की जिंदगी जी रहे हैं। ऐसे में हमने जिस तरह लड़ कर झारखंड लिया है उसी तरह लड़कर अपना हक और अधिकार लेंगे ताकि यह राज्य आगे बढ़ सके। मुख्यमंत्री ने कहा की किसान इस देश और राज्य की रीढ़ हैं। जब तक किसान आत्मनिर्भर नहीं बनेंगे, तब तक यह राज्य आगे नहीं बढ़ेगा। आज किसानों को अपनी ताकत पहचानने की जरूरत है। जिस तरह हमारे किसान खेतों में कड़ी मेहनत करते हैं, उसी तरह उन्हें अपने मान-सम्मान एवं हक-अधिकार की खातिर एकजुट होकर कदम बढ़ाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड का जो भौगोलिक परिवेश है, वह काफी अनूठा है। यहां की मिट्टी में हर तरह की फसल उपजाई जा सकती है । लेकिन, इसके लिए बेहतर नीति बनाने की जरूरत है। किसानों को विभिन्न तरीकों के फसलों के उत्पादन को लेकर प्रशिक्षण देने की पहल होनी चाहिए। यदि उस दिशा में कदम बढ़ाते हैं तो निश्चित तौर पर इसके सुखद परिणाम हमको देखने को मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिस तरह मौसम में अनिश्चित बनी हुई है, उसमें किसानों को परंपरागत खेती के साथ वैकल्पिक खेती के लिए भी आगे होगा। इसके लिए हमारी सरकार की ओर से बिरसा हरित ग्राम योजना, दीदी बाड़ी योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, नीलांबर- पीतांबर जल समृद्धि योजना और दीदी बगिया योजना जैसी कई योजनाएं संचालित है। हमारी सरकार ने पहली बार कृषि पदाधिकारियों की नियुक्ति की है, ताकि वे किसानों को फसल उत्पादन की नवीन और आधुनिक तकनीक से अवगत करा सकें। किसान पाठशाला के जरिए किसानों को खेती-बाड़ी से जुड़ी जानकारी देने के साथ कृषि कार्य के लिए प्रशिक्षण भी मिल रहा है। इतना ही नहीं, किसानों को अंडा, दुग्ध और मछली उत्पादन के लिए लगाकर प्रेरित और प्रोत्साहित किया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि हमारे किसानों की आय में बढ़ोतरी हो, ताकि वे राज्य को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी निभा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार हर वर्ग और तबके के विकास और कल्याण के लिए कार्य कर रही है। हमने बुजुर्गों को पेंशन दिया है तो महिलाओं को सम्मान राशि दे रहे हैं । नौजवानों को रोजगार देने का सिलसिला बड़े पैमाने पर चल रहा है। बच्चियों को पढ़ाई के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी योजना चल रही है। यहां के होनहार विद्यार्थियों को पैसे की तंगी की वजह से इंजीनियर डॉक्टर और अफसर बनने का सपना अधूरा ना रहे, इसके लिए उन्हें गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 15 लाख रुपये तक का शिक्षा लोन सरकार अपनी गारंटी पर दे रही है। हमारी सरकार ने किसानों के दो लाख रुपए तक के लोन माफ कर दिए गए हैं। बकाया बिजली बिल माफ करने के साथ 200 यूनिट बिजली मुफ्त में दे रहे हैं। हमारी सरकार में आदिवासी-मूलवासी, दलित, महिला, नौजवान बुजुर्ग, पिछड़े और अल्पसंख्यक समेत हर किसी को आगे बढ़ने के लिए अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता, निष्ठा, ईमानदारी और समर्पित भाव से 24 घंटे जनता की सेवा में कार्य कर रही है। आज सरकार आपके दरवाजे पर पहुंचकर आपकी समस्याओं का समाधान कर रही है । हम लोगों के रोटी, कपड़ा और मकान जैसे मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। इस कड़ी में 20 लाख अतिरिक्त राशन कार्ड जारी कर मुफ्त अनाज दे रहे हैं। 20 लाख गरीबों को अबुआ आवास देने की योजना शुरू की है। सोना- सोबरन धोती साड़ी योजना के तहत गरीबों को धोती साड़ी और लूंगी दे रहे हैं।

चेक बाउंस मामले में शुभम की सजा बरकरार, अपील याचिका खारिज

संवाददाता

रांची। रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने गुरुवार को चेक बाउंस केस में सजायाफ्ता शुभम कुमार उर्फ शुभम गिरि की सजा को बरकरार रखा है।

कोर्ट ने निचली अदालत के आदेश के खिलाफ दाखिल उसकी क्रिमिनल अपील याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया है। शुभम गिरि को प्रथम श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने इसी वर्ष 2 जुलाई को चेक बाउंस के आरोप में एक साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी। साथ ही 3.90 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था। शुभम ने विशाल इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर अमित कुमार मुंजल की दुकान

से अक्टूबर 2017 में 3.80 लाख का सामान लिया था। इसके एवज में भुगतान के लिए उसे चेक दिया था, जो बाउंस कर गया था।

जेएसएससी से 100 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू

संवाददाता

रांची। रांची के नामकुम स्थित झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की चहारदीवारी से 100 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। अनुमंडल दण्डाधिकारी सदर ने गुरुवार को बीएनएसएस की धारा-163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की है। यह निषेधाज्ञा दो अक्टूबर की रात दस बजे तक के लिए लागू रहेगा।

निषेधाज्ञा के दौरान बिना सक्षम प्राधिकार के पुर्वानुमति के किसी प्रकार के धरना, प्रदर्शन, घेराव, जुलूस, रैली और आमसभा का आयोजन करने, किसी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र, बंदूक, राईफल, रिवाल्वर, पिस्टल, बम, बारूद, लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा-भाला लेकर चलने पर पाबंदी लगा दी गई है। साथ ही बिना सक्षम प्राधिकार के पुर्वानुमति के किसी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्र का व्यवहार करने पर रोक रहेगी। यह आदेश जिला प्रशासन के जरिये प्रतिनियुक्त किसी भी पदाधिकारी या बल पर लागू नहीं होगा।

ओसीसी क्लब बना रहा इको फ्रेंडली पंडाल

संवाददाता

रांची। दुर्गा पूजा को लेकर रांची में एक से बढ़कर एक पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। इसी क्रम में बंगला स्कूल ओल्ड कमिशनर कम्पाउंड स्थित ओसीसी क्लब दुर्गा पूजा समिति इस वर्ष इको फ्रेंडली पंडाल का निर्माण कर रही है। काल्पनिक थीम पर आधारित पंडाल में एक टुकड़ा राजस्थान को दर्शाया जाएगा। राजस्थानी शैली के इंटीरियर डिजाइन और सजावट और लकड़ी, लोहा, धागा, कपड़ा और रबर से बनी कलाकृतियां देखने को मिलेंगी। इसमें 9 टन लोहे का उपयोग किया गया है। क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने गुरुवार को बताया कि दर्शनार्थियों को पंडाल के अंदर की सजावट , कलाकृति और वृहद प्रकाश व्यवस्था' अद्भुत एवं मनमोहक होगी। पंडाल को बंगाल के कारीगर सुमन सिल और उनके 25-30 कारीगरों के साथ पिछले 7 महीने से लगातार दिन-रात अंतिम

रूप देने में लगे है। पंडाल की ऊंचाई 55 फीट, लंबाई 125 फीट और चौड़ाई 90 फीट है। पंडाल का कुल लागत 28 लाख का है। इस वर्ष की प्रतिमा पूरी तरह मिट्टी से बनी मूल बनारसी साड़ी की पोषाक में होगी। झारखंड में पहली बार मां दुर्गा की ज्वेलरी मन मोहने वाली होगी। मां दुर्गा की प्रतिमा की ऊंचाई 14 फीट होगी। इसका निर्माण स्थानीय मूर्तिकार अजय पाल कर रहे हैं। इसकी लागत दो लाख रुपए है। महासप्तमी के शाम में 56 प्रकार का भोग और महानवमी पर मां को दिन में खिचड़ी का भोग लगाया जाएगा।

लोहरदगा में प्रभात फेरी निकालकर स्वच्छता का दिया संदेश

संवाददाता

लोहरदगा। उर्सुलाइन शिक्षिका प्रशिक्षण महाविद्यालय, लोहरदगा में केंद्रीय युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय के स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी से पहले प्राचार्य डॉ. सि. शिला ने छात्राओं को स्वच्छता का शपथ दिलाया। साथ ही कहा कि स्वच्छता में ईश्वर का वास होता है। सभी लोगों को इस अभियान में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। यह अभियान महाविद्यालय के प्रांगण से निकलकर अजय पार्क, बरवाटोली तथा जूरीया रोड के कूड़े-कचड़ों की सफाई करते हुए और स्वच्छता से संबंधित विभिन्न नारों से लोगों को जागरूक करते हुए वापस महाविद्यालय पहुंचा। कार्यक्रम में एनएसएस की कार्यक्रम पदाधिकारी सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थीं।

राज्यपाल ने एक्सपो उत्सव का किया उद्घाटन

संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को रांची के मोरहाबादी मैदान में जेसीआई की ओर से आयोजित "एक्सपो उत्सव-2024" का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और वहां प्रदर्शित उत्पादों एवं सेवाओं की विस्तृत जानकारी ली। राज्यपाल ने "एक्सपो उत्सव-2024" के सफल आयोजन के लिए जेसीआई के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई दी।

उन्होंने इस आयोजन को राज्य की आर्थिक प्रगति में सहायक बताया और कहा कि यह मंच युवा उद्यमियों और व्यवसायियों के लिए अपनी प्रतिभा और नवाचार को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। मौके पर पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार सहित अन्य मौजूद थे।

रांची में श्रीलेदर्स के नए शोरूम का उद्घाटन 27 को

संवाददाता

रांची,। फुटवियर उद्योग में प्रतिष्ठित नाम श्रीलेदर्स 27 सितंबर को रांची शहर के हरमू रोड पर नए शोरूम का उद्घाटन करेगा। शोरूम में फुटवियर, चमड़े के सामान, बैग, ट्रैवल बैग, स्पोर्ट्स शूज और एक्टिववियर की विस्तृत रेंज उपलब्ध होगी। इसकी जानकारी देते हुए श्रीलेदर्स के शेखर डे ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम अपने फ्रैंचाइज़ को उत्पाद वितरित करने से पहले गुणवत्ता और ग्राहक स्वीकार्यता को प्राथमिकता देते हैं। भविष्य की विकास योजनाएं पार्टनर और तीसरी पीढ़ी के परिवार के सदस्य सुशांतो डे भविष्य के विकास के लिए ब्रांड के दृष्टिकोण को साझा करते हैं। हमारा लक्ष्य प्रदर्शन-आधारित स्पोर्ट्स शूज़ पर ध्यान केंद्रित करना है। बैडमिंटन, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल के लिए एक अलग स्पोर्ट्स लाइन पेश करना है। इस मौके पर आराधना शर्मा सहित कई लोग मौजूद थे।

झारखंड हाई कोर्ट ने जेएसएससी से पूछा, कितने सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति हुई और कब हुई

संवाददाता

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016 के स्टेट मेरिट लिस्ट पर प्रार्थियों की आपत्ति पर झारखंड हाई कोर्ट में गुरुवार को जस्टिस डॉ एसएन पाठक की बेंच में सुनवाई हुई। मामले में हाई कोर्ट ने जेएसएससी और राज्य सरकार को चार्ट के माध्यम से ही राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट के आधार पर कोटिवार और विषयवार कट ऑफ मार्क्स देने का निर्देश दिया है। साथ ही कोर्ट ने इनसे पूछा है कि कितने सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति हुई है और यह कब हुई है। कोर्ट ने प्रार्थियों से भी अपने मार्क्स एवं कट ऑफ मार्क्स कोर्ट में सूचित करने का निर्देश दिया है। मामले में अगली सुनवाई 24 अक्टूबर को होगी। इससे पहले राज्य

सरकार एवं जेएसएससी की ओर से बताया कि जेएसएससी स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016 का 26 विषयों का स्टेट मेरिट लिस्ट जारी कर दिया है। इस पर प्रार्थियों की ओर से कहा गया कि कट ऑफ से ज्यादा मार्क्स वालों का भी चयन हो गया है। सरकार को बताना चाहिए कि कितने लोगों की नियुक्ति हुई है और यह नियुक्ति कब हुई है। मामले में मीना कुमारी एवं अन्य की ओर से याचिकाएं दाखिल की गई थी। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2016 में जो हाई स्कूल शिक्षक की नियुक्ति का विज्ञापन निकला था, जिसके आलोक में उनकी भी नियुक्ति होनी चाहिए। क्योंकि, कट ऑफ से ज्यादा मार्क्स उन्होंने लाया है। यदि हाई स्कूल शिक्षकों की रिक्तियां बची हैं तो उनकी भी नियुक्ति होनी चाहिए। राज्य सरकार की ओर से जहां महाधिवक्ता राजीव रंजन ने पैरवी की, वहीं जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल, प्रिंस कुमार और राकेश रंजन ने पैरवी की।

नव प्रोन्नत 140 हवलदारों को एसएसपी और सिटी एसपी ने किया सम्मानित

संवाददाता

रांची। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा और सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने गुरुवार को नव प्रोन्नत 140 हवलदारों को बिल्ला लगाकर सम्मानित किया।

रांची जिले में पदस्थापित 140 एसएलसी उत्तीर्ण आरक्षियों का डीआईजी अनूप बिरथरे के आदेश पर आरक्षी से हवलदार की कोटी में प्रोन्नति दी गई। इसके बाद एसएसपी और सिटी एसपी ने रांची पुलिस लाइन में हवलदार को बिल्ला लगाकर सम्मानित किया। इसके लिए कांके रोड स्थित पुलिस लाइन में पिपिंग सेरेमनी का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर मेजर, सार्जेंट मेजर और झारखंड पुलिस मेन्स एसोसिएशन शाखा रांची के पदाधिकारी उपस्थित थे।

रामगढ़ गोदाम प्रबंधक पर गबन का मुकदमा दर्ज, 13 हजार कुंतल खाद्यान्न गायब

प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रीना कुजूर ने दर्ज कराई घोटाले की प्राथमिकी

संवाददाता

रामगढ़। जिले के रांची रोड मरार स्थित झारखंड राज्य निगम गोदाम के सहायक गोदाम प्रबंधक संजीव करमाली पर गबन का मुकदमा दर्ज हो चुका है। डीसी चंदन कुमार के निर्देश पर प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रीना कुजूर ने रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी के अनुसार, 7 करोड रुपये से अधिक का घोटाला संजीव कुमार ने सिर्फ खाद्यान्न की कालाबाजारी कर किया है। उन पर 12495.95 क्विंटल खाद्यान्न और 4.89 क्विंटल चीनी गोदाम से गायब करने का आरोप है। आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत खाद्यान्न

कालाबाजारी करने, सरकारी दस्तावेज को छुपाने के आरोप में संजीव करमाली के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। **स्पष्टीकरण का नहीं दिया जवाब, स्टॉक मिलान में मिली भारी गड़बड़ी** डीसी चंदन कुमार ने गुरुवार को बताया कि संजीव करमाली जनसेवक के पद पर थे और उन्हें वर्ष 2019 में प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधक का प्रभार सौंपा गया था। प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधक ने वर्तमान माह के आवंटित खाद्यान्न, आगामी माह के लिए प्राप्त खाद्यान्न से लगातार निर्गत किया था। इसके कारण आवंटित माह के लिए झारखंड राज्य निगम गोदाम से खाद्यान्न के उठाव में अनावश्यक विलंब हो रहा था। इस संदर्भ में विभिन्न पत्रों, मासिक समीक्षा बैठकों के माध्यम से अद्यतन इन वर्ड रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर, सेल रजिस्टर जिला कार्यालय में सत्यापन करने का निर्देश दिया गया था लेकिन उनके द्वारा उक्त रजिस्टर का सत्यापन नहीं कराया गया। अंततः कार्यालय में उपलब्ध प्रभार प्रतिवेदन, प्रभार के पश्चात एफसीआई से जीएसएफसी के गोदाम में आगत खाद्यान्न, डीएसडी के तहत जीएसएफसी के गोदाम से डीलर के गोदाम तक निर्गत खाद्यान्न आदि का मिलान ऑनलाइन रिपोर्ट से करते हुए गोदाम में भंडारित खाद्यान्न आदि की वास्तविक मात्रा के साथ 18 सितंबर को पूरी जांच की गई। औचक निरीक्षण के दौरान नहीं प्रस्तुत किए गए कोई दस्तावेज प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रीना कुजूर ने वरीय अधिकारियों की उपस्थिति में निरीक्षण किया। गोदाम में उपस्थित प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधक से पंजी की मांग करने पर उन्होंने देने से साफ इनकार किया। साथ ही पंजी घर पर रहने की बात कही गई। इस निरीक्षण के दौरान गोदाम में भंडार खाद्यान्न का सत्यापन प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधक संजीव करमाली की उपस्थिति में की गई। कितना मिला खाद्यान्न और कितना था गायब सत्यापन के दौरान गोदाम में 541.19 क्विंटल गेहूं, 2214.58 क्विंटल चावल, 32.93 क्विंटल चना, 604.25 क्विंटल नमक और 142.50 क्विंटल चीनी का बोरा पाया गया। इस दौरान 12495.95 क्विंटल गेहूं और चावल तथा लगभग 5 क्विंटल चीनी गायब पाया गया। नहीं दिया जवाब, स्टॉक में मिली गड़बड़ी जिला आपूर्ति पदाधिकारी के कार्यालय से 20 सितंबर को संजीव करमाली को पत्र प्राप्ति के 24 घंटे के अंदर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया था। गोदाम से इंवार्ड रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर से रजिस्टर के साथ उपस्थित होने का भी निर्देश दिया गया था। इसके बाद भी संजीव करमाली के द्वारा ना तो पंजी दिखाया गया, ना ही स्पष्टीकरण का जवाब समर्पित किया गया। 21 सितंबर को उनके द्वारा लिखित अभ्यावेदन के माध्यम से खाद्यान्न मिलन के लिए तीन दिनों का समय भी मांगा गया, जिसके आलोक में 23 सितंबर को कार्यालय में उपस्थित हुए। सहयोगी के रूप में गोला प्रखंड के प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधक छात्रधारी महतो और मांडू प्रखंड के सहायक गोदाम प्रबंधक ज्ञानी प्रताप भारती के द्वारा मिलान के पश्चात अंतर पाए जाने के बाद खाद्यान्न आदि का त्रुटि और निराकरण किया गया।

गिरिडीह में एक लाख का इनामी नक्सली लक्ष्मण गिरफ्तार, हथियार बरामद

संवाददाता

गिरिडीह। पुलिस ने प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन से जुड़े एक लाख के इनामी नक्सली लक्ष्मण राय उर्फ रमेश्वर राय को पीरटाड के लेढवा गांव से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सली माओवादी दस्ता का सक्रिय नक्सली है। इसके पास से पुलिस ने राइफल और कारतूस समेत कई अन्य हथियार और सामान बरामद किए हैं।

एसपी डॉ. विमल कुमार ने गुरुवार को पुलिस कार्यालय में पत्रकार वार्ता में बताया कि लक्ष्मण राय के पीरटांड थाना क्षेत्र के लेढवा गांव में आने की सूचना प्राप्त हुई थी। वह यहां से संगठन का मीटिंग कर शहादत सप्ताह के दौरा दहश फैलाने और कोई बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बनाने के प्रयास में था। मामले को गंभीरता से लेते हुए एक विशेष टीम का गठन किया गया। एसपी ने बताया कि सीआरपीएफ बल के सहयोग से गांव पहुंचकर जंगल की घेराबंदी करते हुए हमला बोला गया। भागने के क्रम में लक्ष्मण राय को पकड़ा गया। इसके बाद उसकी निशानदेही पर अलग-अलग हथियार बरामद किए गए। अन्य लोगों के गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है।

बताया गया कि गिरफ्तार नक्सली लक्ष्मण राय का आपराधिक इतिहास काफी लंबा रहा है। जिले के पीरटाड, डुमरी, मधुबन, बगोदर और निमियाघाट थानों में उसके खिलाफ नक्सली वारदातों से जुड़े मामले दर्ज हैं।

पलामू में नकली चांदी के सिक्के बेचते धरा गया फेरीवाला

संवाददाता

पलामू। उत्तरप्रदेश से आकर फेरी कर कपड़े बेचने की आड़ में चांदी का सिक्का बताकर नकली सिक्के बेचते एक फेरीवाले को गिरफ्तार किया गया है। फेरीवाला पलामू जिले के पांडू में एक ज्वेलरी दुकान पर सिक्के बेच रहा था। इसी क्रम में उसे पकड़ा गया। उसके पास से नकली चांदी के 10 सिक्के बरामद किए गए हैं। इसके बाद उसे गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आरोपित की पहचान उत्तरप्रदेश के चंदौली के दैथा ग्राम निवासी जितेंद्र पांडेय के रूप में हुई है। वह घूम-घूम कर कपड़े बेचता था। साथ में नकली चांदी के सिक्के बेचने का कारोबार भी करता था। बुधवार को पांडु में एक ज्वेलरी की दुकान में चांदी का सिक्का बताकर नकली सिक्के बेच रहा था। शक होने पर दुकानदार ने सिक्के की जांच की। सिक्का नकली पाए जाने पर उसने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची एवं फेरीवाले को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 10 नकली सिक्के बरामद किए गए। नकली सिक्कों पर विक्टोरिया इंप्रेस, वन रुपी इंडिया 1839 आदि लिखा हुआ है एवं विक्टोरिया का चित्र भी सिक्के पर बना हुआ है। पांडू थाना प्रभारी कुमार सौरभ ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। साथ ही क्षेत्रवासियों से अपील की है कि इस तरह के लोगों से हमेशा सावधान रहें।

कोडरमा में अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑटो चालक की मौत, पांच घायल

संवाददाता

कोडरमा। जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत केडिया धर्म कांटा के समीप बुधवार रात अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑटो चालक की मौत हो गई जबकि ऑटो पर सवार पांच लोग घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार ऑटो कोडरमा से बाईपास नरेश नगर जा रही थी। इस दौरान किसी वाहन ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दिया। इस दुर्घटना में ऑटो चालक रविंद्र कुमार उर्फ बंटी कुमार (45), झुमरी तिलैया की मौत हो गयी जबकि ऑटो पर सवार भोला भुइयां, अजीत कुमार, दीपक कुमार, शिव कुमार और सोनू कुमार घायल हो गए। घटना के बाद सभी को कोडरमा सदर अस्पताल लाया गया। कोडरमा पुलिस ने गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और जांच-पड़ताल कर रही है।

झारखंड के बोकारो में मालगाड़ी बेपटरी, दो डिब्बे पलटे

संवाददाता

बोकारो। झारखंड के बोकारो-तुपकाडीह से बुधवार देर रात गुजर रही एक डाउनलाइन मालगाड़ी पटरी से उतर गई, जिससे उसके दो डिब्बे पलट गए। यह घटना तुपकाडीह और राजाबेरा सेक्शन के बीच हुई। इससे ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई और डाउनलाइन ट्रैक पर ट्रेनों का परिचालन स्थगित कर दिया गया। घटना के बाद से आरपीएफ बोकारो की 15 सदस्यीय टीम मौके पर मौजूद है। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। जांच चल रही है और ट्रैक को साफ किया जा रहा है।

हजारीबाग में पीएम मोदी की जनसभा के मद्देनजर भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम स्थल का लिया जायजा

संवाददाता

हजारीबाग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दो अक्टूबर को हजारीबाग में जनसभा के मद्देनजर गुरुवार को भाजपा के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, राज्यसभा सदस्य सह प्रदेश महामंत्री प्रदीप वर्मा, हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, हजारीबाग के भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह सहित अन्य लोगों ने कार्यक्रम स्थल गांधी मैदान का जायजा लिया। इससे पहले सभी नेताओं ने झारखंड पुलिस एकेडमी के हेलीपेड और विनोबा भावे विश्वविद्यालय के ग्राउंड का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम स्थल मटवारी स्थित गांधी मैदान पंहुचकर सभी ने तैयारी का जायजा लिया। टेंट-पंडाल का कार्य शुरू हो चुका है। यहां पहुंचे जिला प्रशासन के कई अधिकारियों से भी इन्होंने संयुक्त रूप से समन्वय के लिए वार्ता किया। सांसद सह भाजपा प्रदेश महामंत्री प्रदीप वर्मा ने कहा कि झारखंड प्रांत के सभी 6 मंडलों में भाजपा के संगठन के दृष्टि से चल रही परिवर्तन यात्रा के समापन के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी का आगमन हजारीबाग में होगा। पीएम मोदी झारखंड आते हैं तो खाली हाथ कभी नहीं आते। झारखंड के लिए हमेशा उपहारों और योजनाओं की सौगात लेकर आते हैं। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि पीएम मोदी के आगमन को लेकर झारखण्ड और विशेषकर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की जनता भी आतुर है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में जनसैलाब के रूप में अपनी भागीदारी निभाते हुए हजारीबाग के एक-एक नागरिक को मोदी के कार्यक्रम में सम्मिलित होना चाहिए। जायसवाल ने कहा कि मोदी का यह हजारीबाग दौरा ऐतिहासिक होगा।

हजारीबाग में कोल वाहन ने युवक को रौंदा, ग्रामीणों ने सड़क पर लगाया जाम

संवाददाता

हजारीबाग। केरेडारी टंडवा मार्ग के डंभाबागी में बुधवार देर शाम कोल वाहन ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसकी पहचान अभिषेक पांडेय निवासी केरेडारी थाना क्षेत्र के रूप में हुई है। मौत की खबर मिलने के बाद ग्रामीणों ने गुरुवार को एनटीपीसी के विरोध में हजारीबाग टंडवा मार्ग पर जाम लगा दिया और मुआवजे की मांग करने लगे। फिलहाल सड़क पर जाम लगा है और प्रशासन की ओर से कोई पहल नहीं की गई है।

मंईयां सम्मान यात्रा के तहत पलामू पहुंची कल्पना सोरेन और दो मंत्रियों ने पांकी में की जितिया की पूजा

संवाददाता

पलामू। मंईयां सम्मान यात्रा के तीसरे दिन पलामू जिले पांकी पहुंचने पर बुधवार रात मंत्री बेबी देवी, दीपिका पांडेय सिंह और गांडेय विधायक सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन ने जितिया की पूजा अर्चना की। तेतराई की पंचायत समिति सदस्य सविता सिंह के घर पर तीनों ने जितिया की पूजा-अर्चना की और अपनी संतान की दीर्घायु होने की कामना की। पूजा संपन्न होने के बाद रात 10:30 बजे तीनों नेत्री सड़क मार्ग से पांकी, बालूमाथ, चंदवा होकर रांची के लिए प्रस्थान कर गए।

बताते चले कि मंईयां सम्मान यात्रा के तहत मेदिनीनगर के शिवाजी मैदान में सभा करने के बाद दोनों मंत्री और विधायक दोपहर में सतबरवा के लिए निकल गए थे सतबरवा में कार्यक्रम करने के बाद मनिका लातेहार होते हुए चंदवा से पांकी पहुंचे थे। कार्यक्रम में विलंब होने के कारण तीनों पांकी देर शाम पांकी पहुंचे। इस बीच उन्होंने यहां जनसभा की। मंत्री बेबी देवी निर्जला जितिया व्रत पर थी। इस कारण उन्होंने पांकी में ही पूजा करने का निर्णय लिया।

तेतराई की पंचायत समिति सदस्य सविता सिंह के घर पर तीनों ने अन्य महिलाओं के साथ पूजा अर्चना की। विधि विधान से पूजा अर्चना करने के बाद अपने पुत्रों की सलामती की कामना की।

इससे पहले पांकी में सभा को दोनों मंत्रियों के अलावा विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने संबोधित किया। कल्पना सोरेन ने कहा कि पिछले तीन दिनों से पलामू प्रमंडल में मंईयां सम्मान यात्रा को भरपूर समर्थन मिला। उनके कार्यक्रम में जिस तरह से लोगों की भागीदारी रही, उससे स्पष्ट होता है कि उनकी योजना लोगों को पसंद आ रही है। राहत मिल रहा है। महिलाओं को सम्मान देने की कोशिश की जा रही है। इसी संघर्ष के बल पर हम राज्य में फिर से महागठबंधन की सरकार बनाएंगे और लोगों की उम्मीद पर हमेशा खरा उतरने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि योजनाओं को बंद करने को लेकर विरोधियों की चाल नाकाम होगी और यह काम हमारी माता और बहनें करेंगी।

गैस सिलेंडर चाहिए तो डिलीवरी बॉय को देना होगा ओटीपी

संवाददाता

रामगढ़। गैस सिलेंडर चाहिए तो अब डिलीवरी बॉय को ओटीपी देना अनिवार्य हो गया है। यदि आप ओटीपी नहीं देते हैं तो आपके घर का चूल्हा नहीं जलेगा। सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के वितरण को लेकर एक बड़ा परिवर्तन किया है। इसमें शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक के जितने भी गैस सिलेंडर के ग्राहक हैं, उसे इसके नियम का पालन करना होगा। बताया गया है कि यदि आपका मोबाइल नंबर आपके कंपनी के साथ रजिस्टर्ड नहीं है, तो आपको गैस सिलेंडर मिल पाना मुश्किल है। हिंदुस्तान पैट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम और आइओसीएल कंपनियों के ग्राहकों को भी इसके लिए पहले से ही सतर्क किया गया था लेकिन हालात यह है कि ऐसे सैकड़ो ग्राहक हैं, जिनका मोबाइल नंबर गैस सिलेंडर की कंपनी के साथ रजिस्टर्ड नहीं है। कुछ ऐसे ग्राहक भी हैं, जिनके गैस सिलेंडर के कनेक्शन में नंबर किसी और व्यक्ति का दिया गया है। कुछ ऐसे परिवार भी हैं जहां मोबाइल नंबर धारक किसी दूसरे जिले या प्रदेश में निवास कर रहा है और समय पर ओटीपी नहीं मिलने की वजह से उनका गैस सिलेंडर वापस एजेंसी में चला जा रहा है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत रामगढ़ जिले में हजारों लोगों को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया गया था लेकिन अब उन लाभुकों के सामने मोबाइल नंबर एक भारी संकट बनकर सामने आ गया है। कई ऐसे कनेक्शन धारक हैं, जिनके पास मोबाइल घर में मौजूद नहीं रहता है। जब डिलीवरी बॉय गैस सिलेंडर लेकर उनके दरवाजे पर पहुंचता है और ओटीपी नहीं मिलता है तो उन्हें सिलेंडर की डिलीवरी भी नहीं मिल पाती है। गैस सिलेंडर को लेकर आम नागरिकों में उत्पन्न हुई समस्या को लेकर कंपनी के पदाधिकारियों ने अलग रास्ता निकला है। हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और आइओसीएल ने गाइडलाइन में यह बताया है कि जिस ग्राहक के घर में ओटीपी के लिए मोबाइल नंबर मौजूद नहीं होगा तो डिलीवरी बॉय वहां मौजूद मोबाइल नंबर को सेव कर उस पर ओटीपी भेज सकता है। आम नागरिकों को इसमें परेशानी ना हो इसके लिए डिलीवरी बॉय को भी पहले से ही प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कंपनी के पदाधिकारियों के अनुसार कई महीने पहले से ही गैस सिलेंडर की बुकिंग के दौरान ओटीपी कंपनी के द्वारा भेजा जा रहा था लेकिन वह ओटीपी देना अनिवार्य नहीं था। इसकी वजह से गैस सिलेंडर की कालाबाजारी होने की भी संभावना रहती थी। इस कालाबाजारी को खत्म करने के उद्देश्य से ही ओटीपी को अब अनिवार्य कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

साहेबगंज जिलान्तर्गत चौकीदार के पद पर सीधी भर्ती हेतु सूचना

साहेबगंज। जिलान्तर्गत चौकीदार नियुक्ति सीधी भर्ती से संबंधित आवेदन प्राप्त करने की तिथि 16.जुलाई.2024 से 30.जुलाई.2024 निर्धारित की गई थी। कतिपय कारणवश कुछ अभ्यर्थियों द्वारा ससमय आवेदन नियमानुसार कार्यालय में जमा नहीं किए।अतः पुनः छुटे हुऐ अभ्यर्थी दिनांक 24.सितंबर.2024 से 04.अक्तूबर.2024 तक अपना आवेदन पत्र निबंधित डाक के माध्यम से उपायुक्त साहेबगंज का कार्यालय, जिला सामान्य शाखा, साहेबगंज में भेजना सुनिश्चित कर सकते है।

तीन दिवसीय एसबीए प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

साहिबगंज। सदर अस्पताल के वेयर हाउस में गुरूवार को स्किल बर्थ अटेंडेंट को ट्रेंड एएनएम का तीन दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षक डॉली झा, दीप्तिमय व चिन्मय सोरेन ने सुरक्षित प्रसव व नवजात की देखभाल, प्रसव के विभिन्न तरीके, जटिलता समेत अन्य बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण में प्रत्येक प्रखंड से कूल आठ प्रशिक्षु शामिल हुए। इस मौके पर कई एएनएम मौजूद थी।

डूबी बच्ची का शव बरामद, पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा

साहिबगंज। गंगा में स्नान के दौरान बुधवार की शाम डूबी बालिका का शव लगभग 15 घंटे बाद गुरूवार की सुबह आठ बजे बरामद कर लिया गया। संत जेवियर्स से सटे घाट से पांव सौ मीटर की दूरी पर शव बरामद हुआ है। परिजनों के अनुसार बालिका का शव झाड़ी में फंसा था। लोगों की नजर पड़ने पर ग्रामीणों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला। इधर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। ज्ञात हो कि कमलटोला निवासी जैप 9 के सिपाही ओम प्रकाश यादव की पुत्री अनुष्का कुमारी उम्र10 अपनी मां के साथ गंगा स्नान के लिए गई थीं। तभी बड़ा हादसा हो गया था।

कोल्ड चेन हेंडलर को दिया गया वैक्सीन के रख-रखाव का प्रशिक्षण

साहिबगंज। सदर अस्पताल के वेयर हाउस में गुरूवार को कोल्ड चेन हेंडलर को वैक्सीन के रख रखाव का एक दिवसीय का प्रशिक्षण दिया गया। राज्य से आए प्रशिक्षक डॉ वार्णेश माथूर ने कहा कि कोल्ड चेन में वैक्सीन के लिए जरूरी तापमान बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी की भी जरूरत होती है। वैक्सीन को कैसे सुरक्षित रखा जाए इस संबंध में जानकारी दी गई है। इसके अलावे वैक्सीन से जुड़ी कई बातें बताई गई है। इस मौके पर कई स्वास्थ कर्मी मौजूद थे।

फांसी लगाने से किशोर की हुई मौत

साहिबगंज। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कमल टोला मोहल्ले में एक किशोर ने गुरुवार को अपने घर में फांसी लगा ली। जिसके बाद परिजनों ने किसी तरह उसे उतार आनन फानन में अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉ तबरेज आलम ने जांच उपरांत किशोर को मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार जयप्रकाश का 14 वर्षीय पुत्र धर्मवीर कुमार शाम तक खेल रहा था। अचानक अपने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है ।

बाढ़ का पानी घुस जाने से लोगों को आने जाने में बहुत सारा कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है

राजमहल। प्रखंड के लखीपुर पंचायत के मानसिंघा झिल रोड बाढ़ का पानी घुस जाने से लोगों को आने जाने में बहुत सारा कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। और विद्यालय में पढ़ने वाले छोटे-छोटे बच्चों का पढ़ाई पर भी खासा असर पड़ा है। इन गांव में पानी भर जाने के कारण बच्चे अब स्कूल नहीं जा रहे हैं ।पानी जमा हो जाने का कारण जहरीले सांप भी घर पर आ जाते हैं। ग्रामीणों का आरोप है अब तक प्रशासन के द्वारा इन गांव का भ्रमण नहीं किया है और ना ही किसी भी प्रकार का प्रशासन के द्वारा सहयोग मिला है बाढ़ का पानी पिछले दो सप्ताह से जमा है।

हेमंत सोरेन की सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथः विजय

- राजमहल सांसद ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का लिया जायजा
- पीड़ितों के बीच राहत सामग्री का किया वितरण
- बाढ़ राहत व बचाव तेज करने के लिए डीसी से की वार्ता
- बाढ़ के बाद बीमारियों से बचाव के लिए व्यवस्था सुदृढ़ करने पर की चर्चा
- लोगों से की राहत शिविरों में आने की अपील

साहिबगंज। राजमहल सांसद विजय हांसदा ने गुरुवार को झामुमो जिला अध्यक्ष मो शाहजहां अंसारी, एमटी राजा, केंद्रीय समिति सदस्य प्रो नजरुल इस्लाम सहित अन्य के साथ बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान बाढ़ से उत्पन्न हालात पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि गंगा नदी में जलस्तर ने भयावह रूप ले लिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ है। उनके लिए हर जरूरी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से प्रशासन के बनाये राहत शिविरों में शरण लेने की अपील की। विशेष कर दियारा वासियों से मवेशियों के साथ दियारा छोड़ने की अपील की। शहर के तटीय इलाकों के लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए खुद को व बच्चों को दूर रखने की अपील की। सांसद ने कहा जनता की जान-माल की सुरक्षा की हर संभव कोशिश की जाएगी। सांसद ने बताया कि साहिबगंज, राजमहल व उधवा के 30 पंचायत बुरी तरह बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का इस दिशा में प्रशासन को स्पष्ट निर्देश है कि राहत व बचाव कार्य में तेजी लाई जाए। सांसद ने मदनशाही में राहत सामाग्री के तौर पर चूड़ा, गुड़, मिट्टी तेल, दाल, चावल, माचिस, मोमबत्ती, बच्चों के लिए दूध, प्लास्टिक का वितरण किया। सांसद ने बताया कि राहत सामाग्री पर्याप्त मात्रा में मौजूद है। उन्होंने डीसी हेमंत सती से लोगों के स्वास्थ्य पर भी फोकस रखने को कहा। पशुओं के चारा व इलाज की व्यवस्था के लिए भी कहा। साथ ही डीसी से वार्ता करते हुए बाढ़ राहत व बचाव कार्य तेज करने व राहत शिविरों में पर्याप्त सुविधा मुहैया कराने के लिए चर्चा की। कहा कि साहिबगंज की जनता को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो। इस मौके पर अपर समाहर्ता गौतम भगत, सदर एसडीओ अंगारनाथ स्वर्णकार, सदर सीओ, मुखिया किसनी देवी, राजू अंसारी, सद्दाम अंसारी, सफ़ाजुद्दीन, इरशाद, रियाजुल, अलाउद्दीन मुखिया, मिस्टर, महेंद्र मंडल, महताब, मुमताज, दीपक चौधरी सहित अन्य मौजूद थे।

राज्य वैक्टर जनित रोग सलाहकार ने बोरियो सीएचसी का किया दौरा

साहिबगंज। गुरुवार को बोरियो थाना क्षेत्र में राज्य वैक्टर जनित रोग सलाहकार रांची के जयंत देव सिंह झारखण्ड के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियो का दौरा किया गया। जिसमे कालाजार, मलेरिया, फाईलेरिया, डेंगू एवं आईआरएस छिड़काव से सम्बंधित सभी प्रकार के रजिस्टर, प्रतिवेदन एवं दस्तावेज का अवलोकन किए एवं आवश्यक दिशा -निर्देश दिया गया। साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियों के अंतर्गत कालाज़ार प्रभावित गाँव पंडरिया का निरक्षण किया गया। जिसमें घर -घर भ्रमण कर कालाजार रोगियों का हाल- चाल जाने एवं स्वास्थ्य सम्बंधित आवश्यक सलाह भी दी गई। साथ ही घर के मालिकों को कालाजार के बारे मे विस्तृत जानकारी दिए और बुखार होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र जाने को कहा एवं ओझा- गुनी,झाड़ -फुक, जड़ी-बूटी के चकर मे ना पड़ने की सलाह दी गई। इस मौके पर डॉ० विवेक भारती, एफएलए मो० मुशाहिद अख्तर, बीपीएम बिष्णु कुमार भगत, मएमटीएस नोहर पंडित, एफपीडब्ल्यू आशुतोष कुणाल एवं बीटी हांसदा सहित अन्य मौजूद थे।

रूक-रूककर हो रही बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त, दियारा क्षेत्र के लोग परेशान

उधवा। प्रखंड क्षेत्र में बीते दो दिनों से रूक-रूककर बारिश होने से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। जिससे लोगों की परेशानी काफी बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार उधवा, मोहनपुर, फुदकीपुर मनिहारी टोला,श्रीधर दियारा, बेगमगंज, राधानगर,केलाबाड़ी मसना आतापुर, चांदशहर,अमानत दियारा, पियारपुर, प्राणपुर,बालुगांव सहित अन्य क्षेत्रों में दो दिनों से रूक-रूककर बारिश हो रही है। बारिश होने से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। बड़े-बड़े गड्ढों तथा घरों के आसपास बारिश का पानी भर गया है। वहीं दियारा क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोग मदद के लिए अपने घर से निकल कर दूसरे घर नहीं जा पा रहे हैं। बारिश से कच्ची सड़कों का हाल-बेहाल हो गया है। बारिश के कारण चौक-चौराहों पर लोगों की भीड़ काफी कम देखने को मिली। लोगों को यातायात करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय पोखरिया में विद्यालय प्रबंधन समिति की मासिक बैठक आयोजित

मनमाने तरीके से मध्यान भोजन का बिल निकासी करना

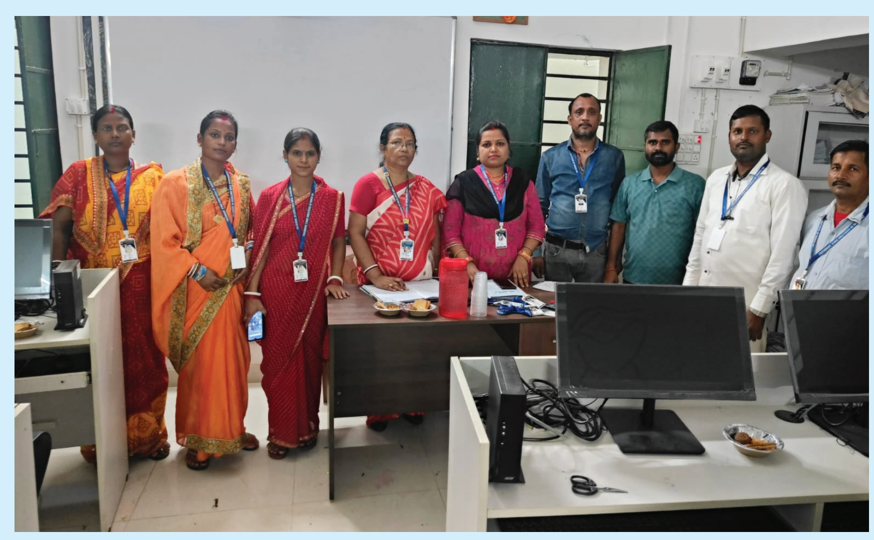

साहिबगंज। गुरुवार को बताते चलें मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय कन्या पोखरिया में विद्यालय प्रबंधन समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पूनम कुमारी ने की।

सर्वप्रथम प्रधानाध्यापिका सह प्रबंधन समिति सचिव ने बताया कि विद्यालय का और बेहतर विकास कैसे हो इसको लेकर आज की बैठक आयोजित की हैं। जिसमें विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने को लेकर दूसरा विद्यालय में सीबीएससी सेंटर तीसरा मध्यान भोजन पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। जिसमें सभी सदस्यों ने सहमति जताते हुए कहा कि विद्यालय का विकास के लिए हम सभी तैयार हैं। अंत में मध्यान्ह भोजन को लेकर चर्चा हुई।मध्यान भोजन को लेकर जब अध्यक्ष पूनम कुमारी से ब्योरा मांगा गया तो ब्योरा देने में अटपटा सा जवाब देते नजर आई। इसके बाद उपस्थिति पंजी बिल देखा गया तो कई सारी त्रुटियां पाई गई। जैसे की बच्चों की उपस्थिति अनुरूप दाल, सब्जी नही बनाना दूसरी और 24 अगस्त से 31 अगस्त तारीख तक के मध्यान भोजन का बिल निकासी मनमानी तरीके से कर लेना। ऐसे कई सारे चीजों को साफ सुथरान नहीं लिखना जो सरासर या बताता है कि विद्यालय में मध्यान भोजन का संचालन सही तरीके से नहीं हो रहा है। वहीं प्रबंधन समिति के सदस्यों में से कई सदस्य बैठक में नहीं पहुंचे उपस्थित सदस्यों में से सचिन सोमनाथ राय अध्यक्ष पूनम कुमारी उपाध्यक्ष उज्जवल कुमार सिंह संयोजिका रिया कुमारी सदस्य विक्की कुमार, उषा देवी,राजो देवी, धनेश्वर शाह, उपस्थित रहे।इस संबंध में जिला शिक्षा अधीक्षक हर्ष कुमार से बात की गई तो बताया कि मध्यान भोजन को लेकर पक्की बल एवं साफ सुथरा हिसाब दिखाना है अगर ऐसा नहीं करता है तो उसे पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

साहिबगंज शहर में जल निकासी का कोई न कोई समाधान जिला प्रशासन को तो ढूंढना ही होगा

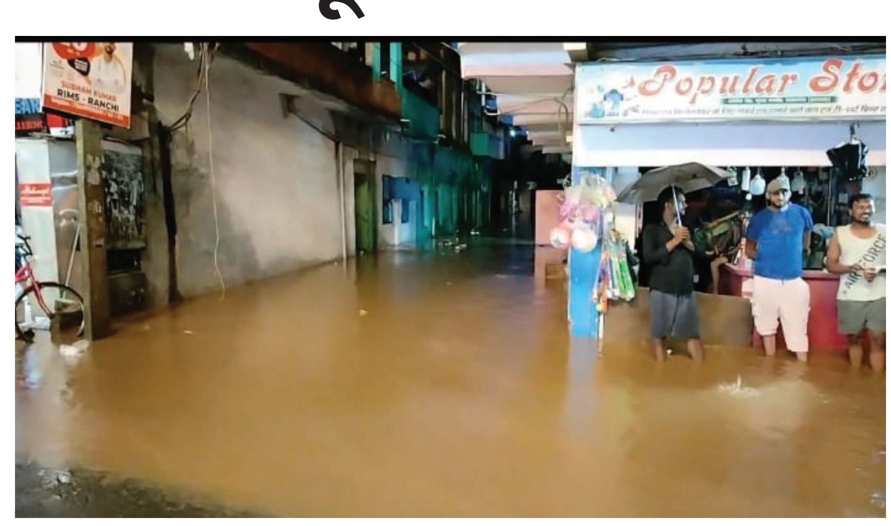

साहिबंगज। लगातार दो दिनो से बारिश होने के कारण साहिबगंज शहर में रिफ्यूजी कॉलोनी, कॉलेज रोड समेत कई क्षेत्र में जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया। गुरुवार की सुबह को हुई मूसलधार बारिश से कॉलेज रोड,टमटम स्टेंड, रसुलपुर दहला,के घरों, दुकानों व सड़कों पर पानी भर गया। जानकारी के अनुसार पिछले 19 घंटो में साहिबगंज मे लगभग 160 मिलिमिटर बारिश हुई।झरना के पहाडी क्षेत्र से पानी निकासी के लाइन में झरना के पास अवैध रूप से पहाड़िया के जमीन पर शहर के लोग अवैध रूप से मकान बनाकर रह रहे है।और पहाड़ के पानी को रुकावट से शहर के निचले इलाकों में जल जमाव हो जाता है। मूसलाधार बारिश में शहर का सीवरेज सिस्टम पूरी तरह से फेल हो गया है।पहाड़ के झरना का पानी अचानक पानी आ जाने से सदर अस्पताल परिसर के भीतर पानी प्रवेश कर चुका है।ओर एएनएम बिल्डिंग के क्वार्टर का दीवाल गीर गया है। वही पहाड़ के पानी प्रवेश कर जाने के कारण झरना कॉलोनी, रिफ्यूजी कॉलोनी, पाइप रोड, हबीबपुर, शास्त्रीनगर, कुलीपाड़ा, कमलटोला, साहिबगंज महाविधालय, आदिवासी कल्याण छात्रावास, रसुलपुर दहला, सहित सैकड़ों मोहल्ले के सैकड़ों लोगों पर इसका असर पड़ा है। खासकर इस बरसात का पानी पहाड़ से उतरने से झोपडी में रहने वाले लोगों को अधिक क्षति पहुंची है।कॉलेज रोड, स्थित गुप्ता मार्केट स्थित आस पास के कुछ दुकानदारों के दुकान पर पहले की अपेक्षा इस बार कम क्षति होने की संभावना देखा गया है। पहाड़ों का पानी अचानक गुरुवार को शाम को झरना कॉलोनी के रेलवे क्वाटर, कॉलेज रोड, गुप्ता मार्केट स्थित बंद दुकानों में घुस गया था। यह भयानक मंजर सिर्फ इस बार की बात नहीं है। बल्कि हर वर्ष बारिश के मौसम में साहिबगंज शहर का यही हाल हमेशा रहता है। बता दें कि ऐसे हालत में लोगों को बहुत मुश्किल उठानी पड़ती है। लोगों का कहना है कि प्रशासन को इसका कोई ना कोई समाधान तो ढूंढना ही होगा।

हाल ही में नगर पार्षद ने टमटम स्टैंड में लाखों रुपए खर्च करके देवाल बॉन्डिंग करवाया गया था। मिली जानकारी के अनुसार लाखों रुपए खर्च करके झरना का बड़ा नाला को साफ सफाई करवाए जाने से।बहुत लोगो को पानी से राहत मिला अगर देवाल बॉन्डिंग नही रहता तो हब्बीपुर ,पाइप रोड,पानी पिछले वर्ष की भारती इस वर्ष भी पानी प्रवेश किया जा चुका होता।वहीं कुछ लोगो के धरो में पहाड़ के पानी धर में घुस कर तबाही मचाई है।वहीं साहिबगंज अपर सहमार्त्ता गोतम भगत ने पूरा शहर का निरीक्षण किया।ओर जहां जहां पानी प्रवेश किया है।वहीं टमटम स्टैंड दहला रिफूजी कॉलोनी,सकरूगड,मेंजाकर सभी लोगो का हाल चाल जाना।ओर सभी जगह का मुआयना भी किया।

जमुई में दर्जनों गांव को जोड़ने वाली सड़क की स्थिति जर्जर

गड्ढे और झाड़ियों से दुर्घटना का डर

जमुई, एजेंसी। जमुई जिले के गिद्धौर प्रखंड के एक दर्जन गांवों को मुख्यालय से जोड़ने वाली सड़क की स्थिति जर्जर बनी हुई है। जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है। साल 2017 में निर्माण हुए इस सड़क को आज तक मरम्मत नहीं कराया गया। जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी होती है। जर्जर सड़क की मरम्मती के लिए कई बार मुखिया, प्रखंड प्रमुख, उप प्रमुख,पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद, राजनीतिक दलों के नेताओं, विधायक और सांसद को भी कहा जा चुका है लेकिन अब तक इसपर कोई पहल नहीं की गई। इस सड़क पर बाइक क्या पैदल चलना भी मुश्किल है।

मरम्मत कार्य की आवंटित राशि से नहीं हुआ काम

इस बात की जानकारी मौरा पंचायत के वर्तमान मुखिया धनराज यादव,पंचायत समिति सदस्य दुःखन यादव,कुणाल सिंह,सोनू सिंह,सच्चिदानंद मिश्रा,विरेन्द्र यादव,अजीत झा सहित अन्य ग्रामीणों द्वारा दी गई है। लोगों ने कहा कि सड़क निर्माण 2017 में कराया गया था। जिसके बाद आज तक मरम्मत कार्य नहीं कराया गया। साल 2021 तक मरम्मत कार्य के नाम पर आवंटित राशि का निकासी निर्माण एजेंसी द्वारा किया जाता रहा। सड़क बीच-बीच में उखड़ गया है और बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं।जिसके कारण बाइक और पैदल चलना भी मुश्किल है।

चुनाव में नेता देते हैं सड़क निर्माण का आश्वासन

ग्रामीणों ने बताया कि प्रत्येक 5 वर्षों में पंचायत चुनाव, विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव के वक्त ग्रामीणों को नेताजी पक्की सड़क बनाने का आश्वासन दे जाते हैं। लेकिन अब तक सड़क जर्जर बनी हुई है। जर्जर सड़क के कारण वाहन को छह किलोमीटर सफर तय करने में आधे घंटे से अधिक का समय लग जाता है। बरसात के दिनों में ग्रामीणों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। बता दें कि गिद्धौर मौरा भाया मांगोबंदर तक वर्ष 2016 में मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना से कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग झाझा के द्वारा लगभग लाखों रुपए की लागत से 6 किलोमीटर सड़क का निर्माण कराया गया था। जिसमें 5 वर्ष के रखरखाव के लिए लगभग लाखों रुपए की राशि निर्धारित किया गया था।

सड़क किनारे लगी है झाड़ियों से दुर्घटना का डर

सड़क के किनारे जंगली झाड़ियां से जहां एक तरफ सड़क संकीर्ण हो गया है। वहीं, दूसरी और जानवर एकाएक सामने से जानवर आने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। जमुई विधान सभा क्षेत्र की भाजपा विधायक श्रेयसी सिंह ने कहा कि जल्द जर्जर हो चुके सड़क का निर्माण कराया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

पंडित दीनदयाल के संकल्प और सपने को भाजपा पूरा कर रही : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, एजेंसी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर भाजपा नेताओं ने मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल ने अंत्योदय और एकात्म मानववाद का दर्शन प्रस्तुत कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और समृद्धि पहुंचाने का संकल्प लिया था। उनके संकल्प को भाजपा नेतृत्व लगातार पूरा कर रह रही है। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता अपने लिए रोटी की व्यवस्था कर राजनीति कर रहा है। वह समाज की सेवा में लगा हुआ है। पंडित दीन दयाल से प्रेरणा लेकर हमें समाज के हर कमजोर वर्ग के लिए काम करना चाहिए। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने दीनदयाल उपाध्याय की 108वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार उनके सपनों को साकार कर रही है। इस मौके पर दानिश इकबाल, अमित प्रकाश बबलू, अरविंद शर्मा, प्रवीण पटेल, आशुतोष शंकर सहित अन्य रहे।

एक दीप स्वच्छता के नाम कार्यक्रम का आयोजन :किशनगंज में दीप जला कर कार्यक्रम की शुरुआत

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के टेढ़ागाछ प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत लोहिया स्वच्छता अभियान के तहत चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत हाटगांव पंचायत में एक दिवसीय स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान कचरा अपशिष्ट प्रबंधन भवन के प्लेटफार्म मे पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार, अंचल अधिकारी शशि कुमार, पंचायती राज पदाधिकारी स्वच्छता सवन्यक दीपक कुमार और स्वच्छता कर्मी मौजूद रहे। इन्होंने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायत में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार ने आगे बताया कि स्वच्छता मिशन को घर-घर तक पहुंचाने को लेकर बड़े पैमाने पर प्रचार प्रसार और रैली निकाली जा रही है। विभिन्न प्रकार के नुक्कड़ नाटकों से सभी गांव में लोगों को जागरूक किया जाएगा। प्रखंड क्षेत्र के अलग-अलग पंचायत में स्वच्छता कर्मी और पंचायत प्रतिनिधि व स्थानीय ग्रामीणों द्वारा सार्वजनिक स्थान में झाड़ू लगाकर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

यात्रियों का मोबाइल चुराने वाले गिरोह के छह गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। स्टेशन के वेटिंग हॉल से ट्रेनों तक यात्रियों का मोबाइल उड़ाने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह को रेल पुलिस ने पकड़ा है। इस गिरोह का सरगना अपने लड़कों से मोबाइल चोरी करवाकर बंगाल के मालदा के रास्ते बांग्लादेश भेजता है। राजेंद्रनगर टर्मिनल रेल पुलिस ने एक नाबालिग समेत छह बदमाशों को राजेंद्रनगर टर्मिनल से लेकर पास के होटल और अन्य स्थानों में छापेमारी कर गिरफ्तार किया। इनके पास से 9 स्मार्ट मोबाइल, 2 की-पैड मोबाइल, 210 रुपए और ब्लेड के टुकड़े बरामद किए हैं। गिरफ्तार होने वालों में खुसरूपुर का शाहनवाज खान, पूर्वी चंपारण का सुल्तान, नालंदा का मौसुम राज, गया का श्रवण कुमार, जमुई का कुंदन कुमार और एक नाबालिग है। इस गिरोह का सरगना रौशन कुमार फरार चल रहा है। वह पटना सिटी के मंसूरगंज का रहने वाला है। रौशन दो-तीन बार जेल जा चुका है। इन बदमाशों को रौशन ने ट्रेनिंग दी है। एक माह की ट्रेनिंग के बाद गिरोह में शामिल कर लिया। रेल एसपी एएस ठाकुर ने बताया कि रौशन मोबाइल चोरी करने के लिए हरेक को रोजाना एक हजार दिहाड़ी देता है। मोबाइल चुरा कर सभी रौशन को देते हैं।

रात में 5 बार आ रहा सियार, 12 को काटा:बेगूसराय के 3 गांवों में फैला आतंक, घर में घुसकर कर रहे अटैक

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में सियार ने कोहराम मचा दिया है। दो दिनों में सियार के हमले में एक दर्जन लोग घायल हो गए हैं। इसके बाद 3 किलोमीटर के दायरे में बसे 3 गांवों में हड़कंप मचा हुआ है। गांवों के युवक रात में घूम-घूमकर पहरा दे रहे हैं। शाम होते ही घर का दरवाजा बंद कर ले रहे हैं। मामला भगवानपुर थाना क्षेत्र के सतराजेपुर, समस्तीपुर और लखनपुर गांव का है। बेगूसराय बिहार का चौथा ऐसा जिला हो गया है, जहां लोग सियार के आतंक से परेशान हैं। इससे पहले मुजफ्फरपुर, मुंगेर और छपरा में सियार के हमले के मामले सामने आए हैं।

9 लोगों को काटा, सभी को लगा एंटी-रैबिज इंजेक्शन : तीनों ही गांवों के लोग सियार के हमले की अपनी-अपनी आपबीती बताते हैं। कहते हैं कि हमारे इलाके में सियार सब दिन रहा है। लेकिन कभी गांव में आकर आदमी पर हमला नहीं करता था।सतराजेपुर, समस्तीपुर और लखनपुर गांव बलान नदी के किनारे बसा है। सियार उसके झाड़ी में रहते थे। सियार के हमले में अभी तक सतराजेपुर निवासी शत्रुघ्न पासवान एवं अमित पासवान, समस्तीपुर के नरेश महतों, सुजीत कुमार, नकुल महतो एवं बच्ची देवी तथा लखनपुर के विनय कुमार, राजकुमार एवं सुनैना देवी घायल हुए हैं। भगवानपुर पीएचसी प्रभारी डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि चिकित्सक

द्वारा इलाज एवं एंटी रैबीज इंजेक्शन देने के बाद सभी को घर जाने के लिए डिस्चार्ज कर दिया गया है।

रात में 4 से 5 बार आ रहा सियार : घायल शत्रुघ्न पासवान ने बताया कि वह अपने घर में सो रहे थे। सुबह 5 बजे हमारे साला अमित को सियार ने काट लिया। हल्ला सुनकर जब हम घर से निकल रहे थे, तभी सियार ने मेरे पैर पर अटैक कर दिया। काफी जोर से दांत गड़ा दिया था। हमने दोनों हाथ से पकड़ कर छुड़ाया तो उंगली में काट लिया, किसी तरह उठाकर पटके तो भाग गया। रात में भी कई बार देखा गया है। रामनारायण पासवान ने बताया कि सुबह करीब 5 बजे मेरे साला का लड़का दरवाजा पर सोया हुआ था। तभी सियार आया और सिरहाने में लटके हाथ में काट लिया। उसके चिल्लाने पर दौड़े तो सियार वहां से निकल कर दूसरे को काट लिया। रात में भी चार-पांच बार आया है। कहते हैं कि हम दोनों पति-पत्नी पूरे रात जगे रहे, रात भर लाठी लेकर बैठे रहे। सियार पहले भी था, लेकिन ऐसा नहीं करता था, क्यों काट लिया पता नहीं। समस्तीपुर गांव की ओर से पीछे के रास्ते से आया था। समस्तीपुर गांव के ही निवासी नरेश महतो कहते हैं कि हम दोनों पति-पत्नी घर में थे। सियार आया तथा हमारे पैर और पत्नी के पैर में काट लिया। मेरे पत्नी भूखली देवी को काट कर भाग गया। बहुत डर लग रहा है, लेकिन क्या कर सकते हैं।

ब्रीडिंग सीजन में एग्रेसिव हो जाते हैं सियार-डॉक्टर : वेटनरी सर्जन डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि अभी सियार का ब्रीडिंग सीजन चल रहा है। इस सीजन में वह एग्रेसिव हो जाते हैं और उनमें काटने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है। अगर एक ही सियार काट रहा है तो वह रेबीज से ग्रसित हो सकता है। एंटी रेबीज के कारण वह काटने के प्रति एग्रेसिव हो जाता है और लोगों को काटने लगता है। डॉक्टर का कहना है कि कहीं यह प्रभावित कर रहा है तो वहां के लोग दरवाजा बंद करके रहें। जहां सियार का बसेरा है, वहां अकेले नहीं जाएं। अगर काट लेता है तो तुरंत नजदीकी अस्पताल जाकर रेबीज का टीकाकरण करवा लेना चाहिए। जहां इनके रहने का जगह है, वहां पर्याप्त मात्रा में भोजन नहीं मिलने के कारण भी वह रेजिडेंशियल एरिया में चले जाते हैं और भोजन की तलाश में ही काटने की एक्टिविटी बढ़ जाती है। डॉ. राहुल कुमार कहते हैं कि सियार, लोमड़ी, कुत्ते, बंदर, बिल्ली एवं चमगादड़ ऐसे जानवर हैं कि यदि इन्हें खुद रेबीज हो और किसी इंसान को काट लें तो उसे भी खतरा हो जाता है। रेबीज का अभी तक कोई इलाज नहीं है। मौत की दर 100 प्रतिशत रहती है। इनमें से कोई भी जानवर काट ले तो रैबीज की वैक्सीन जितनी जल्दी हो, जरूर लगवा लें। सबसे पहले काटे जाने वाले स्थान को तेज पानी की धार एवं साबुन से 15 मिनट तक साफ करें। घाव वाली जगह पर बिटाडीन या स्प्रिट का प्रयोग कर साफ करें।

महेशपुर में एक सियार को पीट-पीट कर मार डाला : इधर तियाय ओपी क्षेत्र के महेशपुर पंचायत स्थित मल्हीपुर गांव निवासी सदानंद राय (60) को सियार ने काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल सदानंद राय को परिजन इलाज के लिए ले गए। जबकि, ग्रामीणों ने उक्त सियार को बहियार में खदेड़ कर मार डाला। मुखिया प्रतिनिधि मुकेश राय ने बताया कि लखनपुर पंचायत में सियार द्वारा कई लोगों को काट कर घायल करने के बाद मल्हीपुर में सियार के हमला से क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ था।

2 किशोर की नदी में डूबने से मौत:बेतिया में नहाने के दौरान हुआ हादसा, मामले की जांच में जुटी पुलिस

बेतिया, एजेंसी। बेतिया में नहाने के दौरान सिकरहना नदी में डूबने से दो किशोरों की मौत हो गई है। घटना जिले के साठी थाना क्षेत्र अंतर्गत के परसौना गांव की है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। साथ ही मामले की छानबीन में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष धीरज कुमार ने बताया कि मृतकों की पहचान दानियाल परसौना गांव निवासी खोबारी साह के 14 वर्षीय बेटे विवेक कुमार और मनोज पटेल के 11 वर्षीय बेटे शिवम कुमार के रूप में की गई है। मामले में परिजनों के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नहाने के दौरान हुआ हादसा

स्थानीय लोगों ने बताया कि नहाने के क्रम में दोनों गहरे पानी में चले गए। जिससे दोनों की मौत हो गई है। शव को स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से देर शाम नदी से बाहर निकला गया। परिजनों ने बताया कि नहाने के दौरान सत्यम गहरे पानी में चला गया। जिसे बचाने के लिए उसका चचेरा भाई शिवम गया। लेकिन, वह भी डूब गया। लोगों ने घटना की जानकारी प्रशासन को दी।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

सूचना पर पहुंचे साठी थाना के दरोगा जितेन्द्र कुमार, जैशल, उमेश यादव व लौरिया अंचलाधिकारी नितेश कुमार सेट ने दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीच भेज दिया है। इस दौरान अंचल अधिकारी ने कहा कि परिजनों को सरकार से मिलने वाली सहायता राशि मुहैया कराई जाएगी। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गांधी संग्रहालय में बापू के मोहन से महात्मा तक के 15 चेहरे जीवंत रूप में देख सकेंगे लोग

पटना, एजेंसी। गांधी संग्रहालय में मोहन से महात्मा नामक स्थायी प्रदर्शनी का 2 अक्टूबर को अनावरण किया जाएगा। इसमें महात्मा गांधी की बाल्यावस्था से लेकर उनके जीवन की 15 अवस्थाओं में उनके चेहरे की आकृति और उनपर भावों को मूर्तियों के रूप में जीवंत किया गया है। यह मुख्य रूप से 1876 से 1930 तक गांधीजी के जीवन के विभिन्न आयाम और व्यक्तित्व को दर्शाता है।

गांधीजी के चेहरे पर यह जीवंत भाव गढ़ा है दानापुर के कलाकार रामू कुमार ने। रामू पटना ऑर्ट कॉलेज के छात्र रहे हैं। 15 मूर्ति का निर्माण फाइबर मटेरियल से किया गया गांधी के जीवन के विभिन्न कालखंडों पर आधाृरित 15 मूर्तियों का निर्माण फाइबर मटेरियल से किया गया है। इसे पहले मिट्टी से आकार देखकर फ्रेम बनाया गया और उस फ्रेम से फाइबर पर आकार दिया गया। इसमें 5 लाख की लागत आई है और 3 महीने लगे हैं। अब इसे पेंट किया जाना है। इसे बनाने का उद्देश्य संग्रहालय में आने वाले दर्शकों को प्रवेश द्वार से ही गांधी जी के रंग में रंगने की कोशिश है।

गांधी संग्रहालय के संयुक्त सचिव आसिफ वासी ने बताया कि इसके अनावरण के लिए मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया गया है। अभी मंत्रालय की ओर से अनावरण में सम्मिलित होने का पुष्टि नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि गांधी जयंती के अवसर पर संग्रहालय परिसर में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता 28 सितंबर से शुरुआत होगी। जिसके लिए बिहार के कई कॉलेज और राजधानी के विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूलों को पत्र लिखकर आमंत्रित की गई है।

इस प्रतियोगिता में कॉलेज के छात्रों को गांधीजी से संबंधित विषयों पर लेख लिखने के लिए दिया जाएगा। स्कूली छात्रों के लिए लेख के साथ पेंटिंग, संगीत, कविता और भाषण आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता के लिए छात्रों को उपस्थित होने के बाद विषय दी जाएगी। इसमें नेशनल हीरो और गांधी जी से संबंधित विषय होगी। विजेता प्रतिभागियों को 2 अक्टूबर को शाम 4 बजे कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जाएगा।

ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री ने रोजगार मेले का किया शुभारंभ

रोजगार मेले में 18 युवाओं को मिला हाथों-हाथ ऑफर लेटर

पटना, एजेंसी। धनरुआ प्रखंड अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय, साई के परिसर में रोजगार-सह-मार्गदर्शन मेला बुधवार को आयोजित किया गया। मेले का शुभारंभ ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने की। इस मौके पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि हमें वैश्विक स्तर पर खड़ा होना है तो इसके लिए हमें मेहनत करने के साथ-साथ प्रतियोगी मानसिकता का विकास करने की आवश्यकता है।

इस दौरान मंत्री श्रवण कुमार ने विभिन्न कंपनियों में रोजगार के लिए चयनित 18 युवाओं को हाथों-हाथ मंच से ऑफर लेटर प्रदान किया। मेले में युवाओं की लगी रही भीड़ : रोजगार मेले में दिन भर लोगों की भीड़ लगी रही। रोजगार मेले के निबंधन-सह-परामर्श केंद्र पर 567 युवाओं ने

रोजगार के लिए निबंधन करवाया। इस मेले में सीधे तौर पर अभ्यर्थियों को योग्यता के अनुसार 97 युवाओं का चयन रोजगार के लिए किया गया। 146 ने ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान में स्वरोजगार के लिए पंजीयन भी युवाओं ने निबंधन कराया। ये रहे मौजूद : कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य रविंद्र प्रसाद सिंह, जिला परियोजना प्रबंधक मुकेश कुमार, प्रबंधक रोजगार अरुण कुमार, पूर्व विधान परिषद सदस्य बाल्मीकी सिंह, बिहार अति पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. नवीन आर्या, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष नूतन पासवान, पटना जदयू जिला अध्यक्ष अशोक सिंह, धनरुआ जदयू प्रखंड अध्यक्ष वेद प्रकाश, मोरियावां पंचायत के मुखिया रंजन कुमार, धनरुआ पंचायत के मुखिया रानी कुमारी, शत्रुघ्न पासवान, बन्टी चन्द्रिवंशी, पप्पू सिंह, अशोक रजक, मो. शाहीद, ललन आजाद, सुषमा, विधाभूषण व अन्य रहे।

मंत्री ने चेताया : स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट लेट करने वाली एजेंसियां होंगी ब्लैकलिस्टेड

पटना, एजेंसी। नगर विकास मंत्री नितिन नवीन ने चेतावनी दी कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में लेटलतीफी करने वाली एजेंसियों को ब्लैकलिस्टेड किया जाएगा। वे बुधवार को विकास भवन में स्मार्ट सिटी की योजनाओं की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पूर्ण हो चुके और चल रहे प्रोजेक्ट की विस्तार से जानकारी ली। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हर कार्य की लगातार निगरानी प्रोजेक्ट स्थल पर होनी चाहिए। बैठक के दौरान पटना समेत भागलपुर, मुजफ्फरपुर और बिहारशरीफ के नगर आयुक्त ने अपडेट दिया। पटना स्मार्ट सिटी की टीम ने मौर्यालोक के सौंदर्यीकरण, रेलवे स्टेशन के पास सब-वे निर्माण, मौर्यालोक के पास मल्टी लेवल पार्किंग समेत अन्य परियोजनाओं की जानकारी दी। मंत्री ने पटना में जल्द से जल्द नाला निर्माण और ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। मुजफ्फरपुर के नगर आयुक्त ने सिकंदरपुर लेक प्रोजेक्ट, पार्कों के सौंदर्यीकरण, बैरिया बस स्टैंड समेत अन्य प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी दी। भागलपुर के नगर आयुक्त ने टाउन हॉल निर्माण, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बिल्डिंग के निर्माण, मास्ट लाइट समेत अन्य कार्यों की जानकारी दी। बैठक में विभाग के सचिव अभय सिंह, पटना के नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर समेत राज्य की चारों स्मार्ट सिटी के नगर आयुक्त मौजूद रहे।

पटना में देर रात चेन स्नैचिंग और चोरी:दो थाना क्षेत्र में 3 घटनाएं, पुलिस की पेट्रोलिंग पर सवाल

पटना, एजेंसी। पटना में बुधवार देर रात जक्कनपुर थाना क्षेत्र में चेन स्नैचिंग हुई। यह घटना तब हुई जब महिला अपने बेटे का बर्थडे मनाकर घर लौट रही थी। बदमाश महिला का मंगलसूत्र लेकर फरार हो गए। वहीं दूसरी घटना गर्दनीबाग थाना क्षेत्र की है, जहां बुधवार शाम बंद घर का ताला काटकर 6 लाख के गहने और 4.5 लाख कैश की चोरी कर ली गई। घर के मालिक स्वास्थ्य विभाग से संबंधित काम के लिए गया गए थे। दरअसल, एक तरफ जहां बिहार के नवनियुक्त डीजीपी आलोक राज गश्ती बढ़ाने पर जोर दे रहें हैं। वहीं पटना के एसएसपी सड़क पर निकलकर पुलिस की कार्यशैली की जांच कर रहे हैं। इसी बीच एक हीं थाना क्षेत्र में दो घटनाएं पुलिसया पेट्रोलिंग पर सवालिया निशान खड़ा करते हैं। जक्कनपुर थाना क्षेत्र के मीठापुर बी-एरिया में स्वास्थ्य विभाग की कर्मी नीभा कुमारी के गले से बदमाशों ने मंगलसूत्र झपट लिया। नीभा बेटे के साथ घर लौट रही थी। पति दोनों बच्चों को लेकर बाइक से आगे बढ़ गए थे। नीभा अपनी मेड के साथ पैदल घर जा रहीं थीं। निभा ने बताया कि वह जक्कनपुर थाना के जयप्रकाश नगर में रहती हैं। जब वह लौट रही थी उसी समय बाइक सवार दो बदमाश सामने से आए, बिल्कुल बगल से गुजरे और पीछे चले गए। वापस फिर आए और बेली रोड जाने का रास्ता पूछा मैं बता हीं रही थी की मेरे गले से मंगलसूत्र झपट कर भाग गए। मैंने बाइक का नीचे का नंबर देख लिया। घर आ कर पति को सारी बात बताई। फिर जक्कनपुर थाना में मामला दर्ज कराया गया।

ताला तोड़ 6 लाख के गहने की चोरी

गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के चटर्जी लेन में रहने वाले डॉक्टर रवींद्र कुमार सिन्हा के बंद घर का ताला तोड़ चोरों ने साढ़े चार लाख नकद और 6 लाख के गहने की चोरी कर ली। डॉक्टर रवींद्र स्वास्थ्य सामुदायिक केंद्र गया में पोस्टेड हैं। चोरी के समय वो गया में थे। बुधवार शाम को पड़ोसी ने चोरी की सूचना दी। सूचना पर देर रात पटना पहुंचे तो चोरी का पता चला। डॉक्टर रवींद्र ने बताया कि पैसा गांव की जमीन बेच कर किसी जरूरी काम से ला कर घर पर रखा था। गर्दनीबाग पुलिस दोनों मामले की जांच कर रही है।

पड़ताल में जुटी पुलिस

जक्कनपुर थानाध्यक्ष रितु राज ने बताया की मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। महिला ने एक अधूरा नंबर जिसका लास्ट 4 डिजिट 3686 दिया है। पुलिस बाइक सवार बदमाशों का सुराग लगाने में जुटी है।

गले से झपट्टा मार छीना चेन

चेन छीनतई की एक और घटना गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के ढकनपुरा में घटी। जहां श्वेता कुमारी के गले से झपट्टा मार कर बाइक सवार बदमाशों ने 1.60 लाख रुपये कीमत की सोने की चेन छीन ली। श्वेता मूल रूप से जहानाबाद के पारसबिगहा के अमैन की रहने वाली है। वह अपने भाई विमलेश के पास जिउतिया करने आई थी। वह कच्ची तालाब बाजार से देर शाम घर जा रही थी। उसी समय बाइक पर सवार दो बदमाश आए और चेन छीन कर फरार हो गए।

विचार-मंथन

संपादकीय

मणिपुर में आग बुझ ही नहीं रही, शांति का इंतजार

जब भी ऐसा लगता है कि मणिपुर में हालात शायद कुछ बेहतरी की ओर बढ़ रहे हैं, तभी करीब डेढ़ बरस से सुलग रही आग फिर भड़क उठती है। इस महीने की शुरुआत से राज्य में जिस तरह एक के बाद एक हिंसक घटनाओं का सिलसिला चला है, उसने चिंता और बढ़ा दी है। केवल मणिपुर ही नहीं, यह पूरे देश के लिए सोचने की बात है कि आखिर मई 2023 से शुरू हुए विवाद को अभी तक क्यों सुलझाया नहीं जा सका। राज्य में चल रहा विरोध-प्रदर्शन दिन-ब-दिन और हिंसक होता जा रहा है। अब रॉकेट और बम चल रहे हैं और पुलिस अफसरों को चिंता जतानी पड़ रही है कि सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ अत्याधुनिक घातक हथियारों का इस्तेमाल किया जा रहा। अगर प्रदर्शन आम लोगों और स्टूडेंट्स का है, तो ये हथियार कहां से आ रहे? पिछले दिनों राज्य के पहले मुख्यमंत्री के आवास पर रॉकेट से हमला हुआ था। इसी शनिवार को एक मंत्री के आवास पर ग्रेनेड अटैक हुआ। इन घटनाओं से पता चलता है कि राज्य में ऐसे तत्व सक्रिय हैं, जो हालात को सामान्य नहीं होने देना चाहते। मणिपुर में शांति बहाली के लिए सभी पक्षकारों का किसी आम सहमति पर आना जरूरी है। वहां तीन पक्ष हैं – मैतेई, कुकी और नगा। यह विवाद शुरू हुआ था मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा देने की मांग के साथ। कुकी और नगा इसका विरोध कर रहे हैं। लेकिन, जिस तरह से इस विवाद में जंगल और जमीन का मुद्दा, अवैध प्रवासियों की समस्या, ड्रग्स का जाल और दूसरे कानूनी पहलू उभरते चले गए, उससे स्पष्ट है कि गतिरोध कई मोर्चों पर है और इन सभी पर काम किए जाने की जरूरत है। एक बड़ी समस्या यह आ रही है कि हर पक्ष मणिपुर को बस अपनी नजर से देख रहा है। कुकी समुदाय को लगता है कि राज्य का मौजूदा सीएम एन बीरेन सिंह का नेतृत्व उनके साथ न्याय नहीं कर सकता। मैतेई समुदाय चाहता है कि राज्य सरकार को केंद्रीय सुरक्षा बलों की कमान भी दे दी जाए। वहीं, तीसरा धड़ा यानी नगा समुदाय अपने लिए अलग प्रशासनिक ढांचे की मांग कर रहा है।

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को कड़ी फटकार

सरकारी कामकाज हो या फिर व्यावसायिक या निजी काम, निष्पक्षता का पैमाना हर जगह होना चाहिए। अपने प्रभुत्व का अहसास कराने या दुर्भावना से किसी मामले को बेवजह उलझाने की कोशिश किसी भी सूरत में उचित नहीं कही जा सकती। उच्चतम न्यायालय के एक ताजा फैसले ने इस तथ्य को और पुख्ता कर दिया है। शीर्ष अदालत ने एक मेडिकल कालेज में सीट बढ़ाने की मंजूरी से जुड़े मामले में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) को कड़ी नसीहत दी है।अदालत ने अपने फैसले में कहा कि एनएमसी सरकार का एक अंग है और उससे निष्पक्ष और तर्कसंगत तरीके से काम करने की अपेक्षा की जाती है। किसी संस्थान को मंजूरी के लिए एक अदालत से दूसरी अदालत का चक्कर लगवाना सिर्फ परेशान करने का प्रयास है। न्यायालय ने एनएमसी और अन्य याचिकाकर्ताओं पर दस लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।यह बात छिपी नहीं है कि लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए सरकारी कार्यालयों के कई बार चक्कर काटने पड़ते हैं। अक्सर उन्हें कथित जरूरी औपचारिकताओं में इतना उलझा दिया जाता है कि वे बुरी तरह हताश हो जाते हैं। शीर्ष अदालत पहुंचा मेडिकल कालेज का मामला भी सरकारी संस्थाओं की इसी परिपाटी का उदाहरण है। इस कालेज को 'मेडिकल असेसमेंट ऐंड रेटिंग बोर्ड' की ओर से पहले शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए सीट की संख्या बढ़ाने की मंजूरी दी गई और कुछ माह बाद तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए उसे वापस ले लिया गया।पिछले वर्ष अक्तूबर में उच्चतम न्यायालय ने देश के कुछ चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रशिक्षु चिकित्सकों को देय अनिवार्य भत्ते का भुगतान न करने के मामले में भी राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को कड़ी फटकार लगाई थी। उसका कहना था कि प्रशिक्षु चिकित्सक सोलह से बीस घंटे काम कर रहे हैं और उन्हें भत्ते का भुगतान न होने पर आयोग की ओर से अब तक संज्ञान क्यों नहीं लिया गया? मगर, सवाल है कि क्या चुनिंदा मामलों में न्यायपालिका के फैसलों से सरकारी कामकाज में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो पाएगी।

चुनौतियों के संग दिल्ली में 'आतिशी' पारी का आरंभ?

(डॉ. रमेश ठाकुर)

पार्टी कार्यकर्ता आतिशी की ताजपोशी को बेशक 'आतिशी पारी' कह रहे हों, पर चुनौतियों की भी कोई कमी नहीं है? सभी भली भांति जानते हैं कि नई मुख्यमंत्री के लिए करने को कुछ ज्यादा नहीं है। सिर्फ नाम भर की मुख्यमंत्री रहेंगी। मैं आतिशी ईश्वर की शपथ लेती हूं..........के साथ ही आतिशी दिल्ली की 8वीं और तीसरी महिला मुख्यमंत्री बन गईं। पार्टी ने बहुत सोच समझकर उन्हें ये पद सौंपा है। महिला हैं, विश्वास पात्र हैं और पार्टी के प्रति पूर्ण वफादार भी हैं, इसलिए, वरना अरविंद केजीवाल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जैसा जाखिम जानबूझकर नहीं उठाते। उन दोनों ने भी कभी अपनी जगह जीतनराम मांझी और चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी थी, जिन्होंने कुछ महीनों में ही आंखें दिखानी शुरू कर दिया थी। खैर, केजरीवाल भी इस कड़ी में शामिल होते, उसके लिए उन्होंने गंभीरता से होमवर्क करके ही अपनी सीट पर आतिशी को बैठाने का निर्णय लिया। फिलहाल दिल्ली की स्थिति बिहार-झारखंड जैसी नहीं हैं। क्योंकि दिल्ली में अगले चार-पांच महीनों के भीतर ही विधानसभा के चुनाव होने हैं। अब से कुछ समय बाद ही आचार संहिता लग जानी है। पार्टी कार्यकर्ता आतिशी की ताजपोशी को बेशक 'आतिशी पारी' कह रहे हों, पर चुनौतियों की भी कोई कमी नहीं है? सभी भली भांति जानते हैं कि नई मुख्यमंत्री के लिए करने को कुछ ज्यादा नहीं है। सिर्फ नाम भर की मुख्यमंत्री रहेंगी। ये भी सच हैं कि कुर्सी पर बेशक आतिशी बैठें, लेकिन चलाएंगे केजरीवाल ही? सरकार संचालन का रिमोट केजरीवाल के पास ही सदैव होगा। बहरहाल, अरविंद केजरीवाल अभी कोर्ट-कचहरी और कानूनी पचेड़े में बुरी तरह से फंसे हुए हैं। आतिशी को दिल्ली की कमान सौंपने के पीछे एक वजह ये भी है कि वो महिला हैं इसलिए विपक्ष खासकर भाजपा खुलकर हमलावर नहीं होगी। पार्टी नेताओं की माने तो

> *दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने के साथ ही उन्होंने भारत की 17वीं महिला मुख्यमंत्री बनने का गौरव भी हासिल कर लिया। समारोह में मौजूद रहे विपक्षी नेता बिजेंद्र गुप्ता, भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने भी उन्हें मुख्यमंत्री बनने की बधाइयां दी। दिल्ली के कालकाजी से विधायक आतिशी ने शपथ लेने के बाद अरविंद केजरीवाल के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया।*

आतिशी को चुनाव तक के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बीच वो गड़बडाई पार्टी की स्थिति को कितना संभाल पाती हैं, ये उनके सामने कड़ी परीक्षा जैसी रहेगी। फिलहाल राज निवास में आयोजित एक समारोह में शनिवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने उनको मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलवा दी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने के साथ ही उन्होंने भारत की 17वीं महिला मुख्यमंत्री बनने का गौरव भी हासिल कर लिया। समारोह में मौजूद रहे विपक्षी नेता बिजेंद्र गुप्ता, भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने भी उन्हें मुख्यमंत्री बनने की बधाइयां दी। दिल्ली के कालकाजी से विधायक आतिशी ने शपथ लेने के बाद अरविंद केजरीवाल के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। आतिशी आम आदमी पार्टी के कोटे से चौथी मुख्यमंत्री बनी हैं, उनसे पूर्व 3 मर्तबा पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल खुद मुख्यमंत्री रहे हैं। आतिशी के जगह अगर कोई पुरुष नेता मुख्यमंत्री बनता, तो भाजपा हमलावर होती। इसलिए केजरीवाल ने महिला को सीएम की कुर्सी सौंपकर बड़ा सियासी दांव खेला है। मुख्यमंत्री आतिशी के समक्ष चुनौतियां बेशक हजार हो, लेकिन पार्टी उनके पीछे खड़ी है। पार्टी उन्हें चुनाव तक धुंआधांर पारी खेलने का मौका देगी। क्योंकि अगले विधानसभा चुनाव में पार्टी की वापसी भी करवानी है। मीडिया और सार्वजनिक रूप से सबसे बड़ा सवाल यही है चारो ओर गूंज रहा है कि क्या अगले वर्ष होने वाले चुनाव तक मुख्यमंत्री आतिशी पार्टी की वापसी करवा पाएंगी या नहीं? दिल्ली के सरकारी कामकाज काफी हद तक रुके हुए हैं। उन्हें दोबारा से संचालित करना होगा। पार्टी के कई नेता नाराज होकर दूसरे दलों में चले गए हैं और कोई न जाए, उन्हें रोकना होगा। रूठे नेताओं को मनाना होगा। एमसीडी जोन चुनाव में पार्टी भाजपा से पिछड़ चुकी है, दोबारा से पटरी पर लाना होगा। ऐसे कई मुद्दे नई मुख्यमंत्री के सामने मुंह खोले खड़े हैं। उन सभी को उन्हें पार पाना होगा। कुछ कठोर निर्णय भी लेने पड़ सकते हैं। अगले सप्ताह विधानसभा का सत्र भी बुलाया गया ।दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य महका भी चरमरा गया है, जबकि ये ऐसे महकमें है जिनके बूत उनकी पार्टी प्रचार करती है।शिक्षा में क्रांति लाने वाले मनीष सिसोदिया भी मंत्रिमंडल का हिस्सा नहीं है।

दिल्ली में पूर्व के मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल पर अगर नजर डाले, तो कईयों का बहुत अच्छा इतिहास और शानदार कार्यकाल रहा। एकाध मुख्यमंत्रियों ने तो लंबे समय तक राजधानी पर राज किया। पहले मुख्यमंत्री थे ब्रह्म प्रकाश, जो 17 मार्च 1952 से लेकर 12 फरवरी 1955 तक दिल्ली के मुखिया रहे। दूसरे, नंबर पर गुरमुख निहाल सिंह रहे जिनका कार्यकाल 12 फरवरी 1955 से लेकर 1 नवंबर 1956 तक रहा। तीसरे, मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना हुए उन्होंने 2 दिसंबर 1993 से लेकर 26 फरवरी 1996 तक दिल्ली की कमान संभाली। चौथे मुख्यमंत्री की बात करें, तो साहिब सिंह वर्मा थे जिन्होंने 26 फरवरी 1996 से लेकर 12 अक्टूबर 1998 तक दिल्ली को मुख्यमंत्री के तौर पर संभाला। वहीं, पहली महिला मुख्यमंत्री सुषमा स्वराज थी जिनका कार्यकाल कम अवधि का था, वह मात्र 12 अक्टूबर 1998 से 3 दिसंबर 1998 तक ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर रहीं। वहीं, दूसरी महिला मुख्यमंत्री के रूप में शीला दीक्षित ने लंबा कार्यकाल बिताया उन्होंने 3 दिसंबर 1998 से लेकर 1 दिसंबर 2003, 2 दिसंबर 2003 से 29 नवंबर 2008 तक और फिर 30 नवंबर 2008 से 28 दिसंबर 2013 तक दिल्ली की सेवा की। उनका कार्यकाल कई मायनों में यादगार रहेगा। सफल कॉमनवेल्थ गेम्स से लेकर मेट्रो के आगमन का श्रेय उन्हीं ही दिल्लीवासी देते हैं। इन सभी के बाद फिर आम आदमी पार्टी का आगाज हुआ, नई आम आदमी पार्टी वजूद में आई उनके संयोजक अरविंद केजरीवाल ने 28 दिसंबर 2013 से लेकर 14 फरवरी 2014 तक, फिर 14 फरवरी 2015 से लेकर 15 फरवरी 2020 और फिर 16 फरवरी 2020 से लेकर 21 सितंबर 2024 तक दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे। अब आतिशी की पारी का आगाज हुआ है। दिल्लीवासियों को उनसे भी बहुत उम्मीदें हैं, देखते वह कितना खरा उतर पाती हैं।

(लेखक सदस्य, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान भारत सरकार)

भारत के हितों की अनदेखी, सिंधु जल संधि को बदलने का वक्त

(गंगाधर ढोबले)

जब भूगोल पानी और पहाड़ों की सरहदें बनाता है, तब इतिहास घटता है और इतिहास के घटने के साथ भूगोल भी बदलता रहता है। इसका सबूत है पिछले 75 वर्षों से किसी न किसी रूप में चल रहा सिंधु जल विवाद। इसकी जड़ में है भारत का विभाजन। यह विभाजन पाकिस्तान की कटुता और शत्रुता की बुनियाद पर हुआ है। इससे सिंधु का गौरवशाली इतिहास मटियामेट हो गया। कभी वैदिक काल (ईसा पूर्व 1500 से 500 वर्ष) में वेदों की रचना करने वाले सिंधु के तटों ने सिकंदर (ईसा पूर्व 233 वर्ष) से लेकर मुगलों, अंग्रेजों से होकर नेहरू तक, कई रणसंग्राम और राजनीतिक उतार-चढ़ाव देखे। यह सिलसिला आज भी कुछ भिन्न रूप में चल रहा है और शायद आगे भी चलता रहेगा। इस पृष्ठभूमि का ताजा संदर्भ है सिंधु जल संधि पर नए सिरे से वार्ता की भारत की मांग। भारत की चिंता के मुख्य विषय हैं- इस परिक्षेत्र में बढ़ती आबादी, पाकिस्तान से निरंतर आता आतंकवाद, जल बंटवारे में भारत के प्रति अन्याय, विवाद की स्थिति में फैसले के प्रावधान समय के अनुरूप बनाना, पर्यावरण की समस्या और स्वच्छ ऊर्जा के विकास को बढ़ावा देकर कार्बन उत्सर्जन को कम करना। उरी में भारतीय फौजी ठिकाने पर हुए आतंकी हमले के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था, 'सिंधु में जल और खून एक साथ नहीं बह सकते।' केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सिंधु का पानी बंद करने की चेतावनी दी थी। ऐसे जल-अस्त्र का प्रयोग संभव है, क्योंकि फिरोजपुर हेडवर्क जैसी सतलुज का पानी उलीचने वाली परियोजना प्रवाह के ऊपर की दिशा में है, जबकि पाकिस्तान का हुसैनीवाला हेडवर्क जैसी परियोजना प्रवाह की निचली दिशा में। भारत ज्यादा पानी उठा ले या प्रवाह को रोककर कहीं और मोड़ दे, तो पाकिस्तान के प्रॉजेक्ट ठप पड़ जाएंगे। वर्ल्ड बैंक के नेतृत्व में 1951 से लेकर 1959 तक दोनों देशों के बीच चर्चाओं के दौर चले थे। अंत में 19 सितंबर 1960 को कराची में संधि हुई। सिंधु जल क्षेत्र में कुल छह नदियां हैं। इनमें पश्चिम की सिंधु, झेलम और चिनाब पाकिस्तान को मिलीं, जबकि पूरब की सतलुज, ब्यास और रावी भारत के हिस्से में आईं। पाकिस्तानी इलाके की नदियों का लगभग 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान के हिस्से में आया, जबकि भारत को 20प्रतिशत मिला। पूरब की नदियों का 70प्रतिशत पानी पाकिस्तान को और केवल 30प्रतिशत पानी भारत को मिला। 6 नदियों को मिला दिया जाए तो लगभग 75प्रतिशत पानी पाकिस्तान को और केवल 25प्रतिशत भारत को मिला। यही नहीं, पाकिस्तान के पंजाब इलाके में जल परियोजनाओं के लिए वर्ल्ड बैंक के साथ भारत ने भी 6 करोड़ 20 लाख पाउंड का अंशदान दिया। संधि का समय ध्यान में रखने लायक है। संसद सत्र 9 सितंबर 1960 को खत्म हुआ और इसके 10 दिन बाद संधि पर हस्ताक्षर हुए। 30 नवंबर 1960 को संसद के अधिवेशन में इस पर जबरदस्त हंगामा हुआ। जयप्रकाश नारायण, आचार्य नरेंद्र देव, राम मनोहर लोहिया और अटल बिहारी वाजपेयी समेत कई विपक्षी सदस्यों ने सरकार से पूछा कि क्यों भारत के हितों को तिलांजलि दी गई? तत्कालीन पीएम जवाहरलाल नेहरू का जवाब था कि 'मानवीयता के आधार' पर पाकिस्तान को रियायत दी गई। इस अन्याय को छोड़ने का समय अब आ गया है। 2005 में पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर की किशनगंगा और रतले जल विद्युत परियोजनाओं की डिजाइन पर आपत्ति उठाई थी। किशनगंगा नदी को पाकिस्तान में नीलम कहा जाता है और वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और भारत की अस्थायी सरहद है। भारत का कहना था कि यदि कोई विवाद हो तो संधि में मौजूद चार विकल्पों का एक-एक कर इस्तेमाल किया जाए। पहला विकल्प है, स्थायी सिंधु जल आयोग के समक्ष विवाद पेश करना, दूसरा- वर्ल्ड बैंक द्वारा नामित तटस्थ विशेषज्ञ से सलाह लेना, तीसरा- वर्ल्ड बैंक को फैसले के लिए मामला सौंपना और चौथा विकल्प है- भारत चाहता था कि पहले तीन विकल्पों का इस्तेमाल होने के बाद ही अंतरराष्ट्रीय कोर्ट तक पहुंचा जाए। माना जाता है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5504

	4			1			6	
9		6	5		2			4
						9	5	
3	2						8	
1			7	5	9			2
	9						1	5
	7	4						
6			4		8	5		1
	5			2			9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5503

2	5	4	8	9	7	6	3	1
3	6	7	2	4	1	9	8	5
8	1	9	3	6	5	7	4	2
7	4	8	1	3	6	2	5	9
6	2	1	5	8	9	4	7	3
5	9	3	7	2	4	1	6	8
4	8	2	6	1	3	5	9	7
9	3	5	4	7	2	8	1	6
1	7	6	9	5	8	3	2	4

वर्ग पहेली 5504

1	2	3	■	4	5	6	■
7			■	8			9
■	10		11	■	■	12	
13		■	14	15	16		■
17		■	18			■	19
	■	20	■	21		22	
23	24		■		■	25	
■		■	26				■

संकेतः बाएं से दाएं
1. 1918 को इस देश ने खुद को स्वतंत्र किया (3)
4. 1975 को इसदक्षिणी अफ्रीकी राज्य को पुर्तगाल से आजादी मिली (3)
7. हजार हाथियों के बराबर बल होने वाली इस राक्षसी का श्रीराम ने वध किया था (3)
8. असि, खड्ग (4)
10. मिट्टी या अन्य धातु का बना हुआ टोंटीदार लोटा जो पूजा आदि में प्रयुक्त होता है (3)
12. सृष्टि धारक तत्व, नैनिकतापूर्ण (2)
13. किसी धातु को पीट और खींचकर बनाया गया एक तंतु, टेलीग्राम (2)
14. रामभक्त हनुमान का एक नाम (4)
17. जीवन के दिन बिताना (2)
18. निकृष्टतमता, रहितता (3)
21. द्रोणाचार्य का एक नाम यह भी है (4)
23. पति-पत्नी का कानूनी रूप से संबंध विच्छेद (3)
25. क्षण, लम्हा (2)
26. मवेशी (4)

(ऊपर से नीचे
1. पौत्र, पोंछा, बेटे का बेटा (2)
2. अवरोहण करना, धरती पर आना (5)
3. पश्चिम अफ्रीका के उभार पर स्थित देश सेनेगल की यह राजधानी है (3)
4. विवाद समाधान, अंतिम (2)
5. वर्तुल, हॉकी (2)
6. जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो (4)
9. मनोयोग से लगा हुआ, आसक्त, लिप्त (2)
11. देवीशक्ति, श्यामा, सुकरी (3)
12. ईश्वरीय विधान, सृष्टि धारक तत्व (3)
13. दंडविधान (4)
15. जो मन को भाए (2)
16. दानी, प्रदाता, जो स्वेच्छा से धनादि देता हो (3)
19. दीपध्वज, नेत्रांजन, अंजन (3)
20. पवित्र, पुनीत, पापहीन (2)
22. बारह युगों में यह तीसरा है जो पुराणानुसार यह 864000 वर्ष का माना गया है (3)
24. नफा, फायदा (2)

वर्ग पहेली 5503 का हल

अ	ट	ल	बि	हा	री	■	आ
म	न	का	■	ति	■	मा	शा
र	■	र	ह	म	दि	ल	■
ना	ग	■	■	ता	न	पू	रा
थ	र	■	रा	ई	■	आ	ज
■	म	ज	मा	■	लौ	■	स्था
वा	ह	■	नु	क्स	■	घा	न
■	वा	त	ज	■	मी	ना	■

आज का राशिफल

मेष
आज करियर के मामले में कुछ कठिनाई हो सकती है। ऑफिस के माहौल में आपके लिए मन लगाना कुछ मुश्किल हो सकता है। माहौल को जिंदादिल बनाने की आपकी कोशिश कामयाब हो सकती है बशर्ते आपके सहयोगी सपॉर्ट करें। आज आपको जो भी मिलेगा वह सिर्फ आपकी मेहनत का ही नतीजा होगा। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी।

वृष
आज दिन काफी परेशानी और तनाव वाला रहेगा और आपको दिन भर काफी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। आज कार्यस्थल में साथियों का और घर में अपने से छोटे सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रियजन से दूरी होने पर फोन या ई मेल के जरिए उसे मिटाना मुश्किल नहीं होगा। शाम के वक्त आपको लाभ और योजनाओं में तरक्की मिलेगी और धन सम्मान का फायदा होगा।

मिथुन
आज दिन लाभ और सफलता से भरा होगा। आपको कुछ दिनों पहले खोई हुई कोई खास चीज मिल सकती है। किसी को बहुत पहले दिया गया उधार आज वापस मिल जाएगा। खास बात यह है कि इसके अलावा भी दिन भर आपको कई सरप्राइज मिलते रहेंगे। आपको धन लाभ होगा।

तुला
आज दिन लाभ और सम्मान से भरा होगा। ऑफिस में हर तरह की रुकावटें आप अपने ही बूते पर खत्म कर लेंगे। आप अपने सहयोगियों की मदद से हटाते रहेंगे। एसएमएस के जरिये कोई महत्वपूर्ण खबर मिलेगी। जायदाद के मामले में आपकी जीत होगी और धन के मामले से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी। आपको कोई भी डील करने से पहले इस बारे में अच्छे से सोचने की जरूरत है।

वृश्चिक
आज आपके लिए प्रॉपर्टी के मामले हल हो सकते हैं। कमाई में बढ़ोत्तरी होगी लेकिन साथ ही खर्च के बहाने भी मिल जाएंगे। लेखक और पत्रकार जैसे लोग लोगों की नजरों में चढ़ जाएंगे। आपका पॉजिटिव मूड खराब से खराब माहौल में भी ताजगी भर देगा। आपको अपने मन में खुशी होगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

धनु
आज आपका दिन कई रंग बदलेगा। पहले आपको अपने काम में कुछ रुकावटों का सामना करना पड़ सकता है और उसके बाद सब कुछ सही हो जाएगा और आपका ठीकठाक चलता रहेगा। दिन बीतने के साथ साथ काम बनते नजर आएंगे। घर के छोटे सदस्यों के करियर की चिंता खत्म होगी और कोई शुभ सूचना मिलने से आपको खुशी होगी।

कर्क
आज दिन काफी मिलाजुला रहेगा और दिन आपके लिए परीक्षा जैसा रहेगा। मेहनत से जो कुछ भी करेंगे वह काफी अच्छा रिजल्ट लेकर आएगा। रोमांटिक पार्टनर के साथ घूमने फिरने का मौका मिलेगा और इससे आपकी खुशी दोगुनी हो जाएगी। पिछले दिनों हुए नुकसान की भरपाई होने की उम्मीद है। बिजनस में काफी सावधानी बरतने की जरूरत है।

सिंह
आज करियर के मामले में लाभ होगा और किसी मामले में आपका दिन बेचैनी से भरा होगा। जो काम आप करेंगे वह इसी बेचौनी के चलते होगा। ऐसे में महसूस होगा कि आपने एक ही दिन में ढेर सारे लटके हुए काम निपटा लिए हैं। थोड़ा घूमना फिरना पड़ सकता है। आपको जरूरी कार्य पूर्ण करने के लिए कहीं यात्रा पर जाना पड़ सकता है और उसमें आपको सफलता प्राप्त होगी।

कन्या
आज दिन सामान्य रहेगा। आप किसी सौदे या लेन देन के दौरान टेंशन न लें। बढ़ते खर्च को काबू मे करना काफी कठिन लगेगा लेकिन थोड़ी सी इच्छा शक्ति से सब कुछ संभव है। दोस्तों के सपॉर्ट से किसी बड़े प्रॉजेक्ट को फाइनलाइज कर सकेंगे। रोमांटिक अफेयर्स में मजबूती आएगी।

मकर
आज दिन लाभ और सम्मान से भरा होगा। सोसाइटी में आपका मान सम्मान बढ़ेगा। इसके लिए कोई आयोजन हो सकता है। आपको अपने जानने वाले लोगों से बात करके खुशी होगी। कुछ फायदों को देखते हुए इसमें कोई नुकसान भी नहीं है। विरोधियों का सिर नीचा करने में आपको कामयाबी मिलेगी और आपके धन सम्मान में वृद्धि होने से आपका मन प्रसन्न होगा।

कुंभ
आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपका दिन सफलता से भरा होगा। ऑफिस का माहौल काम के लिए बिल्कुल ठीक रहेगा। जीवनसाथी से सपॉर्ट मिलता रहेगा और किसी मामले मे आपकी जूनियर्स से कहासुनी हो सकती है। बेहतर होगा कि सावधान रहें और अपने काम पर फोकस करें। वरना आपको परेशानी हो सकती है और आपका काम अधूरा छूट सकता है।

मीन
आज करियर के मामले में लाभ से भरा होगा। आपका दिन चुस्ती से भरा होगा और कई रुके कार्य बन जाने से आपको खुशी होगी। सहयोगी कुछ रिलैक्स मूड में रहेंगे और पहले से ज्यादा काम करने की इच्छा जताएंगे। बदलाव के तौर पर आप अपने अन्दर छिपी प्रतिभा को बाहर निकालने में सफल होंगे और हर कार्य में सफलता मिलने से आपको खुशी होगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा, थाना-रातू, जिला-रांची (झारखंड) में मुद्रित एवं 204, निर्मला इन्कलेव अपार्टमेंट, रानी बागान, बरियातु, रांची (झारखंड) से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

रिकवरी में फंसे बैंकों के 48 हजार करोड़, सबसे ज्यादा पीएनबी और केनरा बैंक की रकम फंसी

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बैंकों की ओर से दिए गए ऋण की वसूली की स्थिति खराब है। रिकवरी सर्टिफिकेट में बैंकों के 48 हजार करोड़ से ज्यादा फंसे हैं। शासन को भेजी रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा 7800 करोड़ पीएनबी और 7700 करोड़ रुपये केनरा बैंक के फंसे हैं। आईसीआईसीआई, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और एक्सिस बैंक की स्थिति सबसे बेहतर है। इन बैंकों की कुल रिकवरी मात्र 85 करोड़ रुपये है। तहसीलों में 12.89 लाख से ज्यादा वसूली प्रमाण पत्र (रिकवरी सर्टिफिकेट) लंबित हैं। इन्हीं आरसी में बैंकों की रकम फंसी है। बैंकों ने तहसील स्तर से सहयोग करने का अनुरोध शासन से किया है। बैंकों ने संबंधित डीएम को लिस्ट भी भेजी है, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। इस पर बैंकों ने कहा है कि सरफेसी एक्ट के तहत वसूली में डीएम स्तर से सहयोग नहीं मिल रहा है। सरफेसी एक्ट के तहत 6478 मामले डीएम कार्यालयों में अनुमति का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, राजस्व परिषद ने बैंकों की फंसी रकम की वसूली और बंधक प्रापर्टी के लिए ऑनलाइन पोर्टल की व्यवस्था की है। इसी पोर्टल के जरिये लंबित वसूली के मामलों को निस्तारित किया जाएगा।

डेयरी में गोवंशीय पशु को काटकर बेचता था मांस, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

बरेली , एजेंसी। बरेली के किला थाना क्षेत्र में डेयरी की आड़ में प्रतिबंधित मांस बेचने का धंधा चल रहा था। इसकी जानकारी मिलने पर हिंदूवादी संगठन के लोग बृहस्पतिवार सुबह डेयरी पर पहुंच गए। उन्होंने हंगामा कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने मौके से गोवंशीय पशु का मांस बरामद किया है। मामले में डेयरी मालिक को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक किला छावनी का रहने वाला अन्नू पुत्र अनवर डेयरी चलाता है। आरोप है कि वह अपनी डेयरी में ही गोवंशीय पशुओं को काटकर मांस बेचने का काम करता है। आरोप है कि बृहस्पतिवार सुबह उसने डेयरी में कोई पशु काटा। उसने मांस के अवशेष बोरी में भरकर ई रिक्शा पर लाद लिया। वह इन अवशेष को किला नदी में फेंकने के लिए ले जा रहा था। आसपास क्षेत्र के लोगों ने अन्नू को ऐसा करते देख लिया। इससे हंगामा खड़ा हो गया। जानकारी मिलने पर हिंदूवादी संगठन के लोग और पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने डेयरी मालिक अन्नू को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

12वीं की छात्रा को सहपाठी से हुआ इश्क, लड़का शादी से कर रहा इन्कार

आगरा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगरा में बुधवार को सहपाठी से शादी की गुहार लेकर एक छात्रा परिवार के साथ ट्रांस यमुना थाने पहुंची। उनका कहना था कि युवक पहले तैयार हो गया था। इस पर उसने अपने परिजन को राजी कर लिया। मगर, अब वो इन्कार कर रहा है। पुलिस छात्रा के नाबालिग होने के कारण उसे समझाने के प्रयास में लगी है। किशोरी 12 वीं की छात्रा है। वह एक कोचिंग में भी पढ़ती है। सहपाठी से दोस्ती हो गई। वह उससे शादी करना चाहती थी। इस बारे में घरवालों ने बताया। वह भी तैयार हो गए। मगर, सहपाठी ने इंकार कर दिया। इस पर किशोरी और उसके परिजन बुधवार को थाना ट्रांस यमुना पहुंचे। कहा कि युवक शादी नहीं कर रहा है। पुलिस का कहना है कि छात्रा नाबालिग है। उसकी शादी नहीं हो सकती। अब दोनों के परिवार को बुलाया गया है।

पिता ने फांसी लगाने से रोका, बेटे ने ईंट से कुचलकर कर दी हत्या- शादी करने की कर रहा था जिद

गोरखपुर , एजेंसी। खुदकुशी से रोकने पर शराबी बेटे ने ईंट से कूंचकर पिता की हत्या कर दी। बुधवार की रात पिपराइच क्षेत्र में हुई इस वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। जानकारी के अनुसार, पिपराइच क्षेत्र के हरखापुर निवासी सत्यप्रकाश तिवारी उर्फ सकरम (45) पहली पत्नी के निधन के बाद दूसरी शादी की। दूसरी पत्नी भी छोड़कर चली गई। इसके बाद पहली पत्नी से बेटे कन्हैया (18) के साथ रहते थे। लेकिन बाद में कन्हैया की नशे की आदत से परेशान होकर सत्यप्रकाश मोटेश्वर मंदिर पर रहने लगे।

चार किमी के दायरे में तीन पार्किंग, आठ किमी में एक भी नहीं

सड़क पर खड़े हो रहे 50 हजार वाहन

वाराणसी, एजेंसी। शहर के चार किमी दायरे में तीन स्थायी पार्किंग हैं। जबकि लहुराबीर से सारनाथ के बीच आठ किमी दायरे में एक भी पार्किंग नहीं है। इसी प्रकार बीएचयू से शिवपुर के बीच 13 किमी दायरे में एक भी पार्किंग नहीं है। उधर कचहरी के पास बनी स्थायी पार्किंग के बाहर गाड़ियां खड़ी रहती हैं। जो नो पार्किंग को लेकर चलाए गए अभियान को ठेंगा दिखा रही हैं। शहर में वाहनों की पार्किंग बड़ी समस्या बनती जा रही है। अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है। शहर में कुल 18 अस्थायी पार्किंग नगर निगम की ओर से ठेके पर चलाई जा रही हैं। स्थायी और अस्थायी सभी पार्किंग की कुल क्षमता 4810 है जबकि सड़क पर 50 हजार वाहन रोज खड़े हो रहे हैं। ज्यादातर वाहन पार्क, सड़क, कॉलोनियों के आस पास खड़े होते हैं। यातायात विभाग के अनुसार 35 हजार वाहन प्रतिदिन दूसरे जिलों से किसी न किसी काम से शहर में आते हैं। इनमें ज्यादातर लोग सड़क किनारे ही वाहनों को खड़ा करते हैं। इसकी वजह से आए दिन यातायात व्यवस्था बिगड़ती जा रही है। स्मार्ट सिटी के तीन पार्किंग स्थल और पीडब्ल्यूडी की एक पार्किंग स्थल को मिलाकर 1685 वाहनों को पार्क करने की सुविधा है। जबकि नगर निगम के अस्थायी पार्किंग स्थलों की क्षमता 3125 है। शहर में आबादी की रफ्तार से दिन-प्रतिदिन गाड़ियों की संख्या भी बढ़ रही है। इन वाहनों को खड़ी करने की जगह नहीं है। आरटीओ में अब तक कुल 15,02062 गाड़ियां पंजीकृत हैं। दस वर्ष पहले 2012 में वाहनों की संख्या 5 लाख थी। गोदौलिया, बेनियाबाग, टाउनहाल, कचहरी के पास स्थायी पार्किंग स्थल हैं। बीते पंद्रह सालों में शहर में कुछ फ्लाईओवर और आरओबी जरूर बने हैं, लेकिन सड़कों की संख्या वही है। ऐसे में जाम भयंकर लग रहा है।

वीडीए और नगर निगम ने बनाए छह जगहों पर पार्किंग का प्रस्ताव

नगर निगम और वीडीए की ओर से छह जगहों पर पार्किंग बनाने का प्रस्ताव बनाया गया है। नगर निगम की ओर से सिगरा और पशु चिकित्सालय में पार्किंग स्थल के साथ व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स बनाने का प्रस्ताव है। इसके अलावा वीडीए की ओर से दो पार्किंग बनाए जाएंगे। इनमें सारनाथ मुनारी रोड पर भी प्रस्तावित है। ककरमत्ता फ्लाईओवर के नीचे व कब्जामुक्त जमीनों पर पार्किंग बनाने का प्रस्ताव है।

पार्किंग की पर्याप्त सुविधा न होने से इन इलाकों में लगता जाम

शहर में पार्किंग की पर्याप्त सुविधा न होने से इन इलाकों में आए दिन जाम लगता है। मंडुवाडीह, विश्वेश्वरगंज, मैदागिन, चौकाघाट, बीएचयू, लंका, सारनाथ, कमच्छा, अस्सी घाट, लंका, चौक, गोदौलिया, दशाश्वमेध, विश्वेश्वरगंज, रेवड़ी तालाब, लक्सा, रथयात्रा समेत 30 से अधिक इलाकों में आवागमन के प्रमुख साधन सिर्फ ऑटो और ई–रिक्शा हैं।

हिमाचल की कांग्रेस सरकार को भी पसंद आया योगी मॉडल, मंत्री के वायरल वीडियो की हो रही चर्चा

लखनऊ, एजेंसी। दुकानों पर मालिकों का नाम लिखने को लेकर कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष भले ही सरकार पर हमलावर रहा है, लेकिन हिमाचल की कांग्रेस सरकार को इस मामले में योगी मॉडल खूब पसंद आ रहा है। हिमाचल के मंत्री विक्रमादित्य सिंह का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वे कह रहे हैं कि जिस प्रकार से यूपी में दुकानों पर नाम और आईडी लिखना अनिवार्य किया गया है, उसी तरह से हिमाचल में भी इस व्यवस्था को लागू करने का फैसला किया गया है। यूपी की तर्ज पर हिमाचल में भी रेहड़ी-पटरी और ढाबों के संचालकों के लिए इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। बता दें कि खाने में थूक और यूरिन मिलाए जाने के वीडियो वायरल होने के बाद इसे रोकने के लिए ये सख्ती की गई है। बुलडोजर की तरह योगी के इस मॉडल की चर्चा भी पूरे देश में है।

डीडीयू: अब एनओसी नहीं मिलने से प्रोफेसर नाराज...धरने पर बैठे, जबरन हटाए गए- देर रात तक चला विवाद

गोरखपुर , एजेंसी। कुलपति पद पर आवेदन के लिए क्लीयर एनओसी नहीं मिलने से नाराज डीडीयू के वरिष्ठ प्रोफेसर जोन्नादा एवीपी राव बुधवार रात करीब 8 बजे कुलसचिव कार्यालय में धरने पर बैठ गए। देर रात तक उनकी मनुहार होती रही, लेकिन वह कार्यालय में ही डटे रहे।

उनका कहना था कि जबतक उनको क्लीयर एनओसी नहीं मिलती उनका धरना जारी रहेगा। गोरखपुर विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रोफेसर जोन्नादा एवीपी राव ने कुलपति पद पर आवेदन करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन से एनओसी (अनापत्ति प्रमाणपत्र) की मांग की थी।

पहले विश्वविद्यालय ने डिजिटल एनओसी देने की बात कही, लेकिन वह मैनुअली एनओसी की मांग कर रहे थे। विवि में दिन में राष्ट्रीय संगोष्ठी होने के चलते उनको एनओसी नहीं मिल पायी। रात करीब 7 बजे कुलसचिव कार्यालय से उनको एनओसी प्रदान की गई।

एनओसी देने के साथ उन पर पूर्व में हुई कार्रवाई का भी जिक्र था। इससे वह नाराज होकर कुलसचिव से मिलने पहुंचे।

कुलसचिव ने एनओसी में पूरा विवरण नहीं देने पर विवि के फंसने की जानकारी दी, पर प्रोफेसर जोन्नादा चाहते हैं कि एनओसी में उन पर की गई कार्रवाई का जिक्र न हो।

काफी समझाने के बाद भी प्रोफेसर बात नहीं माने और कुलसचिव कार्यालय में ही धरने पर बैठ गए। उनके धरने पर बैठने की जानकारी होने पर कुछ शिक्षक उनको समझाने पहुंचे, लेकिन देर रात तक उनका धरना जारी रहा।

कुलसचिव शांतनु रस्तोगी ने बताया कि एनओसी देने के साथ विश्वविद्यालय ने उनपर पूर्व में हुई कार्रवाई का जिक्र किया है। इससे नाराज होकर वह कार्यालय में बैठ गए। वह क्लीयर एनओसी की मांग कर रहे हैं।

उपचुनावों में टूट जाएगा सपा और कांग्रेस का गठबंधन?

लखनऊ, एजेंसी। विधानसभा उपचुनाव में सपा और कांग्रेस का गठबंधन खटाई में पड़ता दिख रहा है। मध्य प्रदेश और हरियाणा में सीटें न मिलने से सपा भी यूपी में साझेदारी के लिए तैयार नहीं बताई जा रही है। वैसे भी सपा के कुछ रणनीतिकार मानते हैं कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ साझेदारी के दूरगामी परिणाम उसके हित में नहीं होंगे।

यूपी में 10 विधानसभा सीटों करहल, सीसामऊ, मिल्कीपुर, कटेहरी, कुंदरकी, खैर, गाजियाबाद, फूलपुर, मझवां और मीरापुर में उपचुनाव होने हैं। कांग्रेस इनमें से पांच सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छुक है। इस बारे में कांग्रेस ने अपना प्रस्ताव भी सपा नेतृत्व के सामने रख दिया है।

सपा ने मांगी थीं दो सीटें

सपा ने भी हरियाणा के विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस से दो सीटें मांगी थीं। लेकिन, कांग्रेस की हरियाणा इकाई सपा को कोई भी सीट न देने पर अड़ गई। कांग्रेस हाईकमान से भी कई बार की वार्ता के बाद बात नहीं बनी। उससे पहले यही स्थिति मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में हो चुकी है।

सपा सूत्रों का कहना है कि जब अपने प्रभाव वाले राज्यों में कांग्रेस, सपा के साथ साझेदारी के लिए तैयार नहीं है, तो यूपी में भी कांग्रेस का कोई जनाधार नहीं है। पिछले विधानसभा चुनाव में उसे महज दो सीटें मिली थीं। अधिकतर सीटों पर उसकी करारी हार हुई थी। इसलिए सपा नेतृत्व ने चुनाव वाले सभी 10 जिलों के अपने पार्टी संगठन को तैयारी में जुट जाने के लिए कह दिया गया है।

न के बराबर है संभावना

क्या सपा नेतृत्व बड़ा दिल दिखाते हुए यूपी में कांग्रेस को कुछेक सीटें देने के लिए ऐन वक्त पर तैयार तो नहीं हो जाएगा? यह पूछे जाने पर अखिलेश यादव के एक नजदीकी नेता बताते हैं कि इसकी संभावना न के बराबर है। वे नाम न छापने के अनुरोध के साथ बताते हैं कि यूपी में कांग्रेस और सपा अलग-अलग चुनाव लड़ें, यही सपा के ज्यादा हित में है।

शाइन सिटी घोटाला: मास्टरमाइंड राशिद नसीम पर भगोड़ा अधिनियम के तहत केस दर्ज, 60 हजार करोड़ हड़पने का है मामला

लखनऊ, एजेंसी। हजारों निवेशकों के करीब 60 हजार करोड़ रुपये हड़पने वाली कंपनी शाइन सिटी के संचालक राशिद नसीम के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम 2018 (फ्यूजिटिव इकोनॉमिक अफेंडर्स एक्ट) के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। राजधानी स्थित ईडी की विशेष अदालत के न्यायाधीश राहुल प्रकाश (सीबीआई पश्चिम) ने इसका संज्ञान लिया है। बता दें कि प्रदेश में किसी भगोड़े अपराधी के खिलाफ दर्ज होने वाला यह पहला मुकदमा है। इससे विदेश में राशिद की संपत्तियां जब्त की जा सकेंगी।

इस अधिनियम के तहत दोषी पाए जाने पर सरकार ऐसे अपराधी द्वारा विदेशों में खरीदी गई संपत्तियों को जब्त कर सकेगी। ईडी के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. पेमैया केडी ने राशिद नसीम के खिलाफ मामला विशेष अदालत में दाखिल किया, जिसके बाद अदालत ने मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। अधिकारियों के मुताबिक राशिद नसीम दुबई भागने के बाद भगोड़े अपराधी नीरव मोदी और मेहुल चोकसी के साथ वर्तमान में दक्षिण अफ्रीका समेत कई देशों में हीरे का कारोबार कर रहा है।

इसके लिए विदेश में कई कंपनियां भी बनाई हैं, जिनकी जांच की जा रही है। दरअसल, राशिद ने निवेशकों की रकम को फर्जी कंपनियों के जरिये अपनी विदेशी कंपनियों के खातों में डायवर्ट किया है, जिससे कई संपत्तियों को खरीदा गया। अब ईडी इन संपत्तियों को चिह्नित कर जब्त करने की कार्रवाई करेगा।

अधिनियम की शर्तें

इस अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने के लिए कुछ शर्तें होती हैं। उदाहरण के तौर पर विदेश भागने वाला अपराधी 100 करोड़ रुपये से अधिक के आर्थिक अपराध में शामिल होना चाहिए। इसके अलावा वह वापस आने से इनकार कर रहा हो। साथ ही देश की किसी अदालत द्वारा उसके खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट जारी होना चाहिए। राशिद नसीम के मामले में ये सारी शर्तें लागू होने से इस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

अब तक इनके खिलाफ हुई कार्रवाई

विजय माल्या, नीरव मोदी, नितिन संदेसरा, चेतम संदेसरा, दीप्ति संदेसरा, हितेश कुमार नरेंद्र भाई पटेल, जुनैद इकबाल मेमन, बाजारा मेमन, आसिफ इकबाल मेमन, जाकिर नाईक, संजय भंडारी, नितीश ठाकुर, मेहुल चोकसी और जतिन मेहता।

नाथधाम परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण पर खर्च होंगे 650 करोड़ रुपये

जल्द शुरू होगी प्रक्रिया

बरेली , एजेंसी। बरेली में मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण एवं नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत प्रस्तावित नाथधाम परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण पर 650 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) इसका प्रस्ताव भेजेगा, आधी रकम शासन से मिलेगी। इसके लिए सर्वे हो चुका है। किसानों से सहमति पत्र भरवाने के बाद बैनामे होंगे। बजट मिलते ही योजना को रफ्तार मिलेगी।

बीडीए के सचिव योगेंद्र कुमार ने बताया कि नाथधाम परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण का काम जल्द शुरू होगा। वहीं, मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत ही ग्रेटर बरेली आवासीय योजना मंजूर हुई थी। शासन से जमीन अधिग्रहण के लिए 632 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए थे। इसके बाद मार्च 2023 में 100 करोड़ और अगस्त 2023 में 300 करोड़ रुपये मिले थे। अब इसमें 232 करोड़ की किस्त मिली है।

अब ग्रेटर बरेली के लिए अवशेष भूमि का अधिग्रहण होगा। योजना 13 सेक्टर में विकसित होनी है, लेकिन अधिग्रहण न होने से अभी सभी सेक्टरों में स्थलीय विकास नहीं हो सका है। अब जैसे ही अवशेष जमीन के बैनामे हो जाएंगे, सभी सेक्टरों के लिए स्थलीय विकास शुरू हो जाएगा। 170 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण हो चुका है। पांच हेक्टेयर जमीन किसानों से ली जानी है, जबकि 35 हेक्टेयर जमीन सरकारी है। बीडीए सचिव योगेंद्र कुमार ने बताया कि ग्रेटर बरेली योजना की जमीन खरीदने पर व्यय हो रहे बजट का आधा शासन ने दे दिया है। अब नाथधाम परियोजना के लिए भी आधा बजट शासन से मिलेगा। इसके लिए शासन को प्रस्ताव भेज रहे हैं।

बरेली हाईवे अधिग्रहण घोटाला:

50 लाख रुपये से ज्यादा के हर मुआवजे की होगी जांच, 19 लोग शासन के रडार पर

लखनऊ, एजेंसी। बरेली-पीलीभीत-सितारगंज हाईवे और बरेली रिंग रोड के लिए जमीन अधिग्रहण में हुए घोटाले में लगातार नई-नई परतें खुलती जा रही हैं। इनमें 50 लाख रुपये से ज्यादा मुआवजा जिन लोगों को मिला है, उनके मामलों में नए सिरे से जांच होगी। मुआवजा लेने वाले 19 लोग ऐसे चिह्नित किए गए हैं, जो संबंधित जिलों के रहने वाले नहीं हैं। इनके मामले में यह देखा जाएगा कि इन्होंने यूपी में और कहां-कहां हाईवे में गई जमीन का मुआवजा लिया है।

बरेली, पीलीभीत और उधमसिंहनगर (उत्तराखंड) में जमीन अधिग्रहण के नाम पर 200 करोड़ रुपये का घपला अभी तक सामने आ चुका है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

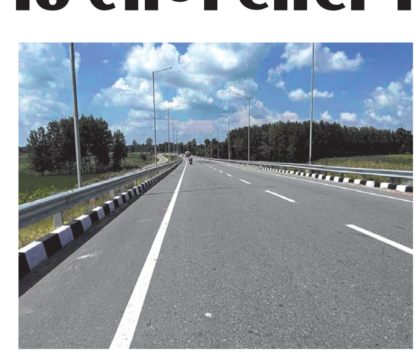

(एनएचएआई) के तत्कालीन क्षेत्रीय अधिकारी और परियोजना निदेशक (पीडी) की मिलीभगत से यहां बाहरी लोगों ने जमीनें खरीदीं। जमीन अधिग्रहण की अधिसूचना की कार्यवाही के दौरान राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से साठगांठ करके भू उपयोग परिवर्तन भी कराया। इसलिए शासन ने फैसला किया है कि इस अधिग्रहण में जिसे भी परिसंपत्तियों (स्ट्रक्चर) के लिए 20 लाख रुपये या उससे ज्यादा का मुआवजा मिला है, उन फाइलों की भी नए सिरे से जांच कराई जाएगी।

घपला करने वालों पर चलेगा आपराधिक मुकदमा: शासन के सूत्रों के मुताबिक सरकार पूरे मामले में निगरानी और ऐसे मामलों को रोकने के उपायों पर विचार के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन करेगी। घोटाले में जिन भी निजी लोगों या सरकारी कर्मचारियों का हाथ सामने आएगा, उन सभी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा।

जब अर्जुन कपूर ने मजाक में वरुण धवन के बारे में कही थी बड़ी बात, फिल्म गरम मसाला से की थी तुलना

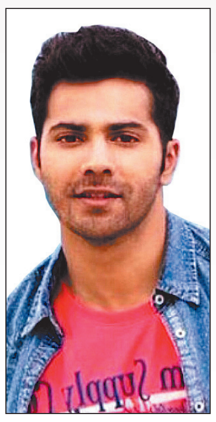

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने एक बार मजाक में कहा था कि अभिनेता वरुण धवन की जिंदगी अक्षय कुमार की गरम मसाला से प्रेरित है।
वरुण धवन और अर्जुन कपूर ने कभी एक साथ स्क्रीन साझा नहीं किया है, लेकिन उनके ऑफ-स्क्रीन बॉन्ड को प्रशंसकों ने हमेशा ही पसंद किया है। दोनों की पहली मुलाकात बैरी जॉन के एक्टिंग इंस्टीट्यूट में हुई थी और दोनों की दोस्ती जल्दी ही हो गई थी। यारों की बारात शो में अपनी एक उपस्थिति के दौरान, अर्जुन ने मजाक में कहा कि जिस तरह से वरुण की जिंदगी रही है, हो सकता है कि अक्षय कुमार की फिल्म गरम मसाला को प्रेरित किया हो वरुण की जिंदगी।

दोनों एक्टिंग स्कूल में थे साथ

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भेड़िया स्टार वरुण ने अपने एक्टिंग स्कूल टाइम को याद किया और बताया कि एक वक्त था जब वह और अर्जुन एक ही लड़की को डेट करते थे। वरण ने कहा उसने हम दोनो को घुमा दिया। वह हमेशा क्लास में चुपचाप बैठी रहती थी और वह केवल मुझसे बात करती थी। मुझे लगता था कि मैं क्लास में उसका एक मात्र दोस्त था।

वरुण को हुआ था दुख

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वरुण ने आगे कहा, कैसे एक बार वही लड़की उन्हें एक पार्टी के बाद ले गई, जहां वह नशे में धुत थी और नशे की हालत में उसने अर्जुन से कहा, अर्जुन के साथ कुछ हुआ है, लेकिन मैं गंभीर नहीं हूं, मैं तुम्हें पसंद करती हूं। वरुण धवन इस बात से बेहद दुखी हुए थे। अर्जुन कपूर ने कहा, वह (वरुण) एक्टिंग स्कूल की हर लड़की से फ्लर्ट करता था। गरम मसाला फिल्म वरुण धवन के जीवन पर आधारित है।

फिल्म में एक साथ आएंगे नजर

वरुण धवन और अर्जुन कपूर के प्रशंसकों के लिए हाल ही में अच्छी खबर आई जब दिलजीत दोसांझ के साथ उनकी मुख्य भूमिका वाली एक फिल्म की घोषणा की गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तीनों बोनी कपूर द्वारा निर्मित नो एंट्री के सीक्वल में नजर आएंगे। फिल्म के अभिनेता तय हो चुके हैं। वहीं फिल्म में दस महिलाएं मुख्य भूमिकाओं में होंगी, जो अभी भी तय नहीं हुई हैं।

कॉलेज में बुलिंग और बॉडी शेमिंग का शिकार रही, मुझे लगता था मैं खूबसूरत नहीं

टेलिविजन पर छोटी सरदारनी के रोल में मशहूर निमृत कौर अहलूवालिया की शोहरत बढ़ी बिग बॉस 17 और खतरों के खिलाड़ी 14 से। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार सरदार से। एक समय बुलिंग और बॉडी शेमिंग का शिकार रही निमृत यहां अपनी फिल्म ही नहीं जिंदगी के उतार-चढ़ाव पर भी बात करती हैं।

पिछले दिनों आपका वेट लॉस काफी चर्चा में रहा। यह सफर आपके लिए कितना चुनौतीपूर्ण रहा है

जब मैं छोटी सरदारनी के सेट पर थी और उस वक्त मेरा डिप्रेशन डायग्नोज हुआ, तो मैंने 6 महीने के अंदर 15 किलो वजन गेन कर लिया था। वो इसलिए नहीं था कि मैं वर्कआउट नहीं कर रही थी या खाना ठीक से नहीं खा रही थी, उसका कारण था, मेरे हार्मोनल इम्बैलेंस। जब आप एंटी डिप्रेशन पिल्स खाते हैं, तो आपकी बॉडी बहुत ज्यादा पानी होल्ड करने लगती है और बहुत ज्यादा फैट स्टोर करने लग जाती है, तो वो बहुत ही निराशाजनक समय था।

पुरुषों की तुलना में महिलाओं को आम तौर पर जो बॉडी शेमिंग का शिकार बनाया जाता है, उसे आप कैसे देखती हैं

मुझे जो सबसे बड़ी समस्या लगती है, वो ये कि हमने औरत को हमेशा एक बायलॉजिकल रोल में देखा है और ये सदियों से चला आ रहा है। अभी तो फिर भी कुछ बदलाव देखने मिलता है। औरतें घरों से निकल कर काम करने लगी हैं, मगर कहीं कोने में मानसिकता यही है कि वे सुंदर दिखें और एक तरह से उन्हें भोग की वस्तु माना जाता है। हालांकि वक्त के साथ हम प्रोग्रेस कर रहे हैं, मगर बेसिक लेवल की मानसिकता यही है। हम पर सुंदर दिखने का प्रेशर होता है, मगर मेरी कई फ्रेंड्स ऐसी हैं, जो कोर्ट में काम करती हैं या डेस्क जॉब, मगर उन पर भी ये दबाव लगातार रहता है कि अरे मैं मोटी हो रही हूं। मेरा वजन बढ़ रहा है।

बिग बॉस 17 के बाद खतरों के खिलाड़ी जैसे रिएलिटी शोज का हिस्सा बन कर आपने क्या सीखा

मैंने बिग बॉस में जाने से पहले कभी नहीं सोचा था कि मैं इतनी बदल जाऊंगी। साढ़े चार महीने का वक्त मिला, तो खुद को समझने का भी मौका मिला। पहले मैं बहुत साधारण थी, और बिग बॉस के बाद मेरा दुनिया को देखने का नजरिया ही बदल गया। अगर मैंने वो घर साढ़े चार महीने झेल लिया, तो फिर मैं कुछ भी कर सकती हूं। ये मेरे लिए एक बड़ी जीत थी। हो सकता है, बाहर से लोगों को लगे कि मैं शायद स्ट्रॉन्ग नहीं थी, लेकिन मेरे लिए उस माहौल में रहना, उस मानसिक स्थिति से गुजरना, ये बहुत बड़ी बात थी। खतरों के खिलाड़ी एकदम अलग अनुभव था। वहां हर स्टंट के साथ खुद को साबित करने का मौका मिला। हर चुनौती का सामना किया और खुद को एक हीरो की तरह महसूस किया।

पंजाबी फिल्म में काम करने का अनुभव कैसा रहा पंजाबी होने का कितना फायदा मिला

बहुत अच्छा रहा। मैं जब सीरियल छोटी सरदारनी कर रही थी, तब 2021 में भी मुझे एक पंजाबी फिल्म का प्रस्ताव मिला था, मगर मैं कोविड का वक्त था और डेट्स की भी समस्या थी, तब मैं वो पंजाबी फिल्म नहीं कर पाई थी। पिछले साल भी मेरे पास 4-5 पंजाबी फिल्में आईं, मगर मेरे अंदर से आवाज ही नहीं आई कि उन फिल्मों के लिए हां कहूं, मगर इस साल मुझे इस फिल्म का ऑफर इसके निर्देशक जट एंड जूलिएट के लेखक धीरज जतन की ओर से मिला। फिल्म में एक ऐसा किरदार निभाने का मौका मिला है जो बहुत मानवीय है। ये किरदार एक टिपिकल हीरोइन नहीं है, बल्कि एक दमदार इंसान है। पंजाबी होने का फायदा तो मिला, मगर ठेठ पंजाबी में तो फिर भी एलर्ट रहना पड़ता है। अब जैसे हिंदी में मैं काफी कंफर्टेबल हूं और सेट पर कुछ इम्प्रोवाइज करना होता है, तो कर देती हूं, मगर पंजाबी में इतनी आसानी नहीं होती।

गुरु रंधावा जैसे एक्टर-सिंगर के साथ काम करना कैसा रहा

गुरु के गाने तो मैं तब से सुन रही हूं, जब मैं कॉलेज में थी। गुरु बहुत ही अच्छे इंसान हैं और उन्होंने मेरे लिए बहुत ही कम्फर्टेबल और वेलकमिंग माहौल बनाया। वो बहुत दयालु हैं, अपनी टीम के साथ भी और हमारे साथ भी। उनके साथ काम करने का अनुभव बहुत ही मजेदार रहा।

छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका में नजर आएंगे सौरभ जैन

अभिनेता सौरभ राज जैन टीवी के मशहूर अभिनेताओं में से एक हैं। टीवी पर भगवान कृष्ण की भूमिका निभाकर वह खूब लोकप्रिय हुए, अब अभिनेता शिवाजी महाराज की भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह जानकारी साझा की। अभिनेता ने लिखा, 'छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभाने का अवसर मिलना किसी भी अभिनेता के लिए एक आशीर्वाद है। अभिनेता ने यह भी साझा किया कि जब इसके लिए उनके पास कॉल आया तो उन्होंने तुरंत इसके लिए हां कर दिया। इसके साथ ही अभिनेता ने शूट के दौरान की एक तस्वीर भी साझा की।

तृप्ति डिमरी के डांस नंबर मेरे महबूब की हो रही चर्चा

एक्ट्रेस ने बताया प्रेरणा कौन?

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी, जो अपनी आगामी फिल्म विकी विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आने वाली हैं, उन्होंने हाल ही में एक दिलचस्प खुलासा किया है। तृप्ति डिमरी ने बताया कि उन्होंने अपने डांस नंबर मेरे महबूब के लिए रवीना टंडन और कैटरीना कैफ के लोकप्रिय गाने टिप टिप बरसा पानी के संस्करणों से प्रेरणा ली है। गाने में देखा जा सकता है कि तृप्ति नीले रंग की इंडो-वेस्टर्न पोशाक पहनकर बेहद खूबसूरती के साथ नृत्य कर रही हैं। गाने में एक बारिश सीन है, जहां वह राजकुमार राव के साथ झूमती दिख रही हैं। गाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, यह गाना मेरे लिए वाकई खास है; यह मेरा डांसिंग नंबर है। जब आपका पहला गाना सचिन-जिगर द्वारा संगीतबद्ध किया गया हो, शिल्पा राव और सचेत टंडन द्वारा गाया गया हो, और गणेश आचार्य द्वारा कोरियोग्राफ किया गया हो, तो आपको और क्या चाहिए? मैं बहुत आभारी, खुश और उत्साहित हूं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने रवीना टंडन और कैटरीना कैफ के लोकप्रिय ट्रैक टिप टिप बरसा पानी जैसे 90 के दशक के प्रतिष्ठित बॉलीवुड गानों से प्रेरणा ली है, तो उन्होंने कहा, हां, मैंने इसके बारे में सोचा था और रिहर्सल के दौरान उन्हें देखा था। उनसे मैं तुलना नहीं कर सकती। वो बहुत अच्छे हैं, इस गाने को शूट करना बहुत मजेदार था क्योंकि यह मेरा पहला डांस नंबर था, लेकिन गणेश सर ने इसे मेरे लिए बहुत आसान बना दिया। उन्होंने कहा अब जब तुमने इसे सीख लिया है, तो बस मजा करो। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो 1990 के दशक पर आधारित है, और तृप्ति ने विद्या नाम की एक छोटे शहर की लड़की का किरदार निभाया है।

पति से शादी के आठ साल बाद अलग होंगी उर्मिला मातोंडकर

90 के दशक की सबसे खूबसूरत और प्रतिभाशाली कलाकारों में से एक उर्मिला मातोंडकर अपने निजी जिंदगी की वजह से सुर्खियों में आ गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपनी आठ साल की शादी को खत्म करने का फैसला कर लिया है। रिपोर्ट्स में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि वह अपने पति मोहसिन अख्तर मीर से तलाक लेने जा रही हैं। इसके लिए वह तलाक की अर्जी भी दाखिल कर चुकी हैं। रिपोर्ट्स में मुंबई कोर्ट के एक सूत्र के हवाले से कहा गया है कि अभिनेत्री ने कोर्ट में करीब चार महीने पहले तलाक की अर्जी दायर की थी। एक अन्य रिपोर्ट में यह तक दावा किया गया है कि पति-पत्नी के रास्ते आपसी शर्तों पर अलग नहीं हो रहे हैं। सूत्र के दावे के मुताबिक उर्मिला ने मोहसिन के साथ अपनी शादी को खत्म करने का निर्णय लिया है। उन्होंने पहले ही अदालत में तलाक के लिए अर्जी दायर कर दी है। हालांकि, दोनों किस वजह से अलग हो रहे हैं, इस बात की जानकारी अब तक सामने नहीं आ सकी है, लेकिन कहा जा रहा है कि यह तलाक आपसी सहमति से नहीं हो रहा है।
गौरतलब है कि उर्मिला और कश्मीरी व्यवसायी और मॉडल मोहसिन ने आठ साल पहले बेहद सादगी के साथ अचानक शादी कर लोगों को चौंका दिया था। इस शादी में केवल करीबी दोस्त और परिवार के लोग ही शामिल हुए थे। उनकी मुलाकात डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के जरिए हुई थी और दोनों ने 4 फरवरी, 2016 को शादी कर ली। दोनों की उम्र में 10 साल का अंतर है। इसके बावजूद इस जोड़े ने साझा मूल्यों और रुचियों के माध्यम से एक अपने रिश्ते को मजबूत बनाए रखा। अब उनकी तलाक की खबरों ने बहुत से लोगों को हैरान कर दिया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो उर्मिला पिछले काफी समय से बड़ पर्दे से दूर हैं। साल 2014 में वह एक मराठी फिल्म अजूबा में नजर आई थीं।

इंडस्ट्री ने नहीं किया शाहरुख की क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल आमिर को बताया गेम चेंजर

बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक करण जौहर ने शाहरुख खान को लेकर कहा कि इंडस्ट्री में उनकी क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि शाहरुख सुपरस्टार के दबाव की वजह से कई भूमिकाएं नहीं कर पाते हैं।

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता शाहरुख खान अक्सर चर्चाओं में बने रहते हैं। वह बीते कई वर्षों से लगातार दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। हाल में ही दिग्गज निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने उनके बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि शाहरुख को मुख्य धारा के सितारे के रूप में अपनी क्षमताओं का पूरी तरह से इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी गई। निर्देशक ने कहा, वह एक ऐसा अनोखा सितारा बनना चाहते थे, जो सिनेमा को बदल दे। हालांकि, अब कोई भी इसकी अनुमति नहीं देगा। निर्देशक ने आगे कहा कि जब शाहरुख खान का नाम लिया जाता है, तो उनके नाम के साथ एक उम्मीद जुड़ी होती है।

सुपरस्टार के दबाव की वह शाहरुख नहीं कर पाते कई भूमिकाए

करण जौहर हाल में ही हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया के साथ एक इंटरव्यू के दौरान शाहरुख खान और आमिर खान को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि सुपरस्टार की छवि बनाए रखने का दबाव, अक्सर शाहरुख जैसे अभिनेता को लीक से हटकर कुछ अलग भूमिकाएं करने से रोकता है। उन्होंने कहा कि शाहरुख ने पहेली और अशोका जैसी फिल्मों के साथ आदर्श से हटकर कदम उठाने का प्रयास किया। उन्होंने यह भी कहा कि शाहरुख में हमेशा से प्रयोग करने और बदलाव लाने की इच्छा रही है, जो उनके करियर की शुरुआत से ही स्पष्ट रही है।

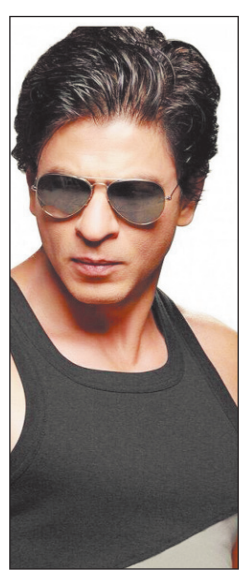

शाहरुख हिंदी सिनेमा में क्रांति लाना चाहते हैं

करण जौहर ने आगे कहा कि शाहरुख कभी भी मुख्यधारा के हीरो जैसी छवि नहीं चाहते थे। हालांकि, दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे की सफलता ने उन्हें इस रास्ते पर डाल दिया। इस फिल्म के बाद उनकी कई प्रेम कहानियों वाली फिल्में आईं, लेकिन वह हमेशा से कुछ अलग तरह की भूमिकाएं करना चाहते थे। निर्देशक ने कहा कि शाहरुख का केतन मेहता, कुंदन शाह और मणि कौल जैसे निर्देशकों के साथ काम करना इस बात का सबूत है। निर्देशक ने शाहरुख की इच्छा उजागर करते हुए कहा कि वह एक ऐसे अभिनेता बनना चाहते हैं, जो सिनेमा में क्रांति ला सके।

आमिर को बताया गेम चेंजर

करण ने इस दौरान बॉलीवुड के एक और सुपरस्टार आमिर खान की भी बात की। उन्होंने आमिर की इंडस्ट्री के लिए गेम चेंजर बनने की सराहना की। उन्होंने कहा कि आमिर ने जिस तरह लगातार अलग-अलग तरह की भूमिकाएं चुनीं, वो बेहद शानदार रहा। करण ने आमिर की लगान का उल्लेख करते हुए बताया कि ये भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने इस दौरान आमिर की तारे जमीन पर, रंग दे बसंती जैसी कई अन्य फिल्मों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आमिर ने गजनी भी की, जिसने हिंदी सिनेमा में रीमेक वाले दौर को वापस लाया।

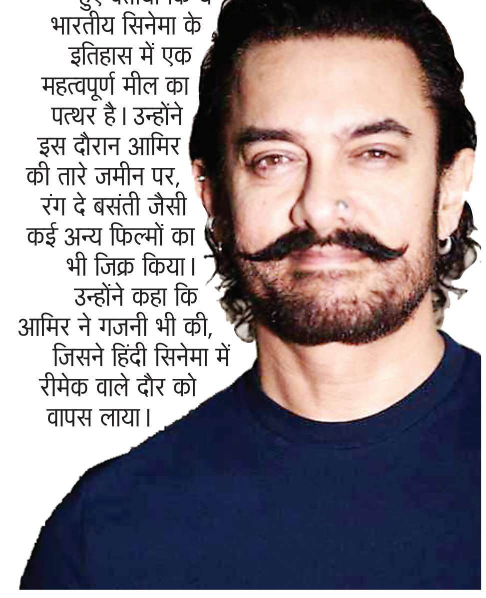

30 की उम्र में इन न्यूट्रिएंट्स से करें दोस्ती, बुढ़ापे में नहीं होगी परेशान

30 साल के बाद हर किसी का शरीर एक्स्ट्रा केयर खोजता है। खासकर महिलाओं को इसकी ज्यादा जरूरत होती है। इस उम्र में अक्सर शरीर के अंगों के कामकाज की रफ्तार धीमी होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि महिलाएं अपनी सेहत का खास ख्याल रखें। आज हम आपको एक्सपर्ट की बताएं उन पांच न्यूट्रिएंट्स की जानकारी दे रहे हैं, जिसे हर महिला को अपने डाइट का हिस्सा बनना चाहिए।

विटामिन डी

महिलाओं को अपनी डाइट में विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थों को जरूर शामिल करना चाहिए। यह एक मास्टर न्यूट्रिएंट्स होता है, जो आप के हार्मोनल बैलेंस को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा यह मूड बूस्टर की तरह काम करता है और इम्यूनिटी मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विटामिन डी की कमी आप दूध, मशरूम, सेलमन मछली का सेवन करके पूरा कर सकते हैं।

आयरन

आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। खासकर आप वर्किंग वुमन हैं और आप बहुत जल्दी थकान और कमजोरी महसूस करती हैं यह एक परफेक्ट एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है। इससे शरीर में खून की कमी नहीं होती है और एनीमिया जैसी बीमारी की चपेट में आने से आप बच सकती हैं। इसके लिए आप नट्स, सीड्स, पालक ब्रोकली, अनार का सेवन कर सकती हैं।

ओमेगा 3 फैटी एसिड

हार्ट और ब्रेन हेल्थ को बरकरार रखने के लिए महिलाओं को ओमेगा 3 फैटी एसिड युक्त खाद्य पदार्थों को भी डाइट में शामिल करना चाहिए। यह इन्फ्लेमेशन से भी लड़ने में मदद करता है और आपको क्रॉनिक बीमारियों के खतरे से बचाता है। इसके लिए आप चिया सीड्स,दूध, सी फूड का सेवन कर सकती हैं।

कैल्शियम

कैल्शियम भी एक बहुत ही जरूरी न्यूट्रिएंट्स है। यह न सिर्फ हड्डियों को मजबूती देता है बल्कि ओवर ऑल स्ट्रैंथ के लिए जिम्मेदार होता है। इससे मसल्स का फंक्शन भी सही होता है और नर्व भी ठीक प्रकार से फंक्शन करता है। इसकी कमी को पूरा करने के लिए डेयरी प्रोडक्ट्स को डाइट में शामिल करना चाहिए।

फोलेट

फोलेट भी बहुत ही जरूरी न्यूट्रिएंट्स में से एक है। खासकर जो महिलाएं मां बनने वाली हैं, उन्हें अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। इससे रेड ब्लड सेल्स बूस्ट होता है और खून की कमी नहीं होती। इसके लिए चिकपी, ब्रोकली, नट्स का सेवन करना चाहिए।

जिंदगी की भागदौड़ से हो गए हैं परेशान? सेहतमंद रहने के लिए इन बातों पर दें ध्यान

कई बार हम अंदर ही अंदर घुटते रहते हैं, जिसका असर मेंटल ही नहीं फिजिकल हेल्थ पर भी होता है। एक्सपर्ट की बताई कुछ खास बातों का ख्याल रखकर आप खुद को सेहतमंद रख सकती हैं।

भागदौड़ से भरी इस जिंदगी में भला कौन तनाव से परेशान नहीं है। सभी को किसी न किसी बात का स्ट्रेस तो है ही। जिंदगी की मुश्किलों को हल करते हुए अक्सर हम खुद की परवाह करना भूल जाते हैं। अपनी सेहत को लेकर लापरवाह हो जाते हैं। लेकिन असल में सेहतमंद रहने के लिए सही खान-पान, एक्सरसाइज और हेल्दी रूटीन के अलावा भी कई चीजें जरूरी हैं। जब हम मानसिक तौर पर परेशान होते हैं, अपने दिल की बात कह नहीं पाते हैं या फिर ओवरथिंकिग करते हैं, तो इसका असर हमारी ओवरऑल हेल्थ पर होता है। इसलिए, खुद को खुश रखने पर और खुद की परवाह करने पर ध्यान देना चाहिए। सेहतमंद रहने के लिए कुछ बातों पर जरूर ध्यान दें।

सोशल एक्टिविटी पर ध्यान दें

अक्सर हम जिंदगी की भागदौड़ में इतना उलझ जाते हैं कि उन चीजों पर ध्यान नहीं दे पाते हैं जो असल में हमारे लिए जरूरी हैं। रोजमर्रा के कामकाज के बीच हर हफ्ते कम से कम एक घंटा आपको किसी सोशल एक्टिविटी से लिए निकालना चाहिए। अपने दोस्तों से मिलें, बाहर जाएं या फिर कुछ भी ऐसा करें जो आपको पसंद हो। इसका मेंटल हेल्थ पर पॉजिटिव असर होता है।

सेल्फ केयर पर ध्यान दें

इस बात को समझना जरूरी है कि आप अपने अपनों के लिए भी कुछ तभी कर पाएंगे तब आप खुद हेल्दी होंगे। इसलिए, अपनी परवाह करें। खान-पान को नजरअंदाज न करें। हेल्दी डाइट लें, खुलकर अपने बारे में बात करें और एक हेल्दी लाइफस्टाइल को फॉलो करें। अगर शरीर में किसी तरह की परेशानी महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

ब्रेक भी है जरूरी

जिंदगी की भागदौड़ से अगर आप थक गए हैं और आपके स्वास्थ्य पर इसका असर पड़ रहा है, तो इसे समझें। रोजमर्रा की जिंदगी के थोड़ा ब्रेक भी जरूरी है। ब्रेक में हेल्दी एक्टिविटी जैसे योगा, ब्रिस्क वॉकिंगह, रीडिंग या फिर कुछ भी और करें, जिससे आपकी सेहत पर अच्छा असर हो।

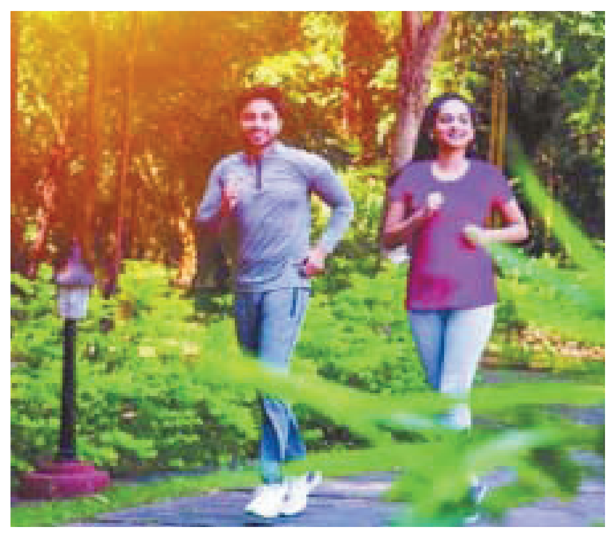

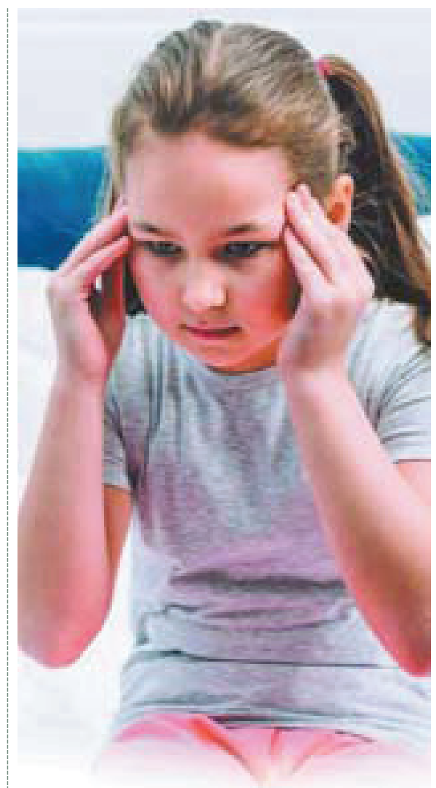

बच्चे भी हो जाते हैं एनीमिया के शिकार, ये लक्षण आते हैं नजर

एनीमिया एक ऐसी समस्या है जिसमें शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या में कमी हो जाती है। यानी शरीर में खून की कमी हो जाती है। लाल रक्त कोशिकाओं में हीमोग्लोबिन होता है, यह एक ऐसा प्रोटीन होता है जो फेफड़ों से ऑक्सीजन ले जाने और शरीर के सभी भागों में पहुंचाने में सक्षम बनाता है। जब शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की कमी हो जाती है तो रक्त ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पता है। यह ज्यादातर महिलाओं में देखने को मिलता है लेकिन बच्चे भी इसके शिकार हो जाते हैं। आज हम जानेंगे कि बच्चों में एनीमिया होने पर क्या लक्षण नजर आते हैं।

- अगर आपका बच्चा थोड़ी देर ही खेलने के बाद थक जाता है तो यह एनीमिया के सबसे आम लक्षणों में से एक।
- खून की कमी के कारण रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर होने लगती है जिससे बच्चा बार-बार बीमार पड़ता है।
- एनीमिया के चलते बच्चों में चिड़चिड़ापन और बेचैनी भी देखने को मिलता है।
- सीढ़ियां चढ़ने बाद बच्चे का सांस फूलने लगना या सांस लेने में दिक्कत हो तो यह भी एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं। खून की कमी के कारण ऑक्सीजन की सप्लाई नहीं हो पाती है।
- बार-बार बच्चा सिर में दर्द और चक्कर की शिकायत करता है तो भी ये एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं।
- त्वचा और आंखों का पील पड़ना भी एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं।
- कई बार हार्ट रेट भी बढ़ जाता है और शरीर का तापमान भी गिरने लगता है।
- यह भी पढ़ें-हार्ट अटैक आने के 15 मिनट के अंदर कर लें उपाय, बच सकती है मरीज की जान

ऐसे करें बचाव

- ऐसे कोई भी लक्षण आपके बच्चे में नजर आते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर से चेकअप करवाएं और डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाई का सेवन करवाएं।
- इसके अलावा आप हरी सब्जियां,दाल, नॉन वेजिटेरियन फूड भी बच्चे को खिला सकते हैं। इससे भी शरीर में रेड ब्लड सेल्स बढ़ते हैं।
- विटामिन सी से भरपूर नींबू, संतरा, कीनू, कीवी, स्ट्रॉबेरी जैसे पौष्टिक फलों को डाइट का हिस्सा बनाएं। इससे भी शरीर आयरन को तेजी से अब्जॉर्ब कर पाता है।

हार्मोनल इंबैलेंस दूर करने के लिए महिलाएं डाइट में शामिल करें ये चीजें

महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन जैसे कई हार्मोन्स का सही संतुलन होना जरूरी है। हार्मोनल इंबैलेंस दूर करने के लिए कुछ खास चीजों को डाइट में लेना और हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करना जरूरी है।

हार्मोनल बैलेंस का सीधा असर हमारी सेहत पर होता है। अगर शरीर में हार्मोन्स बैलेंस नहीं हैं, तो इससे हमारी पूरी सेहत प्रभावित होती है। शरीर के सही तरह से फंक्शन करने के लिए हार्मोन्स का लेवल सही होना जरूरी है। खासकर, महिलाओं के शरीर में अगर हार्मोन्स ऊपर-नीचे होते हैं, तो इससे महिलाओं की फर्टिलिटी, डाइजेशन, वजन और मूड समेत कई चीजें प्रभावित होती हैं। महिलाओं की हार्मोनल हेल्थ के लिए एस्ट्रोजन हार्मोन का सही लेवल जरूरी है। कुछ फूड्स इसे मैनेज करने में खास भूमिका निभाते हैं। इन्हें महिलाओं को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। इस बारे में डाइटिशियन राधिका गोयल जानकारी दे रही हैं। राधिका सर्टिफाइड डाइटिशियन और न्यूट्रिशनिस्ट हैं।

फाइबर रिच फूड्स

फाइबर रिच फूड्स शरीर में एस्ट्रोजन के लेवल को बैलेंस करने में मदद करते हैं। ये शरीर से अतिरिक्त एस्ट्रोजन को बाहर निकालने के लिए जरूरी होते हैं। एस्ट्रोजन की अधिक मात्रा शरीर के कई फंक्शन्स पर असर डाल सकती हैं। ऐसे में फाइबर रिच फूड्स को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

क्रूसिफेरस वेजिटेबल्स

ब्रोकली, पत्तागोभी और फूलगोभी जैसी क्रूसिफेरस सब्जियां भी शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन को बैलेंल करने के लिए जरूरी हैं। इन सब्जियों में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो एस्ट्रोजन मेटाबॉलिज्म और बैलेंस के लिए जरूरी होते हैं।

हेल्दी फैट्स

शरीर को सेहतमंद बनाए रखने के लिए हेल्दी फैट्स जरूरी हैं। हेल्दी फैट्स जैसे एवाकाडो, फैटी फिश और नट्स को डाइट में शामिल करें। इससे हार्मोनल बैलेंस में मदद मिलती है।

फ्लैक्स सीड्स

फ्लैक्स सीड्स में लिग्नांस होते हैं और कई ऐसे गुण पाए जाते हैं जो एस्ट्रोजन लेवल को रेगुलेट करने में मदद करते हैं। इन्हें आप कई तरह से डाइट में शामिल कर सकती हैं। इनकी चटनी (अलसी के बीज की चटनी), रोटी और रोस्टेड सीड्स भी फायदेमंद होते हैं।

चिया सीड्स

फ्लैक्स सीड्स की तरह चिया सीड्स में भी लिग्नांस और फाइबर होता है। ये भी हेल्दी एस्ट्रोजन मेटाबॉलिज्म को सपोर्ट करते हैं। इन्हें भिगोकर डाइट में शामिल करें। इससे वजन भी कंट्रोल में रहता है।

सेहत को कमाल के फायदे पहुंचाती है अमरूद की चटनी

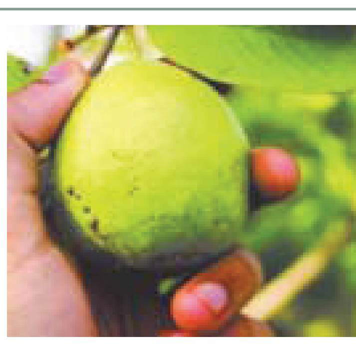

अमरूद एक ऐसा फल है जो सभी को पसंद आता है। नमक और मिर्च लगाकर अमरूद खाने का जो मजा है वह शायद ही किसी और फल को खाने में आता होगा। कुछ लोग अमरूद साबुत कहते हैं तो कुछ इसकी जेली बनाकर खाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी अमरूद की चटनी खाई है? जी हां अमरूद की चटनी खाने में तो स्वादिष्ट लगती ही है, इससे सेहत को भी खूब लाभ पहुंचता है। आइए जानते हैं इस बारे में डाइटिशियन लवनीत बत्रा से।

अमरूद की चटनी खाने के फायदे

- अमरूद में मौजूद पोषक तत्वों की बात करें, तो इसमें मैंगनीज, पोटैशियम, विटामिन- सी, मिनरल, लाइकोपीन फाइबर होते हैं। वहीं, जब इसकी चटनी बनाई जाती है, तो इसमें और भी कई तरह के इंग्रीडिएंट को शामिल किए जाते हैं, जिससे इसका फायदा दोगुना हो सकता है।
- अमरूद की चटनी का सेवन करने से डायबिटीज के मरीजों को फायदा हो सकता है। दरअसल, इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा होती है।, इसकी वजह से यह ब्लड शुगर को रेगुलेट करने में मदद करता है। इससे शुगर स्पाइक नहीं होता है।
- अमरूद में पोटैशियम भी होता है जो कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करके हार्ट हेल्थ को फायदा पहुंचा सकता है।
- इसके अलावा, इस चटनी का सेवन करने से पाचन दुरुस्त होता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन- तंत्र को बूस्ट करता है, जिससे कब्ज और, एसिडिटी जैसी परेशानी नहीं होती है।
- इसमें भरपूर विटामिन- सी होता है, जिससे आपकी इम्यूनिटी मजबूत बनती है। इससे आपकी ओवरऑल हेल्थ को फायदा पहुंचता है। वहीं, इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल से लड़ने में मदद करते हैं, जिससे कई तरह की क्रॉनिक बीमारियों का खतरा कम होता है।

क्या आप भी डेंटल फ्लॉस का इस्तेमाल करते हैं? जान लें नुकसान

दांत साफ हो तो आपकी मुस्कान और भी ज्यादा खूबसूरत लगती है। इसलिए जरूरी है कि दांतों को सही तरीके से साफ किया जाए। ओरल हेल्थ न सिर्फ दांतों को सड़न से बचाता है बल्कि ओवरऑल हेल्थ को फायदा पहुंचता है। यही वजह है कि अक्सर डॉक्टर डेंटल फ्लॉस इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं, जिससे दांतों के बीच फंसे भोजन आराम से निकल जाता है। लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि डेंटल फ्लॉस के कुछ नुकसान भी हैं। आइए इस बारे में डेंटल डॉक्टर तलबिया खान से जानते हैं।

क्या होता है डेंटल फ्लॉस

डेंटल फ्लॉस एक काफी पतला सिंथेटिक धागा होता है जिसे दांतों के बीच में घुसाकर दांतों के बीच फंसी गंदगी को हटाया जा सकता है। कई बार कुछ ऐसा खाते हैं जो दांतों के बीच में फंस जाता है और इसके कारण बैक्टीरिया पैदा होते हैं। इससे मुंह में स्मेल और सड़न जैसी दिक्कत होती है। वहीं डेंटल फ्लॉस इस्तेमाल करने से दांतों में प्लाक जमा नहीं होते हैं। एक्सपर्ट की माने तो डेंटल फ्लॉस से फायदा और नुकसान दोनों हो सकता है। यह पूरी तरह से इस बात पर डिपेंड करता है कि आप किस तरह का फ्लॉस इस्तेमाल करते हैं। दरअसल कुछ ऐसे डेंटल फ्लॉस होते हैं जो टॉक्सिक केमिकल टेफ्लॉन से बनाए जाते है। जब शरीर के अंदर यह केमिकल जाते हैं तब थायराइड जैसी समस्या हो सकती है हार्मोन असंतुलन हो सकता है। वहीं कुछ फ्लॉस में फ्रेगनेंस होता है। यह सिंथेटिक खुशबू होती है। इनमें भी कई तरह के केमिकल पाए जाते हैं जिससे शरीर के अंदर गड़बड़ी हो सकती है। वहीं जो लोग दिन भर में एक बार से ज्यादा फ्लॉसिंग करते हैं उनके मसूड़े की टिशू डैमेज हो सकती है। इसके अलावा दांतों के बीच स्पेस भी बढ़ सकता है।

फ्लॉसिंग का सही तरीका

- एक्सपर्ट कहती हैं कि ओरल हेल्थ के लिए फ्लॉसिंग जरूरी है लेकिन आप जब भी फ्लॉस स्टिक का चुनाव करें तो ध्यान रहे कि यह केमिकल फ्री होना चाहिए।
- वहीं अक्सर लोग फ्लॉसिंग बहुत तेज कर लेते हैं इसकी वजह से मसूड़ों से खून आने लगता है जो कि कई तरह की समस्या पैदा कर सकता है इसलिए जब भी फ्लॉसिंग करें हल्के हाथों से फ्लॉसिंग करें।

संक्षिप्त समाचार

4 माह में ही मुख्यमंत्री नायडू से कांग्रेस मांग रही चुनावी घोषणाओं का हिसाब-किताब

विजयवाड़ा, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से उनके चुनावी वादों का हिसाब-किताब मांगा जा रहा है। आंध्र प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष वाई एस शर्मिला ने बुधवार को टीडीपी के नेतृत्व वाली सरकार से 2024 के विधानसभा चुनावों से पहले किए गए अपने सुपर सिक्स वादों की स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। लोकसभा चुनावों के साथ हुए विधानसभा चुनाव में शर्मिला के भाई जगन मोहन रेड्डी की वायएसआर कांग्रेस की हार हो गई थी, जिसके बाद उनकी सरकार चली गई थी। इसके बाद जून में चंद्रबाबू नायडू की अगुवाई में राज्य में एनडीए की सरकार बनी, जिसमें पवन कल्याण उप मुख्यमंत्री हैं। इस सरकार को अभी चार महीने भी नहीं हुए हैं लेकिन प्रदेश कांग्रेस टीडीपी पर हमलावर हो गई है। शर्मिला ने नायडू के सुपर सिक्स योजनाओं पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग तिरुपति मंदिर लड्डू विवाद के बीच की है, जिसमें उनके भाई जगनमोहन रेड्डी निशाने पर हैं। वाई एस शर्मिला ने बुधवार को विजयवाड़ा के धरना चौक पर थाली बजाओ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए कहा, लोगों ने आपको इस उम्मीद में वोट दिया था कि आप अच्छा करेंगे। लेकिन यह एक अच्छी सरकार नहीं निकली, बल्कि एक ऐसी सरकार है जो (लोगों को) डुबो रही है। आप सुपर सिक्स को कब लागू करेंगे? इस पर एक श्वेत पत्र जारी करें। बता दें कि सुपर सिक्स योजनाओं में 19 से 59 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं को 1,500 रुपये मासिक पेंशन, युवाओं के लिए 20 लाख नौकरियां या 3,000 रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ता, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा भी शामिल हैं। राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए विपक्षी नेता ने मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से जानना चाहा कि उनकी सरकार किस मायने में लोगों के लिए अच्छी है, जब तीन लाख सरकारी पद खाली पड़े हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार के पास बेरोजगारी के मुद्दे को हल करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कई अन्य चुनावी वादे अभी पूरे होने बाकी हैं। उन्होंने बाढ़ राहत को केवल चार लाख लोगों तक सीमित रखने के लिए भी मुख्यमंत्री पर सवाल उठाया। कांग्रेस नेता ने सरकार बनने के 100 दिन बाद भी बजट पेश करने में विफल रहने के लिए नायडू सरकार की आलोचना की। उन्होंने बाढ़ राहत को केवल चार लाख लोगों तक सीमित करने पर भी मुख्यमंत्री से प्रश्न किया।-

रेत माफियाओं ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, वर्दी भी फाड़ दी, छत्तीसगढ़ में वन विभाग की टीम पर हमला

कवर्धा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में रेत माफियाओं के दुस्साहस का एक मामला सामने आया है। यहां रेत चोरी रोकने गई वन विभाग की टीम में शामिल कर्मचारियों को दौड़-दौड़ाकर पीटा गया। इस घटना में चार कर्मचारी घायल हो गए। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में रेत चोरी रोकने गई वन विकास निगम की टीम पर जानलेवा हमला किया गया, जिसमें एक अधिकारी समेत चार लोग घायल हो गए। मुखबिर से मंगलवार देर रात ग्राम डालामौहा के कुदूर झोरी नाला से रेत निकालकर वाहनों से ढोने की सूचना मिली थी। इस पर वन विकास निगम का अमला मौके पर पहुंचा, जिन्हें रेत माफियाओं ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा और वर्दी भी फाड़ दी। हमले में एक अफसर का सिर फूटा है। चारों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना कुकदूर थाना क्षेत्र का है।

भाजपा नायब सिंह सैनी का दिखा रही क्रेज और मनोहर खट्टर से परहेज, मोदी की रैलियों से दूर

चंडीगढ़, एजेंसी।
हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की रणनीति इस बार कुछ बदली हुई नजर आ रही है। पार्टी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के लिए क्रेज दिखा रही है। लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से परहेज कर रही है। हरियाणा में पीएम मोदी की दोनों रैलियों से खट्टर को दूर रखा जाना कुछ ऐसा ही संकेत दे रहा है। जानकारों के मुताबिक इसके पीछे की रणनीति बेहद खास है। पार्टी को लगता है कि खट्टर को लेकर फैली निगेटिविटी नुकसानदेह हो सकती है। वहीं, सीएम सैनी हरियाणा में बड़े ओबीसी वोट बैंक को लुभाने में अहम फैक्टर हो सकते हैं। अभी तक पीएम मोदी हरियाणा में दो चुनावी रैलियों को संबोधित कर चुके हैं। पहले 14 सितंबर को कुरुक्षेत्र में और कल यानी बुधवार को सोनीपत में। दोनों ही रैलियों

में मनोहर लाल खट्टर नजर नहीं आए। 90 विधानसभा सीटों वाले हरियाणा में पांच अक्टूबर को मतदान होना है। इस विधानसभा चुनाव में भी भाजपा सैनी को ही सीएम फेस बनाकर मैदान में उतर रही है। मनोहर लाल खट्टर को लेकर भाजपा की क्या रणनीति है, इस बारे में भाजपा नेताओं ने संकेत दिया है। भाजपा नेताओं ने कहा कि पार्टी खट्टर को फैली नकारात्मकता से बचने के लिए ऐसा कर रही है। हरियाणा में तीसरी बार सत्ता हासिल करने के लिए भाजपा पूरा जोर लगा रही है। द ट्रिब्यून के मुताबिक नाम न छापने की शर्त पर भाजपा नेताओं ने इस बारे में बताया। उनके मुताबिक पार्टी को लगता है कि गैर जाट, पिछड़े और पंजाबी वोटों के दम पर भाजपा हरियाणा में 2014 और 2019 का जादू दोहरा सकती है। वहीं, एक अन्य वरिष्ठ भाजपा नेता ने मोदी की रैली से खट्टर की गैरमौजूदगी को पार्टी का स्मार्ट मूव बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से सत्ताविरोधी लहर का खतरा कम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सोनीपत में खट्टर की रहने का कोई मतलब नहीं था। इस भाजपा नेता के मुताबिक जाट बहुत इलाके में उनकी मौजूदगी से पार्टी को नुकसान हो सकता था। मोदी ने 14 सितंबर को भाजपा का गढ़ माने जाने वाले जीटी रोड क्षेत्र में कुरुक्षेत्र से पार्टी के प्रचार अभियान की शुरुआत की थी। पड़ोसी सीट करनाल से सांसद होने के बावजूद खट्टर की गैरमौजूदगी से कई सवाल उठे थे। बताया यह भी जा रहा है कि भाजपा ने खट्टर से पूरी तरह से दूरी नहीं बनाई है। वह उनका सोच-समझकर इस्तेमाल कर रही है।

सिकंदराबाद-नागपुर वंदे भारत की सफर में सन्नाटा, नहीं मिल रहे यात्री, 80 प्रतिशत सीटें रहीं खाली

हैदराबाद, एजेंसी। देश की सबसे लोकप्रिय ट्रेन वंदे भारत आए दिनों सुर्खियों में रहती है। इस ट्रेन को लेकर रेलवे भी काफी उत्साहित है। रेलवे द्वारा इस ट्रेन का परिचालन अलग-अलग रूटों पर किया जा रहा है। अलग-अलग रूटों पर इस ट्रेन के चलने से यात्रियों में भी एक नया जोश है। ज्यादातर वंदे भारत ट्रेनें अपने सफर में फुल रहती हैं लेकिन हाल ही में शुरू की गई सिकंदराबाद-नागपुर वंदे भारत यात्रियों की कमी से जूझ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रेन में 80प्रतिशत से ज्यादा सीटें खाली रह रही हैं, जिससे रेलवे अधिकारी हैरान हैं। यह तेलंगाना में पांचवीं वंदे भारत एक्सप्रेस है जिसे 16 सितंबर को विदर्भ और तेलंगाना के औद्योगिक केंद्रों जैसे रामागुंडम, काजीपेट और सिकंदराबाद को जोड़ने के लिए शुरू किया गया था। ट्रेन नंबर 20102 वंदे भारत एक्सप्रेस की 1,440 में से 1,200 सीटें खाली रह रही हैं जिससे इसकी ऑक्यूपेंसी सिर्फ 20त्न रह गई है। रविवार को ट्रेन के रवाना होने से कुछ घंटे पहले 1,200 सीटें खाली थीं। खास बात ये है कि एग्जीक्यूटिव क्लास की 88 सीटों में सिर्फ 10 पर ही लोगों ने बुकिंग की थी। इसके उलट हैदराबाद से बेंगलुरु चेन्नई और विशाखापत्तनम जाने वाली वंदे भारत ट्रेनों में भारी मांग देखी जा रही है, जहां इन रूट के ट्रेनों की ऑक्यूपेंसी 90प्रतिशत से 100प्रतिशत के बीच है। विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए तो सोमवार को टिकटें वेटिंग लिस्ट में थीं जिससे इन ट्रेनों की लोकप्रियता साफ दिखती है।

मैं मुख्यमंत्री बनना चाहता हूं, पर डिप्टी सीएम से आगे ही नहीं बढ़ पा रहा: अजित पवार

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख अजित पवार ने सीएम बनने की इच्छा पर खुलकर बात की। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री बनना चाहते थे, लेकिन बार-बार डिप्टी सीएम के पद पर अटक जाते हैं। इस दौरान उन्होंने महायुति यानी एनसीपी, भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के बीच सीट शेयरिंग पर भी बात की।

एक कार्यक्रम में अजित पवार ने कहा, मैं मुख्यमंत्री बनना चाहता हूं, लेकिन मैं आगे नहीं बढ़ पा रहा हूं। मुझे मौका नहीं मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि एनसीपी के पास साल 2004 में मुख्यमंत्री बनाने का मौका था, लेकिन पार्टी ने इसे गंवा दिया। खास बात है कि 2004 में महाराष्ट्र के सीएम का पद कांग्रेस के खाते में आया था।

साल 2004 के विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र में एनसीपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। उस दौरान पार्टी को 71 सीटें मिली थीं। जबकि, 69 सीटों पर जीत के साथ कांग्रेस दूसरे स्थान पर थी। तब कांग्रेस नेता विलासराव देशमुख को सीएम बनाया गया था। साल 2012 में देशमुख का निधन हो गया था। कार्यक्रम में अजित ने बताया है कि साल 2019 में जिस पार्टी ने जितनी सीटें जीती थीं, उसके आधार पर सीट बंटवारा होगा। उन्होंने कहा, भाजपा ने जिन सीटों पर 2019 में जीत हासिल की थी, उनपर वह लड़ेगी। ऐसा ही एनसीपी और शिवसेना के लिए होगा। ऐसे में सीट शेयरिंग फॉर्मूला 200 सीटों पर साफ है। बची 88 सीटों को गठबंधन सहयोगियों में बांटा जाएगा। साल 2019 में अविभाजित एनसीपी ने कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। वहीं, भाजपा और तब अविभाजित शिवसेना साथ थे। 2019 में भाजपा ने 164 सीटों पर चुनाव लड़ा और 105 सीटें अपने नाम की थीं।

हिमाचल में बाढ़ जैसे हालत, कई जिलों में रात से हो रही भारी बारिश

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश में भीषण गर्मी के बाद अब जमकर बारिश देखने को मिली है। येलो अलर्ट के बीच कई जिलों में बीती रात से भारी वर्षा हो रही है। सबसे ज्यादा वर्षा सिरमौर जिला में हुई है। इसके अलावा चम्बा, हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा, ऊना और मंडी जिलों में भी झमाझम बारिश हुई है। सिरमौर जिला के विभिन्न हिस्सों में पिछले दो दिन से बादल बरस रहे हैं। लगातार हो रही वर्षा से जिले की नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है और बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। इसे देखते हुए आज तड़के श्री रेणुकाजी में गिरी नदी पर बने जतोन डैम के दो गेट खोलकर पानी की निकासी की गई। जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए नदी किनारे रह रहे लोगों को सचेत रहने के निर्देश दिए हैं।

हिल्स स्टेशनों में हल्की ठंड: मौसम के मिजाज बदलने से अधिकतम व न्यूनतम तापमान में गिरावट आने से गर्मी का असर कम हुआ है। मैदानी इलाकों में जहां मौसम सुहावना हो गया है, वहीं हिल्स स्टेशनों में सुबह-शाम हल्की ठंड महसूस की जा रही है। पिछले दिनों राज्य के कई भागों में गर्मी का रौद्र रूप देखने को मिला। शिमला में गर्मी ने पिछले तीन दशक के रिकॉर्ड तोड़ा, वहीं कांगड़ा सहित मैदानी हिस्सों में भी कई सालों बाद सितंबर में जबरदस्त गर्मी का प्रकोप रहा।

किस दिन से मौसम होगा साफ: मौसम विभाग के मुताबिक, 27 सितंबर से इसका असर कम होगा। 27 से 29 सितंबर तक कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने के आसार हैं। 30 सितंबर से मौसम साफ हो जाएगा। अक्टूबर के पहले हफ्ते मानसून के राज्य से विदा होने की संभावना है।

मॉनसून सीजन में गई 333 लोगों की जान: हिमाचल प्रदेश में मानसून ने 27 जून को दस्तक दी थी। इस बार मानसून की सामान्य से करीब 19 फीसदी कम बरसात हुई, लेकिन बादल फटने, बाढ़ आने व भूस्खलन से जगह-जगह तबाही देखने को मिली। मानसून सीजन में 202 घर, 67 दुकानें और 530 पशुशालाएँ पूर्ण रूप से ध्वस्त हुईं। 568 घरों को आंशिक तौर पर नुकसान हुआ। वर्षा से जुड़े हादसों में 333 लोगों की जान गई। इनमें सड़क हादसों में 150 लोग मारे गए। बादल फटने, बाढ़ व भूस्खलन की 98 घटनाएं हुईं, जिनमें 36 लोगों की मौत हुई और 33 अभी तक लापता हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक मानसून से राज्य में 1332 करोड़ का नुकसान पहुंचा है। लोकनिर्माण विभाग को सबसे ज्यादा 633 करोड़ का नुकसान हुआ। जलशक्ति विभाग को 513 करोड़ का नुकसान आंका गया है।

बंगाल सरकार नहीं दे रही बैठक की इजाजत, अब तक नहीं मिला न्याय- जूनियर डॉक्टरों का आरोप

कोलकाता, एजेंसी।
'पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट' ने बुधवार को आरोप लगाया है कि राज्य सरकार उन्हें 27 सितंबर को कार्यक्रम आयोजित करने की इजाजत नहीं दे रही है। डॉक्टर्स ने आरोप लगाया है कि सरकार ने पहले इजाजत दे दी थी लेकिन अब इससे इनकार किया जा रहा है। इस बैठक में डॉक्टर्स आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए अपने आंदोलन के भविष्य की रूपरेखा पर चर्चा करना चाहते थे।

इससे पहले आंदोलनकारी डॉक्टर्स ने पिछले सप्ताह अपना धरना वापस ले लिया था और राज्य सरकार के साथ बातचीत के बाद वे आंशिक रूप से राज्य संचालित अस्पतालों में आपातकालीन और जरूरी सेवाएं देने के लिए तैयार हो गए थे। हालांकि बुधवार को 26 सरकारी और निजी

मेडिकल कॉलेजों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद चिकित्सकों ने आरोप लगाया कि उनके आंदोलन को समर्थन देने वाले लोगों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए हैं।

बदले की भावना दिखा रही सरकार- डॉक्टर: इस मामले पर डॉक्टर अनिकेत महतो ने बताया, ''हमने हड़ताल करने का इरादा जताया था, उसके बाद भी प्रशासन स्पष्ट रूप से बदले की भावना दिखा रहा है। एक महीने से ज्यादा समय बीत चुका है लेकिन हमारी सहकर्मी बहन के दुष्कर्म और हत्या की जांच आगे बढ़ने के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं।''

सीबीआई कर रही है जांच: गौरतलब है कि 9 अगस्त को कोलकाता के आर जी कर अस्पताल में महिला जूनियर डॉक्टर मृत अवस्था में मिली थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसके साथ बलात्कार की पुष्टि हुई और शरीर पर कई आंतरिक और बाहरी चोटों के निशान भी मिले। इस संबंध में जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए ममता बनर्जी की राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए निष्पक्ष जांच कराने का आदेश दिया था। घटना के विरोध में कोलकाता समेत देशभर केडॉक्टर्स ने हड़ताल शुरू कर दी थी।

गिरफ्तार हो चुके बदमाश से पुलिस की मुठभेड़! रजा मोहम्मद को लगीं गोलियां

गाजियाबाद एजेंसी। महिलाओं के कान से कुंडल लूटने वाले बदमाश रजा मोहम्मद उर्फ रजुआ और गाजियाबाद पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई है। खास बात यह है कि मुठभेड़ बदमाश की गिरफ्तारी के बाद उस वक्त हुई जब उसे माल बरामदगी के लिए ले जाया गया था। पुलिस का कहना है कि उसने अचानक फायर करना शुरू कर दिया, जवाब में पुलिस ने उसे पैर और हाथ में गोली मारकर दबोच लिया। घायल रजा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

23 और 24 सितंबर को थाना मुरादनगर एरिया में महिलाओं से कुंडल लूट की घटना को अंजाम दिया गया था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने अलग-अलग टीमों को सक्रिय किया था। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी रजा मोहम्मद उर्फ रजुआ को मेरठ से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान रजा मोहम्मद ने बताया कि उसने लूटे हुए कुंडल, तमंचा और चाकू को सलेमबाद गांव में खेत में छुपा रखा है, जिन्हें वह बरामद करा सकता है।

पुलिस के मुताबिक पुलिस टीम इन सामानों की बरामदगी के लिए उसके बताए स्थान पर लेकर गई। माल बरामदगी के दौरान अचानक से पहले से लोडेड तमंचा निकालकर रजा मोहम्मद ने पुलिस पर फायर किया। पुलिस टीम ने आत्म रक्षा में जबावी फायरिंग की। आरोपी के पैर और हाथ में गोली लगी है।

सहायक पुलिस आयुक्त मसूरी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि आरोपी को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया है। उसके कब्जे से लूटे हुए दो जोड़ी कुंडल पीली धातु के, दो जिंदा कारतूस, एक तमंचा, दो खोखा कारतूस व एक चाकू बरामद हुआ है। उसके खिलाफ 30 मुकदमे पंजीकृत है।

महाराजा हरि सिंह पर राहुल के बयान से भड़के केंद्रीय मंत्री, खुले मंच पर बहस की दी चुनौती

जम्मू, एजेंसी।
केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को महाराजा हरि सिंह पर दिए बयान को लेकर खुली बहस की चुनौती दी है। बुधवार को जम्मू में महाराजा हरि सिंह पार्क स्थित उनकी प्रतिमा के सामने रेड्डी ने इस बहस की पेशकश की। रेड्डी का कहना है कि गांधी द्वारा महाराजा हरि सिंह को लेकर किए गए हालिया टिप्पणी अपमानजनक और निंदनीय हैं।

राहुल गांधी ने हाल ही में एक बयान में कहा था कि महाराजा हरि सिंह भगाए गए और भाग गए, जिस पर रेड्डी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यह टिप्पणी 23 सितंबर को महाराजा हरि सिंह की जयंती के दिन की गई थी, जिसे रेड्डी ने जानबूझकर किया गया अपमान बताया। उन्होंने राहुल गांधी को इतिहास पढ़ने की नसीहत देते हुए कहा, राहुल बाबा, इतिहास पढ़ो। रेड्डी ने कहा कि महाराजा हरि सिंह ने जम्मू-कश्मीर में कई सुधार किए और क्षेत्र के

हर परिवार में उनका सम्मान किया जाता है।

रेड्डी ने राहुल गांधी पर समाज को जाति, धर्म, क्षेत्रीयता और भाषा के आधार पर बांटने की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने गांधी द्वारा जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को बाहरी कहने पर भी आपत्ति जताई और कांग्रेस के इतिहास में जम्मू-कश्मीर और अन्य राज्यों में बाहरी लोगों को राज्यपाल बनाए जाने की घटनाओं का उल्लेख किया।

रेड्डी ने गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर को भारत का हिस्सा नहीं मानते और यह अलगाववादियों की भाषा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गांधी भारत के संस्थानों का अपमान करते हैं, चाहे वह सुप्रीम कोर्ट हो, भारतीय संसद, भारतीय सशस्त्र बल या चुनाव आयोग हो।

केंद्रीय मंत्री ने भाजपा सरकार की जम्मू-कश्मीर में उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि उनके शासन में स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे और कल्याण के क्षेत्रों में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने गरीब परिवारों को घरों में शौचालय, मुफ्त अनाज, पाइप से पानी, गैस सिलेंडर और जरूरतमंदों को घर जैसी सुविधाएं प्रदान करने वाले कार्यक्रमों की प्रशंसा की। आखिर में रेड्डी ने राहुल गांधी की तुलना अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, सुषमा स्वराज और गुलाम नबी आजाद जैसे विपक्षी नेताओं से की, यह कहते हुए कि गांधी ने अपने पद की गरिमा को गिरा दिया है।

गाजियाबाद जेल में युवक की मौत, पिता बोले- रेप केस में फंसाए जाने से था परेशान

गाजियाबाद एजेंसी।
गाजियाबाद की डासना जेल में 21 साल के एक विचाराधीन कैदी का शव पंखे से लटका मिला। पुलिस इसे आत्महत्या बता रही है जबकि आरोपी शिवम के पिता का दावा है कि उनका बेटा दुष्कर्म के एक मामले में फंसाए जाने के कारण परेशान था। उन्होंने आरोप लगाया कि चौकी प्रभारी एक लाख रुपये की रिश्वत मांग रहे थे जबकि लड़की के परिवार वाले मामले को रफा-दफा करने के लिए दो लाख रुपये की डिमांड कर रहे थे।

वहीं सहायक पुलिस आयुक्त (मसूरी) सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि स्थानीय मसूरी थाने को मंगलवार को डासना जेल में विचाराधीन कैदी की मौत की सूचना मिली। इसके बाद मसूरी थाने के अधिकारियों ने जांच के लिए एक टीम को बुलाया। जांचकर्ताओं को बुलंदशहर जिले के निवासी शिवम की डेड बॉडी योग हॉल के अंदर एक कमरे में छत के पंखे से लटकी पाई।

अधिकारी ने बताया कि करीब 21 साल का शिवम हापुड़ जिले के पिलखुवा में हुए एक अपराध के सिलसिले में जेल में बंद था। टीम ने घटनास्थल की जांच की और कार्यवाही की वीडियोग्राफी की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कानूनी कार्यवाही की जा रही है। शिवम के पिता सुंदर ने बताया कि बुधवार सुबह जेल अधिकारियों ने उन्हें बताया कि उनके बेटे ने आत्महत्या कर ली है, जिसके बाद वह अपने रिश्तेदारों के साथ डासना जेल पहुंचे। शिवम के पिता ने यह भी आरोप लगाया कि शिवम को हापुड़ के चिजारसी पुलिस चौकी प्रभारी ने फंसाया है। चौकी प्रभारी एक लाख रुपये की रिश्वत मांग रहे थे और लड़की के परिवार वाले मामले को रफा-दफा करने के लिए दो लाख रुपये मांग रहे थे।

रेसलर विनेश फोगाट को नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी का नोटिस

नईदिल्ली, एजेंसी। नेशनल डोपिंग रोधी एजेंसी ने रेसलर विनेश फोगाट को रहने के स्थल की सही जानकारी नहीं देने के कारण नोटिस भेजा है। नाडा ने विनेश से 14 दिन के अंदर जवाब मांगा है। एजेंसी ने नोटिस में विनेश को बताया कि उन्होंने अपने रहने के स्थल की जानकारी नहीं बताने की गलती की है, क्योंकि वह नौ सितंबर को सोनीपत के खरखौदा गांव में अपने घर पर डोप जांच के लिए उपलब्ध नहीं थीं।

नाडा के नोटिस में कहा गया है- आपको एंटी डोपिंग नियमों के तहत रहने के स्थल की जानकारी संबंधित जरूरतों का पालन करने में स्पष्ट विफलता के बारे में सूचित करने के लिए नोटिस दिया जाता है और मामले पर आखिरी फैसले से पहले जवाब मांगा जाता है। एक डोप कंट्रोल अधिकारी (डीसीओ) को आपकी जांच के लिए उस समय उस दिन उस स्थल पर भेजा गया था, लेकिन वे ऐसा करने में असमर्थ रहा, क्योंकि आप उस जगह पर मौजूद नहीं थीं।

नाडा के रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल में शामिल सभी खिलाड़ियों को डोप टेस्ट के लिए अपनी उपलब्धता की जानकारी देना जरूरी है। खिलाड़ी ने जिस स्थान की जानकारी दी है। अगर वह उस स्थान पर उपलब्ध नहीं होता, तो इसे ठिकाने की जानकारी देने की विफलता माना जाता है। अगर कोई खिलाड़ी 12 महीने में तीन बार स्थल की जानकारी संबंधित नियमों का उल्लघंन करता है, तो ही नाडा एथलीट को आरोपित कर सकता है। चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं विनेश विनेश इस समय अपने साथी रेसलर बजरंग पुनिया के साथ जुलाना क्षेत्र के चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं।

वे इसी महीने उनके साथी पहलवान बजरंग पूनिया हाल में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुईं और वे जुलाना विधानसभा से आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ रही हैं। पेरिस ओलिंपिक में अयोग्य होने के बाद लिया था संन्यास विनेश ने पेरिस ओलिंपिक में अयोग्य घोषित होने के बाद रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था। वे फाइनल में पहुंचने के बावजूद मेडल हासिल नहीं कर सकी थीं। क्योंकि उन्हें 100 ग्राम ओवरवेट होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया था। फिर उन्होंने इसके खिलाफ सीएएस में अपील की, लेकिन अपील खारिज कर दी गई थीं।

राशिद खान ने किया है एज फ्रॉड?

अफगानिस्तान कप्तान ने बताया क्या है असली उम्र

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में अक्सर खिलाड़ियों की उम्र पर सवाल खड़ा होता रहता है. खिलाड़ियों पर ऐसे आरोप लगाए जाते हैं कि वह अपनी उम्र कम बताते हैं और लंबे वक्त तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं. मौजूदा वक्त में अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान पर उम्र में घोटाला करने का काफी आरोप लगता है.

अब अफगानिस्तान के कप्तान हश्मतुल्लाह शहीदी ने राशिद की उम्र को लेकर बड़ा खुलासा किया. एक इंटरव्यू में हश्मतुल्लाह शहीदी ने राशिद खान को लेकर बात की. इसी दौरान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी की उम्र को लेकर भी बात हुई. राशिद की उम्र के बारे में हश्मतुल्लाह ने कहा, अभी तो मेरे ख्याल से राशिद 26 साल का हो गया है. शाहिद अफरीदी का तो मुझे नहीं पता. हश्मतुल्लाह शहीदी ने आगे कहा, ÷हमारी एक कहावत है कि हम लोग पठान है, हमारी एक बात होती है. हम एक बात पर रुकते हैं.

आगे मजाकिया अंदाज में कहा, तो इसलिए शायद एक उम्र पर रुक गए. बता दें कि राशिद खान ने पांच दिन पहले यानी 20 सितंबर को अपना 26वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया था. राशिद 2015 से अफगानिस्तान के लिए क्रिकेट खेल रहे हैं. राशिद ने टीनएज यानी किशोरावस्था में ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था. वह अफगानिस्तान के लिए तीनों फॉर्मेट खेलते हैं.

अब तक ऐसा रहा राशिद खान का करियर

राशिद ने अब तक अपने करियर में 5 टेस्ट, 105 वनडे और 93 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल लिए हैं. टेस्ट की 9 पारियों में उन्होंने 34 विकेट अपने नाम कर लिए हैं. इसके अलावा 7 पारियों में बैटिंग करते हुए 106 रन बना लिए हैं. वहीं वनडे की 100 पारियों में राशिद ने 190 विकेट चटका लिए हैं और 82 पारियों में बैटिंग करते हुए 1322 रन स्कोर कर लिए हैं, जिसमें 5 अर्धशतक शामिल हैं. बाकी टी20 इंटरनेशनल की 93 पारियों में उन्होंने 152 विकेट झटक लिए हैं और 56 पारियों में 460 रन बना लिए हैं.

सचिन नहीं, रोहित और विराट हैं क्रिकेट के भगवान : आकाश दीप

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की तेज गेंदबाजी सनसनी आकाश दीप ने भारत के कप्तान रोहित शर्मा के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की है। अब तक अपने दो टेस्ट मैचों में प्रभावित करने वाले 27 वर्षीय खिलाड़ी ने घरेलू से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सहज बदलाव का श्रेय भारतीय ड्रेसिंग रूम के आरामदायक माहौल को दिया, जिसका श्रेय उन्होंने रोहित के नेतृत्व को दिया।

आकाश दीप, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में तीन विकेट लेने का दावा किया था, को चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के शुरुआती मैच के लिए तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में चुना गया था। उन्होंने बांग्लादेश की पहली पारी में नई गेंद से दो विकेट लेकर तत्काल प्रभाव डाला।

दूसरे टेस्ट से पहले, आकाश दीप ने सही रास्ते पर मार्गदर्शन करने के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अन्य वरिष्ठ भारतीय खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने उनके अमूल्य समर्थन और मार्गदर्शन को स्वीकार किया, जिसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके सफल बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आकाश ने कानपुर में कहा कि जब मैं यहां आया, तो मैंने उन खिलाड़ियों के समर्पण और कड़ी मेहनत का एक अलग स्तर देखा जो खेल के दिग्गज हैं और रोहित, विराट भाई जैसे क्रिकेट के भगवान माने जाते हैं। मुझे एहसास हुआ कि उन्होंने बहुत कुछ हासिल किया है और प्रशिक्षण के दौरान अभी भी कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उनकी विचार प्रक्रिया एक अलग स्तर पर है। यह मुझे और भी अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने कप्तान रोहित की सरल नेतृत्व शैली की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि शुरुआत में मुझे झिझक थी कि दबाव होगा, लेकिन रोहित भैया ने चीजों को इतना सरल बना दिया। मैं इतने सहयोगी कप्तान के तहत नहीं खेला हूं। वह चीजों को सरल रखते हैं, मुझे कभी महसूस नहीं हुआ कि मैं घरेलू या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहा हूं।

पिछले दो वर्षों में, मैंने बहुत क्रिकेट खेला है। यह हमारे लिए सिर्फ तीन महीने का सीजन नहीं है। रणजी के बाद भी आप दलीप ट्रॉफी, ईरानी कप खेलते हैं। एक

खिलाड़ी के तौर पर आपको खुद को समझने और अपनी ताकत को जानने की जरूरत है। जब हम इस स्तर पर खेलते हैं, तो हमें यह भ्रमित नहीं होना चाहिए कि मैंने उस स्तर (रणजी) पर एक निश्चित शैली में खेला है और यहां चीजें अलग हैं। मैं इतना दबाव नहीं डालता कि मुझे ऑस्ट्रेलिया जाने की जरूरत है और यह सब। मैं वर्तमान में रहता हूं।

अश्विन- बुमराह नहीं बल्कि इस भारतीय गेंदबाज से डरते हैं स्टीव स्मिथ

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने एक ऐसे स्पिन गेंदबाज का नाम बताया है जिसे वो बल्लेबाजी के दौरान सामना नहीं करना चाहते हैं. एक शो में स्मिथ ने उस भारतीय स्पिनर का नाम बताया है. बता दें कि नवंबर में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज खेला जाने वाला है. उससे पहले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी लगातार कमेंटबाजी कर रहे हैं. अभी से भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भारत के बारे में और भारतीय खिलाड़ियों को लेकर बयान दे रहे हैं. अब स्मिथ ने भारत के उस स्पिनर को लेकर

खुलासा किया है जिसका वो सामना नहीं करना चाहेंगे. दरअसल, शो में जब उनसे पूछा गया कि विश्व क्रिकेट का सबसे मुश्किल स्पिनर कौन है?इसपर स्मिथ ने रिएक्ट किया और जवाब में उन्होंने भारत के अश्विन का नाम नहीं लिया है. स्मिथ ने सीधे तौर पर इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, रविंद्र जडेजायानी स्टीव स्मिथ अश्विन को नहीं बल्कि जडेजा को सबसे मुश्किल स्पिन गेंदबाज मानते हैं.

वो मेडल भारत के हैं...

ट्रोलर्स पर जमकर बरसी मनु भाकर

नईदिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया का चलन है। हर कोई अपनी खुशी, बड़ी उपलब्धि और यहां तक की गम भी अपने ऑनलाइन फ्रेंड और फैंस के साथ शेयर करता है। लेकिन कुछ लोग इसका गलत फायदा उठाते हैं और दूसरों को ट्रोल करते हैं। ऐसा ही कुछ पेरिस ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर के साथ हुआ है। पेरिस ओलंपिक में देश का गौरव बढ़ाने वाली देश की यह बेटी इन दिनों सोशल मीडिया सेंसेशन बनी हुई है।

मनु ने ओलंपिक खेलों में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन जीतों के साथ, वह ओलंपिक के एक संस्करण में एक से अधिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बन गईं। उन्होंने खेलों में भारत के लिए पदकों की संख्या में पहला स्थान प्राप्त किया और भारत को मिले छह पदकों में से दो पदक जीते। हालांकि, अपनी जीत के साथ भारत लौटीं भाकर को इंटरनेट पर आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसमें उन पर अपने पदकों का बहुत अधिक दिखावा करने का आरोप लगाया गया।

इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए भाकर ने एक्स पर इन आलोचनाओं के सामने अपनी बात रखी। एक सम्मानजनक प्रतिक्रिया में उन्होंने लिखा, पेरिस 2024 ओलंपिक में मैंने जो दो कांस्य पदक जीते हैं, वे भारत के हैं। जब भी मुझे किसी कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया जाता है और इन पदकों को दिखाने के लिए कहा जाता है, तो मैं गर्व के साथ ऐसा करती हूं। यह मेरी खूबसूरत यात्रा को साझा करने का मेरा तरीका है। दो कांस्य पदक जीतने के बाद मनु 25 मीटर पिस्टल वर्ग में तीसरे पदक के बेहद करीब पहुंच गईं थी, जहां वह चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने शूटिंग में लगातार देश का मान बढ़ाया है और भविष्य में भी देश के लिए पदक जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

टेनिस प्रीमियर लीग सीजन 6 की नीलामी में लिएंडर पेस, महेश भूपति और सानिया मिर्जा फिर से एक साथ आए

मुंबई, एजेंसी । टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) के बहुप्रतीक्षित छठे सीजन से पहले, आठों फ्रेंचाइजी ने बुधवार को सहारा स्टार, मुंबई में नीलामी में पूरी ताकत झोंक दी। सितारों से सजी इस शाम में

टेनिस के दिग्गज लिएंडर पेस, महेश भूपति और सानिया मिर्जा मौजूद थे, जो कई वर्षों के बाद खेल को बढ़ावा देने के लिए एक साथ आए थे, साथ ही बॉलीवुड सेलेब्स रकुल प्रीत सिंह और सोनाली बेंद्रे भी मौजूद थीं। कई उतार-चढ़ावों के साथ बोली के चार दौर के बाद, सभी टीमों ने बेहद प्रतिस्पर्धी रोस्टर बनाए, जिसमें दुनिया भर से आकर्षक प्रतिभाओं का मिश्रण था। 22 वर्षीय अर्मेनियाई उभरती हुई स्टार एलिना अवनेस्यान, जो पहली बार टूर्नामेंट में भाग लेंगी, के लिए प्रियेश जैन के स्वामित्व वाली और तापसी पन्नू समर्थित पंजाब पैट्रियट्स ने 42.20 लाख रुपये की सबसे ऊंची बोली लगाई।

अन्य टीमों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करने के बावजूद, पैट्रियट्स ने डायमंड श्रेणी से अपनी टीम में दुनिया के 47वें नंबर की खिलाड़ी को शामिल करने के लिए कड़ी मेहनत की, जिससे खिताब के लिए उनका इरादा जाहिर हुआ।

टी20 विश्व कप जीतने की भारत की संभावनाएं बहुत ज़्यादा - लीसा स्थालेकर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान लीसा स्थालेकर का मानना है कि यूएई में होने वाले आगामी महिला टी20 विश्व कप जीतने के लिए भारत की संभावनाएं बहुत ज़्यादा हैं। उन्हें यह भी लगता है कि 3-20 अक्टूबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट में भारत को अच्छी शुरुआत देने के लिए सलामी बल्लेबाज़ शैफ़ाली वर्मा और स्मृति मंधाना पर बहुत कुछ निर्भर करेगा।

विश्व कप में भारत को ग्रुप ए में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम अपना पहला महिला टी20 विश्व कप खिताब जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है। तो जाहिर है, मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। वे मौजूदा चैंपियन हैं। वे 4/4 के लिए जा रहे हैं। इंग्लैंड मजबूत रहा है, हालांकि उन्होंने न्यूजीलैंड के साथ दो बार खेला। वे हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ हार गए, हालांकि उन्होंने अपनी सबसे मजबूत टीम नहीं भेजी। लेकिन आपको लगता है कि वे अच्छी तरह से तैयार हो रहे हैं और वे चुनौती ले रहे हैं।

भारत, निश्चित रूप से, हरमनप्रीत कौर की अगुआई में चुनौती का सामना करेगा। मैंने देखा कि उसने आईसीसी पर एक लेख लिखा था जिसमें कहा गया था कि वे 2020 में फाइनलिस्ट थे और वे लंबे समय से सेमीफाइनलिस्ट हैं। मुझे लगता है कि उनके पास (इसे बदलने की) हर संभावना है, लेकिन मुझे लगता है कि वे अच्छी शुरुआत के लिए अपने सलामी बल्लेबाजों पर निर्भर रहेंगे, फिर वे इस बार पूरी तरह से जीत जाएंगे। जैसे, अगर पूजा वस्त्रकर - वह फिट रह सकती है और वापसी की राह पर है, तो वह कई टीमों के लिए काफी मुश्किल साबित हो सकती है। इसलिए, भारत की संभावनाएं बहुत अधिक हैं।

विदित ने प्रधानमंत्री से मिलने के लिए छोड़ी प्रतियोगिता

शतरंज ओलंपियाड:

नईदिल्ली, एजेंसी। गुजराती, डी गुकेश, आर प्रज्ञानंद और एरिगेसी की मौजूदगी वाली उस भारतीय पुरुष टीम का हिस्सा थे जिसने हाल में ओपन वर्ग में शतरंज ओलंपियाड का स्वर्ण पदक जीता।

शतरंज ओलंपियाड में भारत को पहली बार स्वर्ण पदक दिलाने वाले खिलाड़ियों में शामिल विदित गुजराती ने अजरबेजान में 10वें वुगार गाशिमोव स्मृति टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव नहीं करने का फैसला किया है, जबकि वह बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे। गुजराती ने पिछले साल हमवतन अर्जुन एरिगेसी को पछाड़कर अजरबेजान में खिताब जीता था।

गुजराती, डी गुकेश, आर प्रज्ञानंद और एरिगेसी की मौजूदगी वाली उस भारतीय पुरुष टीम का हिस्सा थे जिसने हाल में ओपन वर्ग में शतरंज ओलंपियाड का स्वर्ण पदक जीता। गुजराती ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर बताया कि वह प्रतियोगिता के लिए बाकू पहुंच गए थे, लेकिन सम्मान समारोह के बारे में पता चलने के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए स्वदेश लौटने का फैसला किया। गुजराती ने 'एक्स' पर लिखा, मैं बाकू पहुंच गया था। मुझे पता चला कि माननीय प्रधानमंत्री भारतीय टीम को सम्मानित करना चाहते हैं। जब मैंने यह सुना तो मैं बहुत खुश हुआ और मैं इसका हिस्सा बनना चाहता था। यह आश्चर्यजनक है कि इतनी जल्दी वह हमारे लिए समय निकाल रहे हैं।

गुजराती ने बताया कि उन्होंने अजरबेजान टूर्नामेंट से हटने फैसला किया क्योंकि वह प्रधानमंत्री से मिलने का अवसर नहीं खोना चाहते थे। गुजराती ने बताया, यह पूरी तरह से मेरा फैसला था (अजरबेजान टूर्नामेंट में नहीं खेलना) क्योंकि प्रधानमंत्री ने अपना बहुमूल्य समय हमें दिया था। मैं उनसे मिलने का अवसर नहीं खोना चाहता था।

प्रधानमंत्री ने अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद हमें पूरा एक घंटा दिया। उनसे मिलना सम्मान की बात थी और उनके भाषण से प्रेरित हुआ। बाकू में 25 से 30 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता में अरविंद चिदंबरम 29 वर्षीय गुजराती की जगह लेंगे। गुजराती ने लिखा, मैंने सरखान गाशिमोव (आयोजक) से संपर्क किया और उन्होंने मेरी भावनाओं को समझा। उनका बहुत-बहुत धन्यवाद। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने के लिए अरविंद को शुभकामनाएं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
ई-पेपर
www.sonvarshavani.com
sonvarshavani.com/epaper

संक्षिप्त समाचार

गया पुल नये अंडरपास का मामला फिर पेच में फंसा

धनबाद, एजेंसी। गया पुल नये अंडरपास का मामला फिर पेच में फंस गया. अंडरपास के लिए तीन कंपनियों शीला कंस्ट्रक्शन, राजस्थान व पटना की कंपनी ने टेंडर डाला था. इसमें दो कंपनी राजस्थान व पटना की कंपनी का टेंडर रिजेक्ट हो गया. जबकि शीला कंस्ट्रक्शन ने टेंडर में क्वालिफाई किया, हालांकि इस कंपनी ने प्राक्कलित राशि से 19.9 प्रतिशत रेट अधिक कोट किया है. इसके कारण मामला फंस गया है. आरसीडी के मुताबिक दस प्रतिशत तक टेंडर कमेटी इसपर निर्णय लेती है. दस प्रतिशत से अधिक रेट होने पर कैबिनेट स्तर से निर्णय होता है. टेंडर कमेटी जल्द शीला कंस्ट्रक्शन को बुलायेगी और रेट पर बात करेगी. अगर प्राक्कलित राशि से दस प्रतिशत रेट पर कंपनी सहमति जताती है तो टेंडर कमेटी स्तर से मामले का समाधान हो जायेगा. पिछली बार भी रेट को लेकर मामला फंसा था. नये अंडरपास के लिए यह तीसरा टेंडर था. पहला टेंडर में रेट को लेकर टेंडर रद्द कर दिया गया था. दूसरे टेंडर में किसी कंपनी ने भाग नहीं लिया. बैंक मोड़ चेंबर के पूर्व अध्यक्ष प्रभात सुरोलिया ने सरकार से जल्द से जल्द टेंडर पर निर्णय लेने की अपील की है.गया पुल नये अंडरपास का 30.50 करोड़ का टेंडर है. शुरुआत में 23.84 करोड़ का डीपीआर बना था. कुछ सप्लीमेंट बजट को डीपीआर में जोड़कर टीएस किया गया. इसमें 5.57 करोड़ रुपये मुआवजा व कुछ यूटिलिटी को जोड़ा गया. कैबिनेट से इसकी मंजूरी मिलने के बाद टेंडर निकाला गया था.

तेतुलमारी से लापता बीआइटी छात्र पुरुलिया से बरामद

धनबाद, एजेंसी। तेतुलमारी थाना क्षेत्र के नगरीकला से दो दिन पूर्व गायब हुए बीआइटी के छात्र विवेक कुमार महतो को मंगलवार की देर रात पश्चिम बंगाल के पुरुलिया रेलवे स्टेशन से अचेत अवस्था में बरामद कर लिया गया. तेतुलमारी पुलिस द्वारा मोबाइल लोकेशन बताये जाने के बाद उसके परिजन अपने वाहन से उसे घर लेकर आये. वह अभी सहमा हुआ है. कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं है. छात्र ने बताया कि वह मोबाइल लेकर तेतुलमारी रेलवे स्टेशन गया था, उसके बाद उसके साथ क्या हुआ, वह नहीं बता पा रहा है. इधर छात्र के परिजनों का कहना है कि गायब होने के बाद कई बार उसके फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन मोबाइल बंद था. मंगलवार की रात करीब 9ः00 बजे उसका मोबाइल चालू हो गया और उसने अपने छोटे भाई को फोन किया, लेकिन कुछ बोल नहीं पा रहा था. दूसरी बार मोबाइल संपर्क करने पर उसका मोबाइल फिर बंद मिला. करीब एक घंटा के बाद छात्र ने फिर अपने भाई को फोन कर कहा मैं ट्रेन में टाटा में हूं, तब परिजनों ने कहा कि पुरुलिया रेलवे स्टेशन पर उतर जाओ, वहां से रिसीव कर लिया जायेगा. उसने वैसा ही किया. इधर, पुलिस का कहना है कि उक्त छात्र का मोबाइल नंबर ट्रेस में डाला गया था. पुलिस ने परिजनों को पुरुलिया में लोकेशन होने की जानकारी दी, तो परिजन उसे लेकर आये. पुलिस ने कार से छात्र के अपहरण के आरोपों को नकारा. कहा कि जिस कार से अपहरण होने की बात बतायी जा रही थी, वह कार धनबाद की है. इस संबंध में तेतुलमारी थानेदार सत्येंद्र कुमार यादव ने कहा कि उक्त छात्र के कुछ बताने पर तथा सीडीआर आने के बाद ही मामले का खुलासा होगा.

बीसीकेयू नेता पर कार्रवाई की मांग को ले जीएम से मिलीं विधायक

धनबाद, एजेंसी। निरसा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता बुधवार को इसीएल मुगमा जीएम एसके चौधरी से मिलीं. उन्होंने बीसीकेयू नेता रामजी यादव द्वारा जमसं के कुमारधुबी कोलियरी शाखा सचिव ललन पांडेय के साथ गाली-गलौज, मारपीट मामले में कार्रवाई की मांग की. इस दौरान कोलियरी एजेंट दिलीप राय, कार्मिक प्रबंधक बाबूलाल पांडे व अन्य अधिकारी थे. विधायक ने जीएम से स्पष्ट कहा कि आरोपी बीसीकेयू नेता पर प्रबंधन द्वारा कार्रवाई नहीं की गयी, तो आंदोलन किया जायेगा. घटना से श्रमिकों में आक्रोश है. जीएम एसके चौधरी ने कोलियरी एजेंट को जांच कर कार्रवाई का निर्देश दिया. साथ ही, गाइडलाइन का पालन करने को कहा. जमसं नेता सह कोलियरी कर्मी ललन पांडे मंगलवार को कुमारधुबी कोलियरी में ड्यूटी पर थे. श्री पांडे का आरोप है कि इसी दौरान बड़मुड़ी कोलियरी के कर्मी शुभम विश्वकर्मा, रामजी यादव व रामानंद राजभर पहुंचे और बेवजह उसके साथ गाली-गलौज करते हुए धक्का-मुक्की की. इस संबंध में पीड़ित ने कोलियरी एजेंट, मैनेजर व विधायक को अपर्णा सेनगुप्ता को लिखित शिकायत की है.

चंपई सोरेन की सुरक्षा में तैनात वाहन हटाए

सरायकेला, एजेंसी। राज्य सरकार की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन की सुरक्षा में तैनात वाहनों में से कुछ को वापस ले लिया गया है। इससे पूर्व उनके घर पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को भी हटा दिया गया था। वाहनों व गार्ड को वापस ले लिए जाने की बात को चंपई सोरेन ने अपने एक्स हैंडल पर शेयर किया है। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा है कि झारखंड में अपने लोगों के बीच उन्हें किसी भी प्रकार की सुरक्षा की जरूरत नहीं है। एक पूर्व मुख्यमंत्री की सुरक्षा से खिलवाड़ की इस राजनीतिक साजिश का जवाब राज्य की जनता देगी।

उन्होंने अपनी पोस्ट में यह भी लिखा है कि सभी नियमों एवं प्रोटोकॉल को दरकिनार करते हुए राज्य सरकार ने उनकी सुरक्षा में लगे वाहनों को वापस बुला लिया है। चंपई कोल्हान क्षेत्र में भ्रमण पर हैं। ऐसे में उनके साथ लोगों की भीड़ चल रही है। यही वजह है कि ऐसे समय में सुरक्षा वापस लिए जाने की घटना से सवाल खड़े हो रहे हैं। इधर, देखते हुए स्वयं मुख्यमंत्री अब तक तीन से चार बार कोल्हान का दौरा कर चुके हैं।

अब कोल्हान पर मुख्यमंत्री की निगाहें टिकी हुई हैं। सरायकेला में झामुमो की सभा भी दो बार आयोजित करा दी गई, जहां मंत्रियों व विधायकों की टीम ने झामुमो कार्यकर्ताओं के अंदर जोश भरने का काम किया। पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा नेता चंपई सोरेन ने झामुमो को घेरते हुए कहा कि 1855 में सिदो-कान्हू ने तीर की नोक से संताल परगना बनाया और कास्तकारी अधिनियम बनाया, लेकिन वर्तमान में संताल परगना की धरती व आदिवासियों का अस्तित्व संकट में आ गया है। संताल परगना के लोगों ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद को स्वीकार नहीं किया, लेकिन आज उसी धरती पर बांग्लादेशी घुसकर जमीन पर कब्जा कर रहे हैं और सामाजिक व्यवस्था को तोड़ रहे हैं।

इस घुसपैठ को सिर्फ भाजपा ही रोक सकती है, इसलिए मैं एक क्षेत्रीय पार्टी से निकल कर भाजपा में शामिल हुआ। बांग्लादेशियों को अगर कोई भगा सकता है तो वह केवल भाजपा ही है। अन्य कोई राजनीतिक दल यह लड़ाई नहीं लड़ सकती है। आदिवासियों की अस्मिता को दूसरा कोई दल नहीं बचा सकता है। चंपई सोरेन बुधवार को सरायकेला में विधानसभा चुनाव के लेकर निकाली गई भाजपा की परिवर्तन यात्रा के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

परिवर्तन यात्रा में हजारों की संख्या में महिला व पुरुष समर्थकों की भीड़ जुटी थी। रैली में शामिल लोग पैदल यात्रा करते हुए गेस्ट हाउस मैदान में आयोजित सभा में पहुंचे। यहां सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि रैली में मौजूद भीड़ यह संकेत दे रही है कि परिवर्तन निश्चित होगा। आदिवासी और मूलवासियों को फिर से अमन-चैन से जीने का मौका मिलेगा। चंपई ने कहा कि झारखंड में संघर्ष करने के बाद पांच महीने तक सत्ता संभालने का मौका मिला।

मैंने कैलेंडर बनाकर आइने की तरह योजनाओं को स्वीकृत किया। वहीं, मंइयां सम्मान योजना पर चंपई ने कहा कि आज जिस योजना के नाम सरकार छाती ठोक रही, उसे मैं ही लेकर आया था। चाहे बहाली हो या फ्री में बालू देना, यह सारे मेरे ही कार्य थे। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोला और कहा कि कांग्रेस ने देश में लंबे समय तक राज किया, लेकिन आदिवासियों और मूलवासियों के बारे में कभी नहीं सोचा। झारखंड को अलग राज्य बनाना भाजपा की ही देन है। भाजपा ने आदिवासी और मूलवासी के दर्द को समझा और देश में तीन नए राज्य बनाए। चंपई ने हो भाषा का जिक्र करते हुए कहा कि ओलचिकी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया है। हो भाषा को भी जल्द ही आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाएगा। इसके लिए गृह मंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया है। देश में वारंग क्षिति लिपि को शामिल करने का भी आश्वासन दिया है।

रांची हाई कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने पर मुख्य सचिव, पर्यटन सचिव और देवघर डीसी को अवमानना नोटिस

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसएन प्रसाद और जस्टिस एके राय की खंडपीठ में बाबा बैद्यनाथ मंदिर के निकट क्यू कांप्लेक्स के दूसरे चरण का निर्माण कार्य शुरू नहीं होने पर दाखिल अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने आदेश पालन नहीं किए जाने पर नाराजगी जताते हुए मुख्य सचिव, पर्यटन सचिव और देवघर डीसी को अवमानना नोटिस जारी किया है। अदालत ने पूछा है कि 10 माह बाद भी कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने पर क्यों नहीं आप लोगों के खिलाफ अवमानना का मामला चलाया जाए

मामले में अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। इससे पहले सरकार की ओर से स्पष्टीकरण का जवाब दाखिल किया गया। जिसमें कहा गया कि कंपनी के सीएसआर फंड से देवघर में क्यू कांप्लेक्स के दूसरे चरण का निर्माण नहीं कराया जा सकता है। अदालत ने सरकार के स्पष्टीकरण को खारिज कर दिया।

हाई कोर्ट ने दिसंबर 2023 में निशिकांत दुबे की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए बाबा बैद्यनाथ मंदिर के क्यू कांप्लेक्स का निर्माण शुरू करने का आदेश दिया था।

अदालत ने कहा था कि नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड के सीएसआर फंड से क्यू कांप्लेक्स बनाने के लिए 120 करोड़ देने के आग्रह को राज्य सरकार स्वीकार करे।

लेकिन अदालत के आदेश का पालन नहीं होने पर निशिकांत दुबे की ओर से अवमानना याचिका दाखिल की गई। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शिवानी जालुका ने पक्ष रखा। जिसमें कहा गया कि बाबा बैद्यनाथ मंदिर के लिए क्यू कांप्लेक्स के दूसरे चरण का निर्माण कार्य हो रहा है।

केंद्र सरकार की ओर से अपने अंशदान के रूप में 25 करोड़ रुपये की राशि दे दी गई है। सरकार की ओर से अपने हिस्से की राशि उपलब्ध नहीं कराई जा रही है।

नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड सीएसआर के तहत क्यू कांप्लेक्स के द्वितीय चरण के निर्माण के लिए 120 करोड़ देने को तैयार है और सरकार को पत्र भी लिखा है। बाबा मंदिर में दर्शन करने हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। क्यू कांप्लेक्स बनने से श्रद्धालुओं को काफी राहत होगी।

मुफ्त बालू योजना में चल रहा बड़ा खेल, 2 दस्तावेज के साथ कर रहे झोल, हेमंत सरकार के लिए चुनौती

रांची, एजेंसी। झारखंड में राज्य सरकार ने जैसे ही गरीबों को मुफ्त बालू देने की घोषणा की, बड़े पैमाने पर फर्जी आवेदनकर्ताओं की कतार लग गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की घोषणा के बाद अभी तक झारखंड राज्य खनिज विकास निगम को करीब 1400 आवेदन मिले हैं जिनमें से अधिक आवेदन गलत लोगों के हैं।ऐसे लोग जो निर्धारित मानकों पर सही नहीं उतर रहे हैं। सरकार ने घोषणा की है कि गरीबों को दो हजार सीएफटी तक बालू मुफ्त मिलेगा, लेकिन उन्हें ढोने का प्रबंध खुद करना होगा।निर्धारित मानदंड के अनुसार मुफ्त बालू के लिए लाभुक का गैर आयकर दाता होना जरूरी है। इसके लिए उसे सिर्फ अपने पैन कार्ड की छायाप्रति जमा करानी होगी। एक स्वघोषणा पत्र भी ऐसे आवेदकों को देना आवश्यक है। लेकिन कई लोग इन दो दस्तावेज की शर्त को भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं और फर्जी दस्तावेज भेज रहे हैं।झारखंड राज्य खनिज विकास निगम ने जानकारी दी है कि अभी तक 1.56 लाख सीएफटी बालू की बुकिंग हुई है, जिसमें से 78500 सीएफटी बालू लाभुकों को दे दी गई है। विभिन्न जिलों में बालू के स्टाक से निकालकर गरीबों को आवास व अन्य निर्माण कार्यों के लिए राज्य सरकार ने बालू देने का निर्णय लिया था।

धनबाद आईआईटी में दलित युवक एडमिशन के लिए नहीं दे पाया 17,500 रुपए, गंवाई सीट, सुप्रीम कोर्ट ने दिया आश्वासन

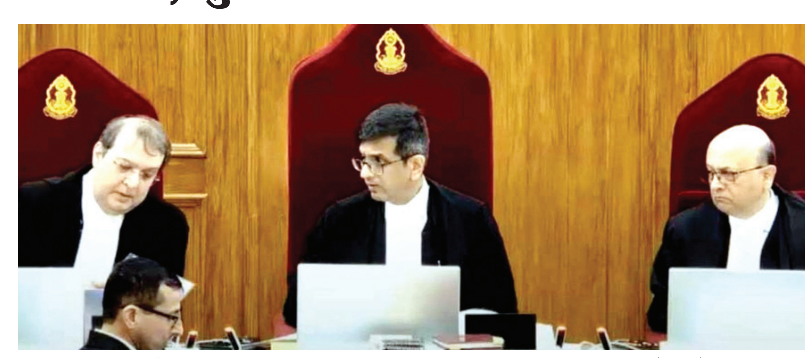

धनबाद, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी मेहनत से अपने अंतिम प्रयास में आइआइटी की परीक्षा उत्तीर्ण करनेवाले गरीब दलित युवक अतुल कुमार(18) को मदद का आश्वासन दिया है. अतुल आइआइटी, धनबाद में अंतिम तिथि तक 17,500 फीस जमा नहीं करा पाया और सीट गवां दी. सीजेआइ डीवाइ चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला व जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने मंगलवार को अतुल के वकील से कहा कि हम आपकी यथासंभव मदद करेंगे. हालांकि पीठ ने पूछा कि आप पिछले तीन महीनों से क्या कर रहे थे शुल्क जमा करने की निर्धारित समय सीमा 24 जून को समाप्त हो गयी है. अतुल के माता-पिता सीट पक्की करने के लिए 17,500 की फीस 24 जून तक जमा करने में विफल रहे थे.

अतुल के वकील ने पीठ को बताया कि उसने अपने दूसरे और अंतिम प्रयास में जेइइ एडवांस्ड पास कर लिया है और अगर शीर्ष अदालत उसकी मदद नहीं करती है, तो वह परीक्षा में फिर से शामिल नहीं हो पायेगा. वकील ने युवक के परिवार की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि वह (अतुल) एक दिहाड़ी मजदूर का बेटा है और यूपी के मुजफ्फरनगर जिले के टिटोरा गांव में गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले (बीपीएल) परिवार से है.

वकील ने दलील दी कि आइआइटी, धनबाद में सीट आवंटित होने के महज चार दिन बाद यानी 24 जून की शाम पांच बजे तक 17,500 रुपये का इंतजाम करना छात्र के लिए बहुत मुश्किल काम था. पीठ ने दलीलें सुनने के बाद इस वर्ष की प्रवेश परीक्षा आयोजित करने वाले आइआइटी, मद्रास के संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण को नोटिस जारी किया.

अतुल ने झारखंड के एक केंद्र से जेइइ की परीक्षा दी थी, इसलिए युवक ने झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का रुख किया. प्राधिकरण ने उसे मद्रास हाइकोर्ट का दरवाजा खटखटाने का सुझाव दिया, क्योंकि परीक्षा आइआइटी, मद्रास ने आयोजित की थी. हाइकोर्ट ने उसे शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए कहा. उसके माता-पिता ने सीट बचाने के लिए राष्ट्रीय अनुसूचित जाति का भी दरवाजा खटखटाया था. पर आयोग ने भी उसकी मदद करने में असमर्थता जतायी.

झोंपड़ीनुमा होटल संचालन से कोयला के धंधे में आने के बाद काफी दुश्मन बन गये थे बुधन के

धनबाद, एजेंसी। झोंपड़ीनुमा होटल में कम उम्र से खुद खाना बनाने से लेकर बड़े राजनीतिक लोगों के बीच अपनी पैठ बनाने के सफर में बुधन उर्फ भीम कुमार मंडल कई लोगों के आंखों की किरकिरी बन गया था. हालांकि इस दौरान बुधन मंडल का नाम कोयला के धंधे में आता रहा. अच्छे व्यवहार के कारण विक्ट्री कॉलोनी, चांदमारी कोलियरी, बस्ताकोला, धनसार क्षेत्र के स्लम मुहल्ला के गरीब लोगों के बीच वह लोकप्रिय हो रहा था.

बस्ताकोला चांदमारी स्थित बस्ताकोला न्यू ओपेन कास्ट प्रोजेक्ट लोडिंग प्वाइंट में शुरू होने वाले डीओ ट्रक लोडिंग के काम में स्थानीय बेरोजगारो को रोजगार देने की आवाज उठायी थी. इसी बात को लेकर बुधन मंडल व युवा बेरोजगार मंच के गुड्डू सिंह के बीच विवाद हुआ था. बीच में भी कई बार टकराव हो चुका था. सिंह मेंशन समर्थक के

रूप में उसने अपनी पहचान बना ली थी. मूल रूप से गिरिडीह के रहने वाले बुधन लोकसभा चुनाव में ढुलू महतो के साथ खड़ा था. हाल के दिनों में रेस्टोरेंट व अन्य दुकान भी शुरू की थी.

इधर, बुधवार को झारखंड सुड़ी समाज कल्याण समिति का प्रतिनिधिमंडल बुधन के घर विक्ट्री कॉलोनी पहुंचा. समाज के पदाधिकारियों ने इस परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की. लोगों ने बुधन के घरवालों से पूरे मामले की जानकारी ली. समिति के जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मंडल ने सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की. कहा कि अगर जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई, तो समाज आंदोलन करने को विवश होगा. बताया कि गुरुवार को एसएसपी से मुलाकात की जायेगी. मौके पर महासचिव शैलेन मंडल, मनीष साव, राजकुमार मंडल, इंद्रजीत मंडल, राजेश मंडल, गौर मंडल, विजय मंडल, रूपेश मंडल व मनींद्र मंडल आदि थे.

एसएसपी के दिशा निर्देश पर सिंदरी डीएसपी भूपेंद्र राउत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने फरार चल रहे नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर ताबडतोड़ छापेमारी की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली है. घटना के बाद से झरिया इंस्पेक्टर सह थानेदार शशि रंजन कुमार व धनसार इंस्पेक्टर सह थानेदार मनोज पांडेय ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है.

झारखंड में अभी निम्न दबाव के कारण होगी बारिश, आसमान में छाए रहेंगे बादल, येलो अलर्ट जारी

रांची, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव का असर झारखंड के कई जिलों में दिख रहा है. मौसम विभाग ने पलामू प्रमंडल में गरज के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी है. वहीं कोल्हान और मध्य झारखंड में इसका खास असर दिख रहा है. वहीं, राजधानी में भी इसके असर से बुधवार को दिन भर रुक-रुक कर बारिश होती रही. रांची में करीब पांच मिमी के आसपास बारिश रिकॉर्ड की गयी.

सबसे अधिक चाकुलिया में करीब 55 मिमी बारिश हुई. मौसम केंद्र ने पूर्वानुमान किया है कि गुरुवार को पलामू, चतरा, गढ़वा, लातेहार, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ में भारी बारिश हो सकती है. कहीं-कहीं गर्जन और वज्रपात का भी अनुमान है. इस दौरान लोगों को बाहर न निकलने की सलाह दी गई है जिससे वह वज्रपात से बच सकें. वहीं संताल परगना में भी इसका असर दिख सकता है. वहां भी तेज बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है. शेष जिलों में मौसम सामान्य रहेगा.

आलमगीर के साथ हो गया खेल, इधर कांग्रेस ने दी बड़ी जिम्मेदारी, उधर हाईकोर्ट ने दे दी नई टेंशन

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा नियुक्ति घोटाले की सीबीआई जांच कराने के हाईकोर्ट के आदेश के बाद जेल में बंद पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की मुश्किलें और बढ़ेगी। ईडी के साथ-साथ अब सीबीआइ का शिकंजा भी उनपर कसेगा।

बता दें कि ग्रामीण विकास विभाग के टेंडर कार्य आवंटन घोटाले को लेकर ईडी ने उनकी गिरफ्तारी की थी। जेल जाने के कुछ दिनों के बाद उन्हें मंत्री पद से त्यागपत्र देना पड़ा था। आलमगीर आलम को इसकी वजह से कांग्रेस विधायक दल के नेता का पद भी छोड़ना पड़ा।विधानसभा नियुक्ति घोटाले की सीबीआइ जांच की प्रक्रिया

जब आगे बढ़ेगी तो, परेशानियों से घिरे कांग्रेस के इस प्रमुख नेता की दिक्कतें बढ़नी तय है।आलमगीर आलम 20 अक्टूबर 2006 से 26 दिसंबर 2009 तक झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष थे। उनके कार्यकाल में नियुक्तियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई थी। तमाम स्थापित नियमों को दरकिनार कर बहालियां की गई।घोटाले से संबंधित सीडी भी उनके कार्यकाल में ही जारी हुई थी। उनके निर्देश पर विधानसभा की कमेटी भी गठित की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।जस्टिस विक्रमादित्य आयोग की रिपोर्ट में सिलसिलेवार उनके विरुद्ध आरोपों की सूची है, जो आने वाले दिनों में उनके लिए संकट का सबब बन सकता है। उनके पद संभालने के पूर्व इन्दर सिंह नामधारी स्पीकर थे। नामधारी पर भी विधानसभा नियुक्ति घोटाले में गंभीर आरोप हैं। फिलहाल वे सक्रिय राजनीति से दूर हैं।आलमगीर आलम को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए गठित कांग्रेस की चुनाव प्रचार समिति में शामिल किया गया है। पार्टी के भीतर यह चर्चा है कि जेल में बंद रहने के कारण वे किस प्रकार चुनावी अभियान में भाग लेंगे।हालांकि, पार्टी के नेताओं का कहना है कि उन्हें जमानत दी जा सकती है, लेकिन कांग्रेस में उनका विरोधी खेमा यह कहते हुए इसका विरोध कर रहा है कि इससे गलत संदेश जा रहा है।आलमगीर आलम के आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने पर भी संशय है। इसकी भी चर्चा है कि उनके पुत्र राजनीतिक उत्तराधिकार संभालने के लिए आगे आ सकते हैं।

उत्पाद सिपाही भर्ती दौड़ में जान गंवाने वालों के परिवार को मिलेगा मुआवजा, प्रस्ताव मंजूर

रांची, एजेंसी। उत्पाद सिपाही बहाली की शारीरिक परीक्षा के क्रम में तबीयत बिगड़ने के बाद जान गंवाने वाले अभ्यर्थी के परिवार कों 4-4 लाख रुपये मुआवजा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने इस संबंध में पूर्व में घोषणा भी की थी। बता दें कि अगस्त में शुरू हुई सिपाही बहाली दौड़ के दौरान राज्य में कुल 17 युवकों की अबतक मौत हो चुकी है, वहीं कई बीमार होकर इलाजरत हैं।

अभ्यर्थियों की लगातार मौत की घटनाओं को देखते हुए मुख्यमंत्री ने

संज्ञान लिया था और थोड़े समय के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा प्रक्रिया को स्थगित करने का निर्देश दिया था। बाद में निगरानी और सुविधाएं बढ़ाते हुए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी।उन्होंने भविष्य में होने वाली बहालियों के लिए नियम में बदलाव का भी निर्देश दिया था। गृह विभाग इसे भी अंतिम रूप देने में जुटा है। संभव है कि शुक्रवार 27 सितंबर को कैबिनेट की बैठक में नियमावली में संशोधन से संबंधित प्रस्ताव मंत्रिपरिषद के विचारार्थ प्रस्तुत किया जाए।

इसमें सिपाही बहाली के लिए निर्धारित 10 किलोमीटर की दूरी को कम किया जा सकता है। सिपाही बहाली के अभ्यर्थियों की दौड़ के क्रम में मौत को लेकर विपक्षी दल भाजपा सरकार पर लगातार हमलावर थी। भाजपा ने भी अपनी ओर से मृत अभ्यर्थियों के परिवार को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई थी।